सूर्योदय दि. 28-06-2022
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सर्च

RNI No.DELHIN/2015/66886

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

पूजा हेगड़े का छलका दर्द...पृष्ठ-8

वर्ष : 08 अंक : 174 | नई दिल्ली, मंगलवार 28 जून-2022 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

जी-7 शिखर सम्मेलन में दूसरे दिन पीएम मोदी ने इन मुद्दों पर डाला प्रकाश

जी-7 में बेहतर भविष्य में निवेश के लिए जलवायु, ऊर्जा और स्वास्थ्य सत्र में पीएम मोदी ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)

जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिन की यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जर्मनी पहुंचे हुए हैं। इसी कड़ी में सोमवार को पीएम मोदी श्लास एल्मौ पहुंचे जहां पर जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोलज ने सोमवार को जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी का स्वागत किया।

जर्मनी में जी7 शिखर सम्मेलन में जलवायु, ऊर्जा और स्वास्थ्य पर एक सत्र में ग्रह समर्थक बनने और बेहतर भविष्य में निवेश करने के लिए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हरित विकास, स्वच्छ ऊर्जा, स्थायी जीवन शैली और वैश्विक भलाई के लिए भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। एक भ्रांति है कि गरीब देश पर्यावरण को अधिक नुकसान पहुंचाते हैं। लेकिन भारत का 1000 साल से अधिक का इतिहास इस दृष्टिकोण का पूरी तरह से खंडन करता है। प्राचीन भारत ने अपार समृद्धि का समय देखा है। पीएम मोदी ने कहा-हमने सदियों की गुलामी भी सहन की है। अब स्वतंत्र भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी

पीएम मोदी ने कहा-हमने सदियों की गुलामी भी सहन की है। अब स्वतंत्र भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। विश्व की 17 प्रतिशत जनसंख्या भारत में निवास करती है

अर्थव्यवस्था है। विश्व की 17 प्रतिशत जनसंख्या भारत में निवास करती है। लेकिन, वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में हमारा योगदान केवल 5 प्रतिशत ही है। बता दें कि इस सम्मलेन में दुनिया के सात सबसे अमीर देशों के नेता यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, खाद्य सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी सहित विभिन्न महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने वाले हैं। दुनिया के सात सबसे अमीर देशों के समूह जी-7 के अध्यक्ष के रूप में जर्मनी इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। शिखर सम्मेलन की शुरुआत से पहले, प्रधान मंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ हाथ मिलाया और नेताओं ने एक समूह फोटो के लिए भी इकट्ठे हुए। विदेश मंत्री के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट कर कहा-प्रधानमंत्री मोदी, जो जी-7 के शिखर सम्मेलन के लिए रविवार से दो दिवसीय यात्रा पर जर्मनी में हैं, स्कोल्ज ने दक्षिणी जर्मनी में शिखर सम्मेलन के सुरम्य स्थल श्लास एल्मौ में आगमन पर उनका स्वागत किया।

बता दें कि रविवार को पहले कार्य सत्र में जी-7 के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों ने वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की थी। वहीं रविवार को, प्रधान मंत्री ने म्यूनिख के आडी डोम में जर्मनी में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की थी। जर्मनी में जीवंत भारतीय समुदाय के हजारों सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था। पीएम मोदी ने भारत की विकास गाथा पर प्रकाश डाला। यही नहीं उन्होंने देश के विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों का भी उल्लेख किया।

वृद्ध महिलाओं को बेसहारा छोड़ना सामाजिक कलंक : कोविंद

यह कलंक जितनी जल्दी मिट सके, उतना ही अच्छा होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि वृद्ध महिलाओं को बेसहारा छोड़ना एक सामाजिक बुराई तथा देश की संस्कृति पर कलंक है और यह जितना जल्दी मिट सके उतना ही अच्छा होगा। उत्तर प्रदेश में वृंदावन के एक दिन के दौरे पर गये श्री कोविंद ने सोमवार को वृद्ध महिलाओं के आश्रय गृह कृष्णा कुटीर का दौरा किया और वहां रहने वाली वृद्ध महिलाओं के साथ बातचीत की।

इस मौके पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने वृंदावन से जुड़ी प्रेम और त्याग की कहानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके साथ साथ सैकड़ों वर्षों से प्रचलित सामाजिक विकृतियों की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, ऐसे अनेक उदाहरण देखने में आए हैं, जब महिलाओं के अपने बेटे या परिवार वाले ही, उन्हें वृंदावन में बेसहारा छोड़ गए और फिर लौटकर कभी उनका हाल पूछने नहीं आए। यह सामाजिक बुराई, देश की संस्कृति पर एक कलंक है। यह कलंक जितनी जल्दी मिट सके, उतना ही अच्छा होगा। उन्होंने कहा, मेरा विचार है कि समाज में 'कृष्णा कुटीर' प्रकार के आश्रय-गृहों के निर्माण की आवश्यकता ही नहीं पड़नी चाहिए।

इस मौके पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने वृंदावन से जुड़ी प्रेम और त्याग की कहानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके साथ साथ सैकड़ों वर्षों से प्रचलित सामाजिक विकृतियों की भी अनदेखी नहीं की जा सकती।

प्रयास तो यह होना चाहिए कि निराश्रित महिलाओं के पुनर्विवाह, आर्थिक स्वावलंबन, पारिवारिक सम्पत्ति में हिस्सेदारी, सामाजिक और नैतिक अधिकारों की रक्षा जैसे उपाय किए जाएं। देश के गणमान्य लोगों से इन महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में सहयोग की अपील करते हुए उन्होंने कहा, मैं समाज के सभी जिम्मेदार नागरिकों से भी अपील करता हूं कि सामाजिक जीवन से दूर हो गई इन माताओं को समाज की मुख्य-धारा में शामिल किया जाए। समाज के साथ उनका संपर्क बढ़ाया जाना चाहिए। तीज-त्योहारों, मेलों-उत्सवों में उनकी अनुभव-पूर्ण भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

इससे पहले श्री कोविन्द ने अपनी धर्मपत्नी सविता कोविन्द के साथ वैदिक मंत्रोंच्चार के बीच बांके बिहारी मन्दिर में पूजन अर्चन किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पूजन अर्चन में शामिल हुए।

एक नज़र

श्रीनगर : सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढ़ेर

श्रीनगर (एजेंसी) केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये। मुठभेड़ अभी जारी है। सुरक्षा बलों ने यह जानकारी दी। कुलगाम जिले के त्रुबजी इलाके के नौपोरा-खेरपोरा में छिपे आतंकवादियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान चलाया गया था और इसी दौरान मुठभेड़ शुरू हो गयी। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा, आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चलने पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से इलाके की घेराबंदी और जांच अभियान शुरू कर दी, जिसके बाद छिपे हुए आतंकवादियों ने संयुक्त जांच टीम पर अंधाधुंध गोलियां चला दी, सुरक्षा बलों ने इसका जवाब दिया और मुठभेड़ शुरू हो गयी। अब तक दो आतंकवादी मारे जा चुके हैं। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ अभी जारी है। कश्मीर में सुरक्षाबलों ने इस माह अंतकवादी विरोधी अभियान को तेज कर दिया है।

लगातार तीसरे दिन शेयर बाजार में तेजी जारी

मुंबई (एजेंसी) अंतरराष्ट्रीय स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर हुयी चौतरफा लिवाली के बल पर शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन शेयर बाजार में तेजी बनी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 433.30 अंक उछलकर 53161.28 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज(एनएसई) का निफ्टी 132.80 अंक चढ़कर 15832.05 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों की तरह की छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली का जोर बना रहा जिससे बीएसई का मिडकैप 0.87 प्रतिशत उठकर 21991.81 अंक पर और स्मॉलकैप 1.57 प्रतिशत चढ़कर 24905.94 अंक पर रहा। बीएसई में शामिल सभी समूह हरे निशान में रहे जिसमें आईटी में सबसे अधिक 2.02 प्रतिशत तथा सीडी में सबसे कम 0.07 प्रतिशत की तेजी रही। बीएसई में कुल 3575 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2386 बढ़त तथा 1038 गिरावट में रही जबकि 151 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दिल्ली की 17 सड़कों का जीर्णोद्धार करवाएगी केजरीवाल सरकार

पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने 13.58 करोड़ रूपये के परियोजनाओं को दी मंजूरी

विजय कुमार.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों को बेहतर बनाने की श्रृंखला में केजरीवाल सरकार तेजी से काम कर रही है। दिल्ली के लोगों को आवाजाही में किसी प्रकार की समस्या न हो और उन्हें जाम से न जूझना पड़े इसके लिए समय-समय पर जरुरत के अनुसार पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़कों की मेन्टेनेन्स का कार्य करती है।

इस दिशा में उपमुख्यमंत्री व पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने तिलक नगर, विकासपुरी व जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र की 17 सड़कों के सुदृढ़ीकरण से संबंधित कार्यों के लिए 13.58 करोड़ रूपये लागत की परियोजनाओं को मंजूरी दी। सुदृढ़ीकरण के लिए चयनित इन सड़कों की कुल लम्बाई 12.83 किलोमीटर है। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के तहत परियोजनाओं में तेजी लाने की श्रृंखला जारी रखते हुए सरकार ने दिल्ली की सड़कों के सुदृढ़ीकरण से संबंधित कार्यों पर तीव्र गति से काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि इन सड़कों का सुदृढ़ीकरण आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से किया जाएगा ताकि लम्बे समय तक ये सड़के मजबूत बनी रहें। श्री सिसोदिया ने कहा कि हम क्रमबद्ध तरीके से पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत आने वाली सड़कों को बेहतर बनाने का काम कर रहे है। उन्होंने बताया कि इन सड़कों के पुराने हो जाने के कारण उसकी उपरी सतह पर दरार आदि देखने को मिली जिससे कई जगहों पर वाहनों की आवाजाही में अवरुद्ध होता था। इसे देखते हुए सरकार द्वारा इन तीनों विधानसभा की सड़कों के सुदृढ़ीकरण का काम शुरू किया जा रहा है ताकि आम लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही साथ इन सड़कों के सुदृढ़ीकरण से

मानसून के दौरान जनता को आवाजाही में न हो परेशानी इसलिए दिल्ली की विभिन्न सड़कों का तेजी से सुदृढ़ीकरण करवा रही है केजरीवाल सरकार : मनीष सिसोदिया

सड़कों के सुदृढ़ीकरण में होगा आधुनिकतम टेक्नोलॉजी का प्रयोग ताकि आवागमन बने और अधिक सुरक्षित

कई इलाकों में कॉलोनियों से मुख्य मार्ग तक की इंटर-कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी और लोगों का यात्रा समय बचेगा। सड़कों के सुदृढ़ीकरण के बाद रोजाना इनका इस्तेमाल करने वाले लाखों लोगों को फायदा होगा। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों के सुदृढ़ीकरण के कार्यों को समय रहते पूरा किया जाए।

ज्ञात हो की इन सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने इनकी वर्तमान स्थिति और आवश्यकताओं का गहन निरीक्षण किया गया जिसके पश्चात इन परियोजनाओं को सरकार की मंजूरी मिली। सुदृढ़ीकरण के इस प्रोजेक्ट में सड़कों की मजबूती पर तो ध्यान दिया ही जाएगा साथ इस इन सड़कों पर सभी मानकों का पालन करते हुए अच्छी गुणवत्ता की 'रोड मार्किंग' भी की जाएगी। पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली के लोगों को सुरक्षित, सुगम और सुंदर सड़क मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार का विज़न अपने नागरिकों को विश्व स्तरीय सड़कें उपलब्ध करवा उन्हें यात्रा का बेहतर अनुभव देना है। इस कारण इन सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए पीडब्ल्यूडी दिल्ली द्वारा आधुनिकतम टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है जिससे दिल्ली की सड़के यात्रियों की आवाजाही के लिए अधिक सुरक्षित बन सके। तिलक नगर व विकासपुरी विधासभा की इन सड़कों का होगा जीर्णोधार, (1) केशोपुर सब्जी मंडी रोड (2) तिलक विहार मेन रोड (3)पेलिकोन रोड (4) अशोक नगर रोड (4) चौखंडी रोड (6) गुरु विरजानंद मार्ग से डिस्ट्रिक्ट पार्क विकास पूरी (7) ब्रेन पब्लिक स्कूल रोड (8) के.आर.मंगलम रोड (9)शहीद राजगुरु मार्ग, जनकपुरी विधानसभा की इन 8 सड़कों का भी होगा सुदृढ़ीकरण (1) प्रो. जोगिन्दर सिंह मार्ग (2) मेजर दीपक त्यागी मार्ग (3) लाल साई मार्ग (4) 60 फुटा रोड (5) पोसंगी पुर रोड (5) ए-1 ब्लाक मेन रोड (7) अपोजिट ए-1 ब्लाक में रोड (8) असालत पुर रोड- 1

राजनाथ ने मलेशिया के रक्षा मंत्री के साथ रक्षा सहयोग बढाने पर चर्चा की

नई दिल्ली (एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मलेशिया के रक्षा मंत्री हिशामुद्दीन बिन हुसैन के साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढाने के उपायों पर आज विस्तार से चर्चा की। श्री सिंह ने सोमवार को श्री हुसैन के

साथ वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से बात की। बातचीत के बाद रक्षा मंत्री ने ट्वीट कर कहा, मलेशिया के सीनियर डिफेंस मिनिस्टर हिशामुद्दीन बिन हुसैन के साथ वीडिया कांफ्रेन्स के माध्यम से शानदार बातचीत हुई। हम दोनों ने भारत और मलेशिया के बीच मजबूत रक्षा संबंधों के प्रति वचनबद्धता दोहरायी और रक्षा क्षेत्र में सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई को नहीं मिल रहा कोई वकील, पिता ने सुप्रीम कोर्ट में लगाई गुहार, 11 जुलाई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)

सिंगर मूसेवाला की हत्या का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के पिता ने सोमवार को गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के

मामले में दिल्ली की एक अदालत के ट्रांजिट रिमांड आदेश सहित विभिन्न आदेशों को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। लारेंस बिश्नोई के पिता ने शिकायत की कि पंजाब में वकीलों ने केस न लड़ने का बहिष्कार किया है। कोई भी वकील उनके बेटे और उनका प्रतिनिधित्व करने को तैयार नहीं हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की अवकाशकालीन पीठ को अधिवक्ता संग्राम सिंह सरोन ने बताया कि उन्होंने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय और दिल्ली की एक अदालत के ट्रांजिट रिमांड के आदेशों को चुनौती दी है, लेकिन चूंकि पंजाब की मानसा अदालत में कोई वकील इस मामले की सुनवाई नहीं कर रहा है। लारेंस बिश्नोई के मामले में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

पीठ ने कहा कि यह बिल्कुल अनुचित है और याचिकाकर्ता बिश्नोई कानूनी सहायता वकील प्रदान करने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते है। पीठ ने कहा कि ये कानूनी सहायता वकील मामले से इन्कार नहीं कर सकते हैं या उन्हें पैनल से हटा दिया जाएगा। पीठ ने वकील से उन्हें कानूनी सहायता वकील प्रदान करने के लिए पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट से संपर्क करने के लिए कहा।

राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में लड़ रहा हूं विचारधारा की लड़ाई : यशवंत सिन्हा

नई दिल्ली (एजेंसी)

राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने कहा है कि राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के तौर पर वह विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे हैं और उन्हें खुशी है कि देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए पूरा विपक्ष एकजुट होकर उनका समर्थन कर रहा है।

श्री सिन्हा ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए नामांकन पत्र भरने के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि उनकी विचारधारा हमारे देश तथा लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है जबकि विपक्षी दलों की विचारधारा देश में आजादी का माहौल बनाए रखकर लोकतंत्र को मजबूत करने की है। भाजपा की विचारधारा सत्ता के लिए देश को तोड़ने वाली और झूठ पर आधारित है जबकि विपक्षी दलों की विचारधारा संतुलित होकर देश को जोड़ने वाली तथा सत्य पर आधारित है। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में ज्यादातर विपक्षी दल एकसाथ आये हैं और अब सभी दल लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में एक साथ रहेंगे। विपक्षी दलों का इस तरह से एक साथ आने को उन्होंने शुभ संकेत बताया और कहा कि उनकी ताकत को कम करके नहीं आंकना चाहिए। उनका कहना था कि वे सत्य की लड़ाई लड़ रहे हैं और गलत कदम का साथ नहीं दे रहे हैं इसलिए जीत उनकी होगी। भाजपा के आदिवासी महिला को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने पर विपक्षी दलों के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने कहा कि इसमें कुछ भी नया नहीं है और भाजपा इस तरह के कदम सांकेतिक रूप से उठा रही है। भाजपा आदिवासियों या अनुसूचित जाति के हितों की बात सिर्फ सांकेतिक रूप से करती है। उनका कहना था कि आदिवासियों की बात करने वाली भाजपा को बताना चाहिए कि उसने आठ साल में इस समुदाय के लिए क्या किया है।

इस संबंध में उसका रिकार्ड देखेंगे तो उसके रिकार्ड में कुछ नहीं मिलेगा। अर्थव्यस्था को लेकर उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि नोटबंदी से कालाधन वापस नहीं आया बल्कि इसके जरिए उसे सफेद करने का अवसर मिला है। पहले देश की अर्थव्यवस्था आठ प्रतिशत की विकास दर से बढ रही थी लेकिन कोरोना से पहले तक यह चार प्रतिशत पर आ गई और उसके बाद इसका संकट और बढ गया।

पीएम मोदी अग्निपथ योजना लागू करने की हठ छोड़े : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वह अग्निपथ योजना लागू करने की अपनी हठ छोड़कर देश के युवाओं की मांग पर ध्यान दें और इस योजना को तत्काल वापस लेकर हजारों युवाओं के सेना में भर्ती होने के सपने को पूरा करें।

कांग्रेस प्रवक्ता मोहन प्रकाश ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने देश भर में सोमवार को 3,500 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों अग्निपथ योजना के खिलाफ सत्याग्रह किया जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। उनका कहना था कि सरकार को अग्निपथ के तहत चार साल की नौकरी के बजाए पहले की तरह सशस्त्र बलों में युवाओं को शामिल कर देश की सीमाओं तथा युवा पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने 20 जून को अग्निपथ योजना के खिलाफ सत्याग्रह शुरु किया था और फिर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद को इस संबंध में एक ज्ञापन भी दिया। ज्ञापन में अग्निपथ योजना को वापस लेने का महामहिम से अनुरोध किया गया है। राष्ट्रपति से आग्रह किया गया है कि यह

योजना लागू होती है तो राष्ट्रीय सुरक्षा कमजोर होगी इसलिए इसे वापस लिया जाना चाहिए। प्रवक्ता ने देश की विभिन्न जेलों में इस योजना का विरोध करते हुए बंद किये गये युवाओं की रिहाई की भी मांग की और कहा कि निर्दोष युवाओं के साथ सरकार को न्याय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेना में सवा लाख से ज्यादा पद जवानों के खाली पड़े हैं और खुद सरकार ने भी यह स्वीकार किया है।

एक नज़र

फर्रुखाबाद इंस्पेक्टर हत्याकांड : बसपा नेता अनुपम दुबे का होटल सील, प्रशासनिक टीम ने जानकारी देने के लिए बजवाया ढोल

फर्रुखाबाद (एजेंसी) इंस्पेक्टर रामनिवास यादव और पीडब्ल्यूडी ठेकेदार मो. शमीम हत्याकांड और गैंगस्टर के मामले में मैनपुरी जेल में बंद बसपा नेता अनुपम दुबे की संपत्ति सीज करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सोमवार की सुबह प्रशासनिक टीम ने उनका होटल सील कर दिया है।

इस दौरान पुलिस फोर्स तैनात रहा। सोमवार की सुबह तहसीलदार सदर श्रद्धा पांडेय राजस्व टीम, शहर कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार शुक्ल, मऊदरवाजा थाना प्रभारी आमोद कुमार सिंह की अगुवाई में भारी पुलिस फोर्स के साथ बसपा नेता अनुपम दुबे के ठंडी सड़क स्थित होटल गुरुशरणम पैलेस पहुंची। उन्होंने ढोल बजवाकर गुरुशरणम पैलेस को प्रशासनिक कब्जा में लेकर उसे सील करने की जानकारी दी। इसके बाद होटल में रुके लोगों को जगाकर कमरा खाली करने को कहा गया है।

होटल के अभिलेख कब्जे में ले लिए। सीसी कैमरा की डीवीआर (डिजिटल वीडियो रिकार्डर) भी कब्जे में लेने को कहा गया। तहसीलदार स्वयं ताले लेकर आई थीं। होटल खाली करवाने के बाद उन्होंने ताला लगाकर उसका स्टोर, किचन आदि सील करना शुरू कर दिया है।

कानपुर : कटरी में तेंदुआ पकड़ने को बिछाया जाल, वन विभाग की टीम ने दो पिंजरे व चार नाइट विजन कैमरे लगाए

कानपुर (एजेंसी) गंगा किनारे कटरी क्षेत्र के आसपास बसे गांवों में पहली बार मादा तेंदुआ की दस्तक से ग्रामीण दहशत में हैं। वन विभाग की टीम तीन दिन की मशक्कत के बावजूद तेंदुआ का पता नहीं लगा पाई है। इधर, तेंदुआ रात में जंगल से निकलकर गांव में बंधे मवेशी, सूअर का शिकार कर रहा है। रात में खेत से लौटने वाले ग्रामीणों पर भी हमला कर रहा है।

हालांकि, किसी ग्रामीण के हताहत होने की खबर नहीं है। तेंदुआ की हलचल बढ़ने पर वन विभाग की टीम ने अब जंगल में अलग अलग स्थानों पर चार नाइट विजन (रात्रि दृष्टि) कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के जरिए तेंदुआ की पल पल की गतिविधि कैमरे में कैद की जायेगी। वन अधिकारी का दावा है कि पिंजड़ा में मृत मवेशी रखवाया गया है।

संभावना है कि तेंदुआ मांस खाने के लिए जरूर आयेगा और उसे पिंजड़े में कैद कर लेंगे। ग्रामीण रामकेश, सुनील, विकास व राममोहन ने बताया कि पूरा गांव दहशत में हैं। खेतों में सब्जियां व अन्य फसल उगा रखी हैं। जंगली सूअर से फसल को खतरा रहता है। इसलिए रात में खेत में रुककर रखवाली करनी होती है लेकिन पहली बार तेंदुआ आने की दहशत से खेतों की तरफ जाने में डर लगता है कि कहीं तेंदुआ जानलेवा हमला न कर दें।

हवाला केस से जुड़ा चीनी नागरिक का बिजनेस पार्टनर नटवरलाल गिरफ्तार, जल्द होगा बड़ा खुलासा

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी) चीनी नागरिक सु फाइ के ग्रेटर नोएडा में फैले हवाला से जुड़े अवैध कारोबार की जांच में जुटी पुलिस ने हवाला केस से जुड़े रवि कुमार नटवरलाल ठक्कर को रविवार देर रात गिरफ्तार कर लिया है। जासूसी के शक में पकड़े गए चीनी नागरिक सु फाइ का बिजनेस पार्टनर रवि कुमार नटवरलाल है। ग्रेटर नोएडा और नोएडा में संचालित होने वाले चीनी नागरिकों के अवैध अड्डे में होने वाले हवाला के कारोबार में सबसे बड़ा सूत्रधार रवि कुमार नटवरलाल है।

सूत्रों ने दावा किया है कि नटवरलाल के अलावा केस से जुड़े पुष्पेंद्र, प्रदीप व एलन को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुष्पेंद्र पर चीनी नागरिकों के अवैध अड्डे पर नार्थ ईस्ट की लड़कियों को सप्लाई करने का आरोप है। प्रदीप पर नटवरलाल को शरण देने का आरोप है। एलन चीनी नागरिकों के अवैध अड्डे की प्रबंधक है। आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस इस मामले में जल्द ही बड़ा पर्दाफाश कर सकती है। सूत्रों ने दावा किया है कि रवि कुमार नटवरलाल का लुक आउट नोटिस जारी होने के बाद से वह बेहद परेशान था। सोमवार को उसकी अग्रिम जमानत पर कोर्ट में सुनवाई होनी थी। इससे पहले ही पुलिस को मुखबिर से मिली खास सूचना के आधार पर सफलता हाथ लगी है। सूत्रों ने दावा किया है कि हवाला केस से जुड़े मास्टरमाइंड रवि कुमार नटवरलाल को पुलिस ने दबोच लिया है।

नेपाली युवतियों को जंगल में खींचकर सामूहिक दुष्कर्म, बलरामपुर में चार युवकों पर केस दर्ज

बलरामपुर (एजेंसी) हरैया के मणिपुर बाजार में खरीदारी करने आई दो नेपाली युवतियों के साथ जंगल में सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। इनमें से एक पीड़िता की मां ने नेपाल के जिला दांग थाना खागंड़ा नाका पुलिस के साथ हरैया थाना पर रविवार की रात घटना की जानकारी दी। इस शर्मनाक घटना ने न सिर्फ महिला सुरक्षा के दावों की हवा निकाल दी है, बल्कि जंगलवर्ती इलाके में पुलिस गश्त की भी पोल खोल दी है।

आनन-फानन में हरैया पुलिस ने चार अभियुक्तों को नामजद करते हुए हिरासत में ले लिया है। पीड़िताओं को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा गया है। अभियुक्तों से पुलिस गहनता से पूछताछ कर रही है। पीड़िता की मां ने बताया कि उसकी पुत्री अपनी सहेलियों के साथ रविवार को मणिपुर में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में खरीदारी के लिए आई थी।

रास्ते में पड़ने वाले जंगल में चार व्यक्तियों ने उन्हें रोककर छेड़खानी शुरू कर दी। विरोध करने पर चारों ने दो युवतियों को दबोच लिया। दोनों को जंगल में घसीटकर उनके साथ सामूहिक दुर्षकम किया। इसके बाद चारों वहां से फरार हो गए। दरिंदों के चंगुल से छूटने के बाद युवतियों ने परिवारजन को घटना के बारे में सूचना दी।

राष्ट्रपति कोविन्द ने मथुरा के बांके बिहारी मंदिर में सपरिवार की पूजा-अर्चना

मथुरा (एजेंसी)

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द सोमवार को एक दिन के दौरे पर भगवान कृष्ण की नगरी मथुरा पहुंचे हैं। मथुरा के वृंदावन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति ने बांके बिहारी मंदिर में दर्शन किया। यहां पर पूजा-अर्चना में उनके साथ पत्नी तथा पुत्री भी थीं।

बिहारी मंदिर में शीश नवाने के बाद महामहिम कृष्णा कुटीर के लिए रवाना हो गए। मथुरा दौरे पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द का हेलीकाप्टर अपने तय समय पर वृंदावन पहुंचा। कृष्णाकुटीर महिला आश्रय सदन के समीप बने हेलीपैड पर राष्ट्रपति की सुरक्षा में साथ आए वायुसेना के पहले हेलीकाप्टर ने लैंडिंग की। दूसरे हेलीकाप्टर में राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द मौजूद थे और तीसरे हेलीकाप्टर में भी सुरक्षा दस्ता राष्ट्रपति के हेलीकाप्टर के साथ हेलीपैड पर उतरा। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के वृंदावन पहुंचने पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्पगच्छ प्रदान कर उनका स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति, राज्यपाल व मुख्यमंत्री का काफिला ठा. बांकेबिहारी मंदिर के लिए निकल गया।

करीब सात किलोमीटर लंबे रूट को राष्ट्रपति के स्वागत को सजाया गया है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस फोर्स की तैनाती के बीच गुजरे राष्ट्रपति के काफिले के बीच कोई न आए, इसके लिए सारे रास्ते पहले से ही बंद किए गए हैं। राष्ट्रपति का काफिला कृष्णाकुटीर से निकलकर गांव कीकी नगला, सुनरख, हरेकृष्णा आर्चिड, सुनरख मार्ग, परिक्रमा मार्ग, बाराहघाट, कालीदह घाट होते हुए ठा. बांकेबिहारी मंदिर की पार्किंग पहुंचेगा। जहां राष्ट्रपति कोविन्द आराध्य बांकेबिहारी के दर्शन के लिए आधा घंटे मंदिर में मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति के स्वागत के लिए मंदिर को सजाया गया है। दिव्य फूलबंगले में विराजित ठा. बांकेबिहारी के दर्शन कर राष्ट्रपति गदगद नजर आए। सबसे पहले राष्ट्रपति कोविन्द ने आराध्य बांकेबिहारी के हाथ जोड़कर दर्शन किए और अपलक निहारते रहे। स्वजन संग आराध्य बांकेबिहारी के दर्शन कर उन्हीं में खो गए राष्ट्रपति कुछ देर तक एकाग्रचित आराध्य बांकेबिहारी की मनमोहक छवि को निहारते रहे।

मंदिर सेवाधिकारी बालकृष्ण गौतम व सेवायतों ने वैदिक मंत्रोच्चारण शुरू किया और इसी के साथ वैदिक आचार्य अवधेश बादल द्वारा उच्चरित मंत्रोच्चारण के मध्य राष्ट्रपति ने आराध्य बांकेबिहारी की प्रतीकात्मक देहरी का पूजन किया। चूंकि जगमोहन में ठा. बांकेबिहारीजी फूलबंगला में विराजित हैं, तो जगमोहन की देहरी पर ही प्रतीकात्मक रूप से राष्ट्रपति ने स्वजन संग वैदिक रीतिरिवाज के साथ इत्र, चंदन से पूजन कर रोली से सतिया बनाया तथा दीप प्रज्जवलित कर आराध्य का पूजन किया।

अब छात्रों को नहीं लगाने पड़ेंगे दूसरे शहरों के चक्कर, लखनऊ में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय शुरू करेगा 87 नए कोर्स

लखनऊ (एजेंसी) भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय अपने नये सत्र से कुछ नये विषय और विभाग जोड़ने की तैयारी में है। इसमें संस्कृति (संगीत, ललित कला, अभिनय, नाट्य कला, शास्त्रीय विधा, लोककला, पुरातत्व, भित्ति चित्र, विविध नृत्य, बौद्ध व जैन दर्शन, रामायण व गीता शोध, भक्ति, कबीर व सूफी दर्शन आदि) के साथ ही तीन नए विभाग जुड़ेंगे। विश्वविद्यालय अपने बैचलर आफ परफार्मिंग आर्ट्स (बीपीए) को विस्तार देने की योजना बना रहा है। विश्वविद्यालय जुलाई से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र 2022-23 से 87 नये पाठ्यक्रम शुरू कर सकता है। वहीं, दृश्य कला, भारतीय इतिहास और संस्कृति, बौद्ध और जैन अध्ययन विभाग नए शुरू होंगे। इसके बारे में अंतिम फैसला सोमवार को शिक्षा परिषद की बैठक में लिया जाएगा।

नये सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया जुलाई के पहले सप्ताह से शुरू हो जाएगी। नए शुरू होने वाले विषयों और विभागों को विश्वविद्यालय द्वारा उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, भारतेंदु नाट्य अकादमी, राज्य ललित कला अकादमी, अयोध्या शोध संस्थान, जैन अनुसंधान संस्थान, बुद्ध अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय कथक संस्थान, संत कबीर अकादमी जैसी स्वायत्तशासी सांस्कृतिक संस्थानों को मान्यता प्रदान करते हुए चलाया जाएगा। नये शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों की अवधि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत की जाएगी। अभी बीपीए में सात से आठ कोर्स ही चल रहे। कुछ वैल्यू एडेड कोर्स भी हैं। इन्हें विस्तारित किया जाएगा। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार तुहिन द्विवेदी ने बताया कि कुछ ऐसे पाठ्यक्रमों को शुरू करने की योजना है, जिनसे विद्यार्थियों को हमारे देश की संस्कृति और विरासत को बेहतर तरीके से सीखने में सहायता मिलेगी। कई ऐसे पाठ्यक्रम हैं, जिनके अध्ययन के इच्छुक लोगों को वाराणसी, गया या दिल्ली जैसी जगहों का रुख करना पड़ता है। अब ऐसे कोर्सो को लखनऊ में ही उपलब्ध कराने का प्रयास है।

विपक्ष के राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी यशवंत सिन्हा के नामांकन में शामिल हुए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)

राष्ट्रपति पद के 18 जुलाई को होने वाले चुनाव में विपक्ष के साझा प्रत्याशी पूर्व मंत्री यशवंत सिन्हा ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। तृणमूल कांग्रेस के उपाध्यक्ष यशवंत सिन्हा के नामांकन में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी शामिल हुए। यशवंत सिन्हा का मुकाबला एनडीए की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू से होगा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यशवंत सिन्हा ने सोमवार को राष्ट्रपति पद के लिए आज अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

विपक्षी पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नामांकन के दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी भी थे। उनको टीआरएस पार्टी का भी समर्थन मिला है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) और टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव भी आज दिल्ली में राष्ट्रपति चुनाव के लिए यशवंत सिन्हा के नामांकन में शामिल थे। सिन्हा के समर्थन के लिए सुबह 11.30 बजे विपक्षी दल के नेताओं ने संसद भवन में बैठक की। इसके बाद सभी राज्यसभा सेक्रेटरी जनरल के कार्यालय के बाहर एकत्र हो गए। दोपहर 12.15 बजे यशवंत सिन्हा ने

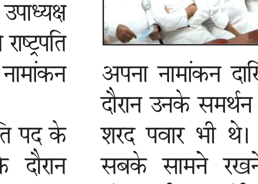

अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके समर्थन में एनसीपी नेता शरद पवार भी थे। सिन्हा का नाम सबके सामने रखने वालीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी भी नामांकन में मौजूद थे। ममता बनर्जी राज्य में व्यस्त कार्यक्रमों के चलते मौजूद नहीं थीं। यशवंत सिन्हा के नामांकन में आज राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन भी शामिल थे। लगभग सभी विपक्षी दल यशवंत सिन्हा के समर्थन में हैं।

पहले की हाथापाई फिर गला दबाकर पत्नी की कर दी हत्या, बाराबंकी से पति दूसरी बीवी संग फरार

बाराबंकी (एजेंसी)

हाथापाई के बाद एक व्यक्ति ने रविवार की देर रात अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। शव को कमरे में बंद कर आरोपित फरार हो गया। दरअसल, आरोपित ने दूसरी शादी कर ली थी जिसको लेकर दोनों के बीच करीब डेढ़ साल से विवाद चल रहा था। इसी के चलते हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

एएसपी ने घटना स्थल का जायजा लिया और परिवारजन के बयान लिए हैं। कोतवाली नगर के गायत्री पुरम मकदूमपुर निवासी संतोष यादव की शादी करीब 18 साल पहले सफदरगंज थाना के ग्राम खिलरापुर सैदनपुर निवासी अंबिका प्रसाद की पुत्री शीलम यादव से हुई थी। संतोष के मकान में निचले हिस्से में कई किराएदार रहते हैं, जिससे उसकी जीविका चलती है। ऊपरी हिस्से में वह पत्नी शीलम के साथ रहता था। सोमवार सुबह शीलम का छोटा भाई विकास और बहन काजल भतीजे रितिक की दवा लेने शहर आए थे। संतोष का फोन बंद मिला तो वह सुबह करीब साढ़े आठ बजे शीलम से मिलने उसके घर पहुंच गए। बाहर से बंद दरवाजा खोल कर दोनों अंदर गए तो बेडरूम के बगल स्थित कमरे में बहन शीलम का जमीन पर शव पड़ा था। उसकी नाक से खून निकल रहा था। एएसपी पूर्णेंदु सिंह, एसएचओ संजय मौर्य, चौकी इंचार्ज संजीव सिंह ने घटनास्थल का जायजा लिया। मौके पर पहुंचे मृतका के पिता व मां रामदेई के बयान लिए गए हैं। बेडरूम में पड़े पलंग की चादर उलझी हुई थी और उस पर मंगलसूत्र व बालों में लगाने वाला क्लेचर टूटा पड़ा था। शरीर पर साड़ी नहीं थी। हाथ पैर पर रगड़ के निशान थे। इससे स्पष्ट है कि मौत से पहले उसने पति से काफी संघर्ष किया था। पिता अंबिका प्रसाद ने बताया कि पुत्री के विवाह के करीब 18 वर्ष हुए हैं।

उसकी कोई संतान नहीं है। करीब डेढ़ वर्ष पहले संतोष ने लक्ष्मणपुरी कालोनी की एक महिला से दूसरा विवाह कर लिया था। अपने घर से चंद कदम की दूरी पर ही दूसरी पत्नी को किराए का कमरा दिलाया था। दूसरी शादी के बाद आए दिन वह शीलम को मारता पीटता और विवाद करता था। एक-दो बार पीआरवी भी विवाद की सूचना पर आई थी। वारदात के बाद संतोष और उसकी दूसरी पत्नी दोनों फरार हैं। पीड़ित पिता ने बताया कि पति की प्रताड़ना बढ़ने पर न्यायालय में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

शीलम के वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश मिश्रा ने बताया कि न्यायालय में शीलम की ओर से परिवाद चल रहा है, जिसमें पति पर दूसरी शादी करने, प्रताड़ित करने और खर्च को रुपये न देने जैसे कई आरोप हैं। इसकी 18 जुलाई 2022 को न्यायालय में सुनवाई की अगली तिथि निर्धारित है। घटना स्थल का जायजा लिया गया है। परिस्थितियों के अनुसार, वारदात रात करीब 11 से 12 बजे के आस पास की प्रतीत हो रही है। प्रथम दृष्ट्या गला दबाकर मारा गया है। आरोपित पति और उसकी दूसरी पत्नी दोनों गायब हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपितों की तलाश की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति और स्पष्ट हो जाएगी।

भाजपा की मजबूत नाकेबंदी में फंस गए आजम, नहीं बचा सके अपना गढ़

रामपुर (एजेंसी)

चौतरफा सियासी हमलों में घिरने के कारण आखिरकार सपा के कद्दावर नेता आजम खां अपने ही गढ़ में हार गए। उनकी प्रतिष्ठा से जुड़े लोकसभा उपचुनाव का परिणाम भाजपा के खाते में चला गया। कभी उनके खास रहे घनश्याम सिंह लोधी ने ही उन्हें मात दे दी। इस चुनाव में भाजपा ने जीत के लिए मजबूत रणनीति बनाई थी, जिसे आजम खां धवस्त नहीं कर सके। लोकसभा उपचुनाव के परिणाम ने जहां भारतीय जनता पार्टी को जश्न मनाने का अवसर दे दिया है तो समाजवादी पार्टी के लोगों को मंथन करने के लिए मजबूर किया है। हालांकि समाजवादी पार्टी इसे अपनी हार नहीं मान रही है। वह जबरन हराने का आरोप पुलिस प्रशासन पर लगा रही है। मतदान के पूर्व से पुलिस पर पार्टी के कार्यकर्ताओं को घरों से

उठाने, मतदान दिवस में सपा के गढ़ वाले क्षेत्रों में अत्यधिक फोर्स लगाकर मतदाताओं को बूथों तक नहीं पहुंचने देने जैसे गंभीर आरोप मीडिया को दिए बयानों में पार्टी के प्रत्याशी से लेकर सभी जिम्मेदार लगा रहे हैं। आजादी के बाद से अब तक हुए तमाम लोकसभा चुनावों में सबसे कम मतदान इस बार हुआ। यही प्रतिशत आजम खां के करीबी की हार का बड़ा कारण बन गया। वैसे इस लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस व बसपा चुनावी मैदान से बाहर रहे।

भाजपा ने पूरी रणनीति के साथ चुनाव लड़ा। नए कार्यकर्ता घनश्याम लोधी को लोकसभा का टिकट थमाने के बाद भी पूरी ताकत झोंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उपमुख्यमंत्री कैशव प्रसाद मौर्य ने जनसभाएं की और आजम व सपा पर धारदार निशाना साधा। वहीं दर्जनभर मंत्री यहां कई दिन डेरा डाले जनता से जनसंपर्क करते रहे। राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल तो कई दिन घर-घर जाकर वैश्य समाज के लोगों से संपर्क करते रहे। इस तरह भाजपा ने हर नाके पर काम किया। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी और अपने करीबी आसिम राजा के लिए शहर विधायक आजम खां अकेले सत्तापक्ष के हमलों का सामना करते रहे। वह कुछ दिन पूर्व ही सीतापुर जेल से जमानत मिलने पर बाहर आए हैं। चुनाव की कमान वह खुद संभाले नजर आए। ज्यादातर अपनी जनसभाओं में वह अपने पर हुए मुकदमों का जिक्र करते हुए सरकार पर जुल्म-ज्यादती के बाण चलाकर मतदाताओं को अपने खेमे में करने की जिद्दोजहद करते रहे।

टी एन मेमोरियल क्रिकेट एकेडमी में अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित

ओपन सर्च. संवाददाता

गाजियाबाद। रविवार की सुबह 5:45 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम न्याय खण्ड 1, एनएच 24 के साथ टी एन मेमोरियल क्रिकेट एकेडमी में आयोजित किया गया। जिसका थीम मानवता के लिए योग था। इस अवसर पर योग शिक्षिका डा पूनम सिंह, जो योग में भी विशेषज्ञ हैं, उन्होंने योग की बारीकियों को समझाया। इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की इन्दिरापुरम की संकल्प शाखा, वैशाली की निवेदिता शाखा, टी एन स्पोर्ट्स एकेडमी के शिक्षार्थी और उनके परिवार के सदस्य, वार्ड नम्बर 87 की पार्षद निर्मल त्यागी एवं बीजेपी किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सलेक चंद त्यागी भी उपस्थित थे। इंदिरापुरम संकल्प शाखा से ममता तिवारी, तृप्ति त्रिपाठी, सुमन पांडे, पूनम बंसल, राम मुरारी, अमित शर्मा, प्रवेश गुप्ता, अनिल भारद्वाज, जय श्रीवास्तव, अनीता चौहान आदि शामिल हुए।

मेरठ में कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू, सड़क से दूर लगेंगे शिविर, दुरुस्त होंगी बिजली लाइन

मेरठ (एजेंसी) मेरठ में कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारी शुरू हो गई हैं। रविवार को एडीजी ने जनपद के समस्त पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान रूट व्यवस्था से लेकर फोर्स की तैनाती तक को लेकर मंथन हुआ। शिविल लगाने तक को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। अगले माह से कांवड़ यात्रा शुरू हो जाएगी। इसके चलते ही तैयारी युद्धस्तर पर चल रही हैं। कई बार अफसर कांवड़ पटरी मार्ग का भी निरीक्षण कर चुके हैं। रविवार को एडीजी राजीव सभरवाल ने अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए किए सभी सर्किल और थाना प्रभारियों को कांवड़ मार्ग की पूरी जानकारी होनी चाहिए।

कांवड़ शिविर सड़क से दूर लगने चाहिए। अनुमति का भी ध्यान रखा जाए। वहां पर मेडिकल की टीम के साथ ही दमकल की भी पूरी व्यवस्था रहनी चाहिए। पुलिस बल भी जगह-जगह तैनात रहे। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे लगी झाड़ियां भी संबंधित विभाग को बताकर साफ करा दी जाएं। मार्ग पर नीचे लटके बिजली के तारों को हटाने या फिर उठाने की व्यवस्था करा दी जाए। कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली सभी मीट और शराब की दुकानों की जानकारी एकत्र कर ली जाए। यात्रा शुरू होते ही उनको बंद कराने की व्यवस्था कराई जाएगी। इस दौरान आइजी प्रवीण कुमार, एसएसपी प्रभाकर चौधरी, एसपी क्राइम अनित कुमार, एसपी ट्रैफिक जितेंद्र कुमार और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रामपुर-आजमगढ़ में सपा की हार के बाद सहयोगी दलों का अखिलेश पर हमला जारी, ओवैसी बोले- भाजपा को नहीं हरा सकते अहंकारी

लखनऊ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में पांच से तीन लोकसभा सीट पर सिमटने वाली समाजवादी पार्टी पर सहयोगी दलों का हमला जारी है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के बाद अब आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा उप चुनाव में रामपुर तथा आजमगढ़ को गंवाने वाली समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को अहंकारी कहा है। ओवैसी ने कहा कि भाजपा को अहंकारी नहीं हरा सकते हैं। उत्तर प्रदेश में रामपुर तथा आजमगढ़ लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद जहां भारतीय जनता पार्टी के नेता तथा कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं, वहीं विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के मुखिया पर जोरदार हमला कर रहे हैं। हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने आजमगढ़ और रामपुर उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के गढ़ में भाजपा की जीत के बाद अखिलेश यादव पर हमला तेज कर दिया।

ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी तो भाजपा के खिलाफ लगातार सरेंडर कर रही है। समाजवादी पार्टी हाल में ही सम्पन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा के सामने बड़ी चुनौती बनकर उभरी थी, लेकिन विधान परिषद चुनाव के बाद अब लोकसभा उप चुनाव में सपा अपने गढ़ ही गंवा बैठी है। ओवैसी ने कहा कि समाजवादी पार्टी

के अध्यक्ष बेहद ही अहंकारी हैं। उपचुनाव में मिली हार निस्संदेह पार्टी के लिए एक बड़ा झटका है। आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख ओवैसी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता की आलोचना करते हुए रामपुर तथा आजमगढ़ की हार को तो अखिलेश यादव के अहंकार की हार बताया है। ओवैसी ने कहा कि अखिलेश यादव इतने अहंकारी हैं। वह आजमगढ़ से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद वहां के लिए गंभीर नहीं थे। 2014 में तो उनके पिता मुलायम सिंह यादव उस सीट से सांसद थे। 2019 में अखिलेश यादव सांसद बने, लेकिन उन्होंने इस सीट को छोड़ दिया। आजमगढ़ लोकसभा सीट के इस्तीफा देने के बाद उनको वहां पर जम जाना चाहिए था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इतना ही नहीं पहले घोषित प्रत्याशी को चंद दिन में ही बदल दिया।

कम से कम आजमगढ़ के लोगों को अपनी सीट छोड़ने का कारण बताने के साथ ही प्रत्याशी का प्रचार करना उनका फर्ज था। आजमगढ़ जिले की दसों विधानसभा सीट सपा के पास हैं, लेकिन पार्टी लोकसभा का उप चुनाव हार गई। हैदराबाद के सांसद ने समाचार एजेंसी से कहा कि उत्तर प्रदेश उपचुनाव के नतीजे बताते हैं कि अब समाजवादी पार्टी तो भाजपा को हराने में असमर्थ है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की भावना का सम्मान नहीं कर रहे हैं। वह मनमानी कर रहे हैं। अल्पसंख्यक समुदाय को ऐसी अक्षम पार्टियों को वोट नहीं देना चाहिए।

ओवैसी ने कहा कि रामपुर तो सपा के कद्दावर नेता आजम खां का गढ़ है। इसके बाद भी समाजवादी पार्टी को वहां पर पराजय झेलनी पड़ी है। अब पार्टी को नए सिरे से हार का मंथन करना होगा और भाजपा से मुकाबला करने के लिए नई रणनीति बनानी होगा। ओवैसी ने कहा कि भाजपा अभी अजेय नहीं हो गई है, उसको एकजुट होकर हराया जा सकता है।

केजरीवाल सरकार बढ़ाएगी दिल्ली का हरित क्षेत्र

11 जुलाई से शुरू होगा वन महोत्सव के तहत वृक्षारोपण महाअभियान : गोपाल राय

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में आज पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में दिल्ली में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की गई। इस बैठक में वन विभाग के अधिकारी शामिल रहे। बैठक के दौरान दिल्ली में हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 11 जुलाई से वन महोत्सव पखवाड़े की शुरुआत सेंट्रल रिज से करने का निर्णय लिया गया। और इसका समापन समारोह 25 जुलाई को असोला भाटी माइंस में 1 लाख से अधिक पौधों को लगाकर होगा। 11 जुलाई को दिल्ली के सभी 70 विधानसभाओ वृक्षारोपण महाअभियान की शुरुआत भी की जाएगी। इस वन महोत्सव पखवाड़े के दौरान लगभग 10 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। दिल्ली के डिप्टी सीएम, कैबिनेट मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष अलग-अलग जगहों में इस महा अभियान का नेतृत्व करेंगे। साथ ही 2 जुलाई को कमला नेहरू रिज से निःशुल्क औषधीय पौधों के वितरण का भी शुभारम्भ किया जाएगा। बैठक के बाद दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने सभी पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए बताया कि केजरीवाल सरकार द्वारा उठाए गए तमाम उपायों के परिणामस्वरूप दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इज़ाफ़ा देखा गया है।

दिल्ली में जहाँ साल 2013 में हरित क्षेत्र 20 फीसद था वह केजरीवाल सरकार के प्रयासों के कारण, साल 2021 में बढ़कर 23.06 फीसदी हो गया है। साथ ही शहरों के प्रति व्यक्ति फॉरेस्ट कवर के मामले में दिल्ली पूरे देश में नंबर वन हो गया है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए समर एक्शन प्लान के 14 बिन्दुओ में शामिल वृक्षारोपण महाअभियान को गति देने के लिए 11 जुलाई से वन महोत्सव की शुरुआत सेंट्रल रिज से की जाएगी और 15 दिनों तक चलने वाले इस समारोह का समापन 25 जुलाई को असोला भाटी माइन्स में 1 लाख से अधिक पौधों को लगाकर किया जाएगा। इस पौधारोपण महा अभियान के दौरान दिल्ली सरकार के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, दिल्ली सरकार के मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष अलग-अलग जिलों में इसका नेतृत्व करेंगे। साथ ही 11 जुलाई को दिल्ली के सभी 70 विधानसभाओ में विधायकों के नेतृत्व यह वृक्षारोपण महाअभियान चलाया जाएगा। हमारी कोशिश है कि इस वन महोत्सव के दौरान 15 दिनों में हमारी सरकार ने जो पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, उसका बड़ा हिस्सा पूरा कर पाएंगे।

उन्होंने बताया कि दिल्ली के ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने और दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इस साल वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 35 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। जिसे सभी सम्बंधित 19 विभागों की हरित एजेंसी द्वारा पूरा किया जाएगा। इस अभियान के तहत लगभग 29 लाख पौधे लगाए जाएंगे और साथ ही लगभग 7 लाख पौधों का मुफ्त वितरण किया जाएगे। पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में निःशुल्क औषधीय पौधा वितरण का शुभारम्भ 2 जुलाई से कमला नेहरू रिज से किया जाएगा। इसके तहत लोगो को सरकारी नर्सरी से मुफ्त औषधीय पौधे बाटें जाएंगे ताकि दिल्लीवासी अपने अपने घरो में पौधे लगाकर दिल्ली के हरित क्षेत्र को बढ़ाने में अपनी सहभागिता दे सकें। प्रेसवार्ता में पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली के लोगो से निवेदन किया कि दिल्ली को पर्यावरण क्षेत्र में विश्वस्तर पर आगे बढ़ाने के लिए सभी लोग अपनी सहभागिता दे। उन्होंने दिल्ली के लोगों से अपील कि की वह अपने उत्सव जैसे जन्म दिन, शादी की सालगिरह इत्यादि के अवसर पर वृक्षारोपण करें। इसके लिए दिल्ली सरकार की नर्सरी से लोगो को मुफ्त में पौधा मुहैया कराया जाएगा।

दिल्ली सचिवालय में आज पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में दिल्ली में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने को लेकर वन विभाग के साथ की गई महत्वपूर्ण बैठक

एक नज़र

लाटरी का झांसा देकर बैंक खाते में सेंध लगा रहे हैं ठग, इन बातों का रखेंगे ख्याल तो बचे रहेंगे

नोएडा (एजेंसी) पहले मुबारकबाद, इसके बाद जज्बात, फिर लालच देकर भाग्यशाली बताने का स्वांग रचकर लोगों के खाते में ठग सेंध लगा रहे हैं। 25 लाख रुपये की लाटरी जीतने का संदेश और एक फोटो पहले वाटसएप पर भेजा जाता है। इसके बाद आडियो भेजकर या फिर काल करके व्यक्ति के लाटरी जीतने की खुशी जाहिर की जाती है। लाटरी सच में निकली है, इसके लिए फोटो में केबीसी के लोगो और अमिताभ बच्चन के फोटो का भी प्रयोग किया जा रहा है। जिससे लोग आसानी से विश्वास कर लें।

फोटो और संदेश भेजने के बाद शुरू होता है काल आने का सिलसिला, जो कभी सामान्य काल तो कभी वाटसएप काल के रूप में होती है। इसमें मुंबई स्थित एसबीआइ का प्रबंधक बताकर एक जालसाज का नंबर दिया जाता है, जिसे वाटसएप पर काल करने का एक तरह से दबाव बनाया जाता है, वहीं यह भी समझाया जाता है कि अगर सामान्य काल की तो वह बात नही करेंगे। ऐसे में सिर्फ व्हाट्स एप काल ही करें। इसके बाद लालच में फंसाकर लोगों के खाते में सेंधमारी करने का खेल शुरू होता है। कई बार लाटरी की रकम पाने के लिए टैक्स, प्रोसेसिंग फीस व अन्य नाम पर पैसे लिए जाते हैं। कुछ हजार से शुरू हुआ यह सिलसिला लाखों रुपये तक पहुंच जाता है।

वायरल हुआ लड़की के साथ दुर्व्यवहार का वीडियो, महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस की साइबर सेल को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी) एक व्यक्ति के एक लड़की के साथ दुर्व्यवहार करने व धमकी देने के मामले में इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस की साइबर सेल को नोटिस जारी किया है। नोटिस में आयोग ने कार्रवाई कर उसकी रिपोर्ट सौंपने को कहा है। वायरल वीडियो पर स्वत : संज्ञान लेते हुए आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा कि उस वीडियो में एक व्यक्ति नाबालिग लड़की को गालियां दे रहा है। लड़की से संबंधित धार्मिक समुदाय पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहा है। वीडियो में वह व्यक्ति लड़की को डराता हुआ दिख रहा है, जिससे वह भयभीत और चकित दिखाई दे रही है।

वीडियो में वह व्यक्ति एक नाबालिग लड़के को भी धमका रहा है और उसे गाली देता है। लड़की से पूछा जा रहा है कि क्या वह एक विशेष धर्म से संबंधित है। फिर वह उसे पीटने की भी धमकी दे रहा है। धमकी देते हुए वह उस लड़की को उसके धर्म को गाली देने के लिए कहता है। स्वाति मालीवाल ने दिल्ली पुलिस साइबर सेल को नोटिस जारी कर मामले में एफआइआर दर्ज करने और आरोपित की गिरफ्तारी की मांग की है। आयोग ने उस वीडियो को इंटरनेट मीडिया से हटाने के लिए दिल्ली पुलिस की ओर से उठाए गए कदमों की भी जानकारी मांगी है। पुलिस को इस मामले में 29 जून तक विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया है।

एम्स के विशेष पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए एक सीनियर रेजिडेंट डाक्टर को खटखटाना पड़ेगा हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली (एजेंसी) हिमाचल प्रदेश के डा. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कालेज वरिष्ठ रेजिडेंट डा. महेंद्र सिंह राणा को राहत देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को शैक्षणिक सत्र-2022 के लिए अपने विशेष पाठ्यक्रम मिनिमल एक्सेस सर्जरी और जनरल सर्जरी में डा. राणा को भर्ती करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि डा. राणा को उक्त पाठ्यक्रम में शामिल करने की अनुमति देना न्यायोचित होगा क्योंकि सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम के लिए सीट को खाली रखने से किसी का हित नहीं होगा।

पीठ ने यह भी कहा कि अगर याचिकाकर्ता इस तरह के पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षण लेता है, तो यह स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए मूल्यवान होगा। डा. राणा वर्तमान में डा. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कालेज के सर्जरी विभाग में एक वरिष्ठ रेजिडेंट के रूप में कार्यरत है। उन्हें एम्स में एम. सीएच मिनिमल एक्सेस सर्जरी और जनरल सर्जरी के लिए प्रायोजित प्रशिक्षु के रूप में चुना गया था। हालांकि, हिमाचल प्रदेश सरकार ने 27 फरवरी 2019 राज्य के बाहर चिकित्सा शिक्षा में विभिन्न स्नातकोत्तर और सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों में प्रवेश को विनियमित करने के लिए एक नई नीति जारी की थी।

देशभर में खुले में काम करने वालों के लिए बुरी खबर, सेहत बिगाड़ रहा खराब मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली-एनसीआर समेत देश भर में वायु प्रदूषण की समस्या अब गंभीर रूप ले चुकी है। साल दर साल इसका स्तर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। वायु प्रदूषण से पर्यावरण के साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। हाल ही में खुले में काम करने वाले लोगों आटो रिक्शा चालकों, सफाईकर्मियों और रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं के सांस लेने में कठिनाई, फेफड़ों की खराबी, अनियमित धड़कन, सीना, पीठ, कंधा व जोड़ों में दर्द, आंखों का लालपन, जलन, त्वचा पर चकत्ते, सिरदर्द और समग्र रूप से उनकी परेशानियों का आकलन किया गया।

ये लोग बहुत ज्यादा गर्मी, सर्दी और बहुत खराब वायु गुणवत्ता समेत मौसमी दुष्प्रभावों का सामना करते हैं। यह हालात उनमें स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों को बढ़ा देते हैं। यह अध्ययन कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के डाक्टरों, वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों द्वारा किया गया। इसमें चिकित्सा विशेषज्ञों के परामर्श पर विस्तृत प्रश्नावली का इस्तेमाल किया गया, ताकि खुले में काम करने वाले कामगारों के स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और मौसम में उतार-चढ़ाव के दुष्प्रभावों संबंधी चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुभवों को समझा जा सके। साथ ही इससे संबंधित संदेह को दूर करने के लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (श्वसन प्रणाली जांच) किए गए। इस रिपोर्ट को जारी करने वाले इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, तिरुपति, आंध्र प्रदेश के प्रोफेसर सुरेश जैन के अनुसार, पिछले कई वर्षों से दिल्ली में वायु प्रदूषण गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

भाजपा रणनीतिकारों की असफल रही रणनीति, न सधे पंजाबी और न पूर्वांचली

नई दिल्ली (एजेंसी)

राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र कभी भाजपा का मजबूत गढ़ हुआ करता था, लेकिन अब यह आम आदमी पार्टी के कब्जे में है। उपचुनाव में अपने इस पुराने दुर्ग पर एक बार फिर से कमल खिलाने का सपना भी बिखर गया है। इस चुनाव में पार्टी के रणनीतिकारों की रणनीति पूरी तरह से असफल रही है।

न तो बड़े नेताओं का चुनाव प्रचार काम आया और न बाहरी कार्यकर्ताओं की भीड़ का लाभ मिला। बूथ प्रबंधन को लेकर किए जा रहे बड़े-बड़े दावों की असलियत भी सामने आ गई है। नेताओं की गुटबाजी, स्थानीय कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और पिछला निगम चुनाव जीतने वाले पार्षदों को लेकर जनता में नाराजगी ने इस हार को और बड़ा कर दिया। शुरू से ही इस विधानसभा क्षेत्र में पंजाबी मतदाताओं की संख्या ज्यादा रही है। इनके समर्थन से भाजपा ने 1993 से 2003 तक यहां से जीत दर्ज की और पूरन चंद योगी

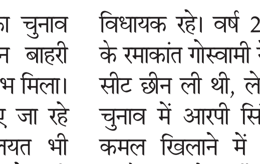

विधायक रहे। वर्ष 2008 में कांग्रेस के रमाकांत गोस्वामी ने भाजपा से यह सीट छीन ली थी, लेकिन 2013 के चुनाव में आरपी सिंह फिर से यहां कमल खिलाने में सफल रहे थे। उसके बाद से पार्टी को जीत नसीब नहीं हुई है। अब इस सीट का समीकरण भी बदल चुका है। पंजाबियों के साथ ही यहां पूर्वांचलियों की अच्छी खासी संख्या है।

सरकारी भूमि पर दावों के पक्ष में तीन महीने में ही सुना दिए फैसले

नई दिल्ली (एजेंसी)

उत्तरी दिल्ली के झंगोला गांव की सरकारी जमीन को निजी लोगों को देने के मामले की परतें खुल रही हैं। इसमें एक नया तथ्य सामने आया है कि जमीन से संबंधित जिन मामलों में फैसला आने में तीन पीढ़ियां गुजर जाती हैं, लेकिन झंगोला की सरकारी जमीन पर दावा करने वालों के पक्ष में तीन माह से एक साल के अंदर ही फैसले आ गए।

इनमें से दावों के 10 मामले 2020 में ही दायर किए गए थे। दो साल के अंदर दावा करने वालों के पक्ष में आदेश जारी कर दिया गया। हैरानी की बात यह है कि तत्कालीन एसडीएम ने 2021 में चार आदेश तो दावा किए जाने के तीन माह में दे दिए और सरकारी जमीन ट्रांसफर कर दी गई। वर्ष 2019 से लेकर 2021 तक सरकारी जमीन निजी लोगों को देने के लिए 27 आदेश जारी किए गए। 2021 में किए गए दावों पर छह आदेश, 2020 में दावों पर 10 आदेश, 2019 में चार आदेश, 2018 में एक, 2016 में तीन और

2012 के दावों पर तीन आदेश दिए गए थे। सबसे ज्यादा आदेश 2020 के दावों को लेकर हैं। 2020 में जो 10 दावे के लिए गए उनमें से ज्यादातर तत्कालीन एसडीएम अजीत सिंह ठाकुर के समय के हैं। ठाकुर ने 2020 में दावा किए गए मामले में 19 फरवरी 2021 को आदेश जारी कर झंगोला गांव के खसरा 1023 की छह बीघा 15 बिस्वा गांव के एक व्यक्ति के नाम कर दी। इसी तरह 2020 में दावा किए गए एक मामले में 24 फरवरी 2021 को खसरा 79 की छह बीघा छह बिस्वा, खसरा 80/1 /1 की पांच बीघा और 19 बिस्वा जमीन भी एक व्यक्ति के नाम ट्रांसफर कर दी गई। 25 फरवरी को खसरा 385 की नौ बीघा और 12 बिस्वा और खसरा 384 की 12 बीघा जमीन एक व्यक्ति के नाम कर दी।

यानी एक ही दिन में 21 बीघा जमीन सौंप दी गई। इसी तरह 24 मार्च 2021 को आदेश जारी कर 15 बीघा 18 बिस्वा, नौ अप्रैल 2021 को आदेश जारी कर 12 बीघा से अधिक भूमि एक व्यक्ति के नाम कर दी। अजीत सिंह ठाकुर के चार आदेश तो ऐसे हैं, जिनमें सरकारी जमीन पर 2021 में दावा किया गया और उसी साल जमीन ट्रांसफर कर दी गई। इसमें 25 मार्च 2021 को तीन आदेश कर खसरा 1016 की 10 बीघा, खसरा 170 की तीन बीघा 18 बिस्वा, खसरा 172-173 की आठ बीघा 32 बिस्वा और एक अन्य आदेश में खसरा 122 की चार बीघा जमीन एक ही व्यक्ति को दी गई। यानी एक दिन में इस व्यक्ति को 25 बीघा जमीन दे दी गई। एक अन्य आदेश में एक व्यक्ति को नौ अप्रैल को आदेश जारी कर खसरा 347/1 की 18 बीघा जमीन दी गई। उपलब्ध दस्तावेज से स्पष्ट है कि ये चारों आदेश उन मामलों में किए गए, जिन लोगों ने 2021 में दावा किया था। यानी कुल तीन माह में ही सरकारी जमीन इन लोगों को सौंप दी गई। तत्कालीन एसडीएम की यह तत्परता भी घोटाले की ओर इशारा करती है। बताया गया कि जिस व्यक्ति के नाम एक दिन में ही 25 बीघा जमीन दी गई है, यह व्यक्ति एसडीएम सहित कुछ अन्य अधिकारियों का खास रहा है।

राजेश पर भारी पड़े दुर्गेश, कांग्रेस सहित 12 प्रत्याशियों की जमानत हुई जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)

राजेंद्र नगर सीट पर हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी दुर्गेश पाठक ने भाजपा के राजेश भाटिया को हराकर बाजी मारी। यह सीट राघव चड्ढा के राज्यसभा सदस्य बनने के बाद खाली हुई थी। कांग्रेस प्रत्याशी प्रेमलता 2,014 मत प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहीं। वह अपनी जमानत भी नहीं बचा सकीं। इस उपचुनाव में कुल 14 प्रत्याशियों ने भाग्य आजमाया था।

इसमें छह विभिन्न दलों से थे जबकि आठ निर्दलीय थे। हैरत की बात यह है कि राजेंद्र नगर विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के अलावा कोई भी प्रत्याशी अपनी जमानत नहीं बचा सका। स्थिति यह रही कांग्रेस प्रत्याशी प्रेमलता के अलावा बचे हुए 11 प्रत्याशियों को कुल 553 वोट मिले, यानी ज्यादातर प्रत्याशी सौ का आंकड़ा भी नहीं छू सके। 546 लोगों ने नोटा का बटन दबाया था। 223 मत पोस्टल बैलेट से डाले गए थे। इसमें 79 मत आप को और 123 मत भाजपा को मिले। पहले ही चरण से आप प्रत्याशी के आगे होने से पूसा स्थित मतगणना केंद्र पर आप कार्यकर्ता जुटने लगे थे। इसके साथ ही उन्होंने जय श्रीराम का नारा लगाते हुए जश्न मनाना शुरू कर दिया। जीत की सूचना मिलते ही ढोल की थाप पर कार्यकर्ता झूम उठे और दुर्गेश पाठक को कंधे पर उठा लिया। इसके साथ ही मिठाई भी बांटी। उधर, उपचुनाव में दुर्गेश पाठक की जीत पर उनके गांव शिकोहरा में जश्न मनाया गया। यहां बैंडबाजे की धुन पर नाचते गाते हुए ग्रामीणों ने मिठाई का वितरण किया। शिकोहरा निवासी मथुरा पाठक के बेटे दुर्गेश की प्रारंभिक शिक्षा गांव के प्राथमिक विद्यालय में हुई। छठवीं से आठवीं तक की पढ़ाई उन्होंने बखिरा से की। इसके बाद की शिक्षा के लिए वह इलाहाबाद चले गए थे। मैं, जब प्रचार के लिए लोगों के पास जाता था तो लोग बिजली और पानी से लेकर सीवर तक की समस्या बताते थे। कहते थे तीन-तीन दिन से पानी नहीं है। बावजूद इसके मतदाताओं का यह रुझान। अब इस पर मुझे कुछ नहीं कहना। जनता सर्वोपरि है, जनता का फैसला स्वीकार है। - राजेश भाटिया, भाजपा प्रत्याशी यह चुनाव मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के काम की जीत है। मुफ्त दवा और बेहतर स्कूली शिक्षा से लोगों का जीवन बदला है। मतदाताओं से मिले प्यार और आशीर्वाद के लिए उनका आभार। दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा के एक कार्यकर्ता से उनकी बात हुई तो उन्होंने पूछा कि आपका सर्वे क्या कहता है। इस पर उसने कहा कि जून में चुनाव कराओ तो आप की हार तय है। हरियाणा से बात हो गई है कि दिल्ली में पानी ना पहुचने पाए, लेकिन ऊपर वाले का खेल देखो राजेंद्र नगर की जनता ने भाजपा वालों को ही पानी पिला दिया। मैं भाजपा को चुनौती देता हूं कि एमसीडी के चुनाव करवा ले, दिल्ली की जनता निगम में भी भाजपा से आजादी की मांग कर रही है।

गर्मी से राहत देने आ रहा मानसून, जानें दिल्ली में कब होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी) राजधानी दिल्ली में रविवार सुबह से ही गर्मी अधिक रही। बाद में तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल रहा। अधिकतम तापमान लगातार दूसरे दिन 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। वहीं, नजफगढ़ के आसपास के इलाके में तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार से वर्षा शुरू होने की संभावना है। कुछ इलाकों में बहुत ही हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को आंशिक बादल छाएंगे, लेकिन अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है। इसलिए गर्मी से राहत नहीं रहेगी। मौसम विभाग ने 29 जून से दो जुलाई तक यलो अलर्ट जारी किया है।

इस दौरान दिल्ली के कई इलाकों में अच्छी बारिश हो सकती है। दिल्ली में इस माह अब तक 24.5 मिली बारिश हुई है, जो सामान्य से 32.3 मिली कम है। इस तरह जून में अब तक 57 प्रतिशत कम बारिश हुई है। यदि अंतिम दो दिन अच्छी बारिश हुई तो इसकी भरपाई हो सकती है। रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक है। न्यूनतम तापमान 29.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है। स्काईमेट वेदर के विशेषज्ञ महेश पलावत ने ट्वीट कर कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में अधिकतम तापमान 16 जून को 40.2 डिग्री सेल्सियस था। इसके बाद तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से कम हो गया था। 25 जून को तापमान दोबारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। 28 जून से उत्तर भारत बारिश शुरू हो सकती है।

पिता ने 5 साल की बेटी से की घिनौनी हरकत, मां ने लगाया डिजिटल दुष्कर्म का आरोप

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी) बिसरख कोतवाली क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सोसायटी में रहने वाली पांच साल की बच्ची से डिजिटल दुष्कर्म किया गया। आरोप बच्ची के पिता पर मां ने लगाया है। महिला का आरोप है कि उसके पति ने बेटी के साथ घिनौनी हरकत की। वहीं पुलिस का कहना है कि दंपती के बीच विवाद चल रहा है। दोनों एक ही फ्लैट में अलग-अलग कमरे में रहते हैं। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस जल्द ही बच्ची के बयान कोर्ट में दर्ज कराएगी। हालांकि मेडिकल परीक्षण कराकर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बिसरख कोतवाली प्रभारी उमेश बहादुर सिंह ने बताया कि महिला ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने बेटी के साथ 18 जून की रात डिजिटल दुष्कर्म किया।

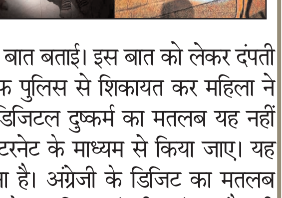

बच्ची ने प्राइवेट पार्ट में दर्द होने पर मां को घटना की जानकारी दी। मां ने दर्द होने का कारण पूछा तब बच्ची ने रात को सोते समय डिजिटल दुष्कर्म की बात बताई। इस बात को लेकर दंपती के बीच विवाद हुआ था। पति के खिलाफ पुलिस से शिकायत कर महिला ने बेटी को न्याय दिलाने की बात कही है। डिजिटल दुष्कर्म का मतलब यह नहीं कि किसी लड़की या लड़के का शोषण इंटरनेट के माध्यम से किया जाए। यह शब्द दो शब्द डिजिट और दुष्कर्म से बना है। अंग्रेजी के डिजिट का मतलब जहां अंक होता है, वहीं अंग्रेजी शब्दकोश के मुताबिक अंगुली, अंगूठा, पैर की अंगुली इन शरीर के अंगों को भी डिजिट से संबोधित किया जाता है।

यानी वह यौन उत्पीड़न जो डिजिट से किया गया हो, तब उसे डिजिटल दुष्कर्म कहा जाता है। दरअसल, डिजिटल दुष्कर्म से जुड़ी घटनाओं में महिला के प्राइवेट पार्ट में फिंगर्स का इस्तेमाल किया जाता है। निर्भया कांड के बाद महिलाओं के खिलाफ बढ़ते दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर लगाम कसने के लिए डिजिटल दुष्कर्म में भी बेहद सख्त सजा का प्रावधान किया गया है।

क्या अब दिल्ली में नहीं होगा नगर निगम चुनाव!

नई दिल्ली (एजेंसी)

राजेंद्र नगर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में रविवार को हुई मतगणना में आम आदमी पार्टी ने यह सीट जीत ली। हालांकि यह सीट पिछली बार भी आम आदमी पार्टी के पास ही थी। इससे पहले भी इसी पार्टी के पास थी।

इस सीट के जीत जाने से आप का दिल्ली विधानसभा में सदस्यों का आंकड़ा 62 बरकरार रहा। इस सीट को अगर भाजपा भी जीत लेती तो भी सरकार चलाने में आप को कोई परेशानी नहीं थी, मगर चुनाव राजनीतिक संदेश देने वाला था कि दिल्ली में अब माहौल किस दल का है। यह सीट जीत लेने पर भाजपा यह जरूर कह सकती थी कि अब माहौल उसके पक्ष में है। यह बात आप के कार्यकर्ता भी समझ रहे हैं। सीट जीत लेने के बाद कार्यकर्ताओं में रविवार को यह चर्चा थी कि अब निगम चुनाव नहीं होंगे। अब 2024 की तैयारी करो। भाजपा अब निगम चुनाव नहीं कराएगी। यही वजह है कि नगर निगम के प्रभारी दुर्गेश पाठक ने भाजपा को निगम चुनाव करने की चुनौती दी है। अलग-अलग खेमे में बंटी हुई दिल्ली की सिख राजनीति में इन दिनों काम से ज्यादा श्रेय लेने की लड़ाई चल रही है। पंथ की चिंता कम और नेतागिरी चमकाने की होड़ लगी हुई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे के दोषियों को सजा मिलने पर भी कुछ इसी तरह की होड़ देखने को मिल रही है। कानपुर में सिखों की हत्या करने वाले छह दोषियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अब दिल्ली के सिख नेता इसे अपनी लड़ाई का परिणाम बता रहे हैं। दिल्ली सिख

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके से लेकर वर्तमान पदाधिकारी तक इसका श्रेय लेने के साथ ही एक-दूसरे के दावे को गलत बताने में जुटे हैं। नेताओं की इस लड़ाई से आम संगत आहत है। उनका कहना है कि नेताओं की लड़ाई में मुख्य मुद्दे पीछे छूट रहे हैं, इसलिए विवाद और निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर काम करने की जरूरत है। दिल्ली में संगठन को मजबूती देने के लिए भाजपा ने अनुसूचित जनजाति मोर्चा का गठन किया है। साथ ही अलग-अलग मोर्चे के प्रभारी व सह प्रभारियों की घोषणा की गई है। इससे कई नेताओं को जिम्मेदारी या ये कहें कि पद मिल गया है, जिससे नेता व उनके समर्थक खुश हैं। खुश होना भी चाहिए, क्योंकि राजनीति में पद की अहमियत होती है। नेताजी के साथ ही समर्थकों की भी क्षेत्र में पूछ बढ़ेगी। इसके साथ कार्यकर्ताओं की अपेक्षा बढ़ जाती है।

कई कार्यकर्ताओं का कहना है कि दिल्ली भाजपा में पदधारी नेताओं की भीड़ है, लेकिन उस अनुपात में संगठन का काम नहीं हो रहा है। जिम्मेदारी मिलने पर कुछ दिनों तक नेता सक्रिय रहते हैं, लेकिन बाद में उनके दर्शन दुर्लभ हो जाते हैं। गुटबाजी अलग बढ़ती है। यह संगठन के लिए नुकसानदेह है। इसे ध्यान में रखकर नए पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी को समझकर काम करना होगा। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता जीत के जश्न में मस्त थे। राजेंद्र नगर उपचुनाव में मिली जीत के चलते पार्टी कार्यालय में जश्न मनाया जा रहा था। कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय में ढोल पर थिरक रहे थे। जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कारों से भी पहुंचे हुए थे। जिससे कार्यालय के बाहर कारों की लंबी लाइन लग गई थी।

कुछ कारें कार्यालय के गेट पर खड़ी की गई थीं। अब भाई लोग यानी यातायात पुलिस वाले भी पहुंच गए, कारें हटाने के लिए कहा। मगर कार कौन हटाए, कारों वाले कार्यकर्ता कार्यालय के अंदर जश्न में मस्त थे। भाई लोगों ने भी क्रेन बुला ली और एक कार को टो करने के लिए उसके पास ले जाने लगे। इससे कार्यालय के बाहर खड़े कुछ कार्यकर्ता भड़क गए और वहां बहस होने लगी। हालांकि माहौल को देख भाई लोगों ने क्रेन हटा ली।

सम्पादकीय
ओपन सर्च

फिर याद आया, वह काला दिन!

26 जून, 1975 का काला दिन आज 46 साल बाद मुझे फिर याद आया। 25 जून, 1975 की मध्य रात्रि तत्कालीन राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद ने आपातकाल की घोषणा पर आंख मींचकर हस्ताक्षर कर दिए। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जी-हुजूरों ने दिल्ली के कई बड़े अखबारों की बिजली कटवा दी थी और देश के जो अखबार जल्दी छपते थे, उनमें वह खबर ही नहीं छपी। उस दिन मैं इंदौर में था। मैं सुबह-सुबह अपने घनिष्ट मित्र और आरएसएस के प्रचारक कुप्प सी. सुदर्शनजी से मिलने गया।

वे जवाहर मार्ग के एक अस्पताल में पांव की हड्डी का इलाज करवा रहे थे। सुबह 8 बजे जैसे ही उन्होंने अपना ट्रांजिस्टर खोला, पहली खबर थी कि देश में आपातकाल की घोषणा हो गई है। मैं तुरंत वहीं से हिंदी के तत्कालीन श्रेष्ठ अखबार 'नई दुनिया' के दफ्तर पहुंचा। मैं छोटी उम्र से ही उसमें लिखने लगा था। उस समय माना जाता था कि वह कांग्रेस समर्थक अखबार है। उसके मालिक लाभचंदजी छजलानी, प्रधान संपादक राहुल बारपुते और संपादक अभय छजलानी समेत सभी प्रमुख लोग दफ्तर में उपस्थित थे।

> मेरे सुझाव पर यह तय हुआ कि संपादकीय की जगह को खाली छोड़ देना विरोध का सर्वोत्तम उपाय है, क्योंकि आपातकाल के विरोध पर भी प्रतिबंध की घोषणा हो चुकी थी। मैं दोपहर की रेल पकड़कर दिल्ली आ गया। मैं उस समय 'नवभारत टाइम्स' (देश के सबसे बड़े अखबार) का सह संपादक था। संपादक श्री अक्षयकुमार जैन ने सभी पत्रकारों की सभा बुलाई और आपातकाल का विरोध नहीं करने की सख्त हिदायत दी। सभा के बाद मैंने अक्षयजी से कहा कि मैं इस्तीफा दे देता हूं। मैं सरकार की खुशामद में एक शब्द भी नहीं लिखूंगा। उन्होंने कहा कि आप विदेशी मामलों के विशेषज्ञ हैं। मैं आपसे राष्ट्रीय राजनीति पर कोई संपादकीय ही नहीं लिखवाऊंगा।

मेरे सुझाव पर यह तय हुआ कि संपादकीय की जगह को खाली छोड़ देना विरोध का सर्वोत्तम उपाय है, क्योंकि आपातकाल के विरोध पर भी प्रतिबंध की घोषणा हो चुकी थी। मैं दोपहर की रेल पकड़कर दिल्ली आ गया। मैं उस समय 'नवभारत टाइम्स' (देश के सबसे बड़े अखबार) का सह संपादक था। संपादक श्री अक्षयकुमार जैन ने सभी पत्रकारों की सभा बुलाई और आपातकाल का विरोध नहीं करने की सख्त हिदायत दी।

सभा के बाद मैंने अक्षयजी से कहा कि मैं इस्तीफा दे देता हूं। मैं सरकार की खुशामद में एक शब्द भी नहीं लिखूंगा। उन्होंने कहा कि आप विदेशी मामलों के विशेषज्ञ हैं। मैं आपसे राष्ट्रीय राजनीति पर कोई संपादकीय ही नहीं लिखवाऊंगा। दूसरे दिन प्रेस क्लब में कुलदीप नैयर ने आपात्काल के विरोध में दिल्ली के पत्रकारों की एक सभा बुलाई। पहले उनका भाषण हुआ, दूसरा मेरा। मैंने सारे उपस्थित पत्रकारों से कहा कि वे सब आपातकाल के विरोध-पत्र पर दस्तखत करें। दो-तीन मिनट में ही सारा हाल खाली हो गया। उन दिनों हम जो भी संपादकीय या लेख लिखते थे, उसे चपरासी के हाथों शास्त्री भवन में बैठे एक मलयाली अफसर के पास भिजवाना पड़ता था। उसकी हां होने पर ही वह छपता था।

जून 1976 में मेरे द्वारा संपादित महाग्रंथ 'हिंदी पत्रकारिताः विविध आयाम' का राष्ट्रपति भवन में विमोचन हुआ। उप राष्ट्रपति ब.दा. जत्ती सहित कई वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री और सैकड़ों पत्रकार देश भर से उपस्थित थे। लेकिन मैंने प्रधानमंत्री इंदिराजी को उसमें निमंत्रित नहीं किया था। अक्षयजी को मैंने बता दिया था कि यदि आप उन्हें निमंत्रित करेंगे तो मैं उनके साथ मंच पर नहीं बैठूंगा, हालांकि इंदिराजी मुझे खूब जानती थीं और मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान भी था लेकिन आपातकाल के दौरान मेरे पिताजी (इंदौर) में और जयप्रकाशजी, चंद्रशेखरजी, अटलजी, मोरारजी भाई और ढेरों समाजवादी और जनसंघी मित्र लोग जेल में बंद थे।

आपातकाल के दौरान मधु लिमये, जार्ज फर्नांडीज, कमलेश शुक्ल, स्वामी अग्निवेश आदि मित्रगण से जैसे-तैसे संपर्क बना हुआ था। कई समाजवादी, जनसंघी और पूर्व कांग्रेस नेता सफदरजंग एनक्लेव के मेरे उस घर में लुक-छिपकर रहा भी करते थे। उन दिनों जहां भी मेरे भाषण हुए, मैंने आपातकाल की आलोचना की। एक बार सूचना मंत्री विद्याचरण शुक्ल की उपस्थिति में जबलपुर विश्वविद्यालय के एक समारोह में भी। अन्य कई संस्मरण फिर कभी।

जैव विविधता के संरक्षण के बिना विकास का कोई महत्व नहीं है

प्रह्लाद सबनानी

जैव विविधता का संरक्षण करना अब बहुत जरूरी हो गया है। हमारा जीवन प्रकृति का अनुपम उपहार है। अतः पेड़-पौधे, अनेक प्रकार के जीव-जंतु, मिट्टी, हवा, पानी, महासागर-पठार, समुद्र-नदियां इन सभी का संरक्षण जरूरी है क्योंकि ये सभी हमारे अस्तित्व एवं विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सनातन हिंदू संस्कृति में किसी भी जीव की हत्या निषेध है और ऐसा माना जाता है कि अपने लिए पूर्व निर्धारित भूमिका को निभाने के उद्देश्य से ही विभिन्न जीव इस धरा पर जन्म लेते हैं एवं सभी जीवों में आत्मा का वास होता है। इसलिए हिंदू धर्मावलम्बियों द्वारा पशु, पक्षियों, पेड़, पौधों, नदियों, पर्वतों, आदि को भी ईश्वर का रूप मानकर पूजा जाता है। कई पशु एवं पक्षी तो हमारे भगवानों के वाहन माने जाते हैं। जैसे, भगवान गणेश का वाहन मूषक को माना जाता है, मां दुर्गा का वाहन शेर को माना जाता है, भगवान शिव के गले में सर्प हमेशा वास करते हैं एवं नंदी को उनका वाहन माना जाता है, भगवान विष्णु का वाहन गरुड़ को माना जाता है, भगवान कार्तिक का वाहन मोर को माना जाता है एवं धन की देवी लक्ष्मी माता का वाहन उल्लू को माना जाता है। हिंदू समाज में भगवानों की पूजा के साथ साथ उनके वाहनों के रूप में पशु एवं पक्षियों की भी पूजा अर्चना की जाती है।

नाग पंचमी नामक त्यौहार के दिन सांप को दूध पिलाया जाना शुभ माना जाता है। विकसित देशों में वैज्ञानिकों द्वारा लगातार किये जा रहे शोधों के आधार पर अब यह कहा जा रहा है कि दरअसल पूरे विश्व में केवल सनातन हिंदू संस्कृति ही लाखों वर्षों से बहुत ही वैज्ञानिक आधार पर चल रही है। पशु, पक्षी, पेड़, पौधे, नदियों, पर्वतों, जंगलो के संरक्षण की बात इस महान संस्कृति के मूल में है। इस धरा पर समस्त जीवों का अपना महत्व है एवं इन्हें अपनी भूमिका का निर्वहन इस धरा पर करना होता है। जैसे गंदगी साफ करने में कौआ और गिद्ध की प्रमुख भूमिका पाई गई हैं। परंतु दुर्भाग्य का विषय है कि हाल ही के समय में गिद्ध शहरों ही नहीं बल्कि जंगलों में भी लुप्तप्रायः हो गए हैं। हम लोग जानते ही नहीं हैं कि गिद्धों के न रहने से इस पृथ्वी ने क्या खोया है। वर्ष 1997 में पूरी दुनिया में रेबीज नामक बीमारी से 50 हजार से अधिक लोग मर गए थे। भारत में सबसे ज्यादा 30 हजार से अधिक मौतें हुई थीं। स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया कि ऐसा गिद्धों की संख्या में अचानक आई कमी

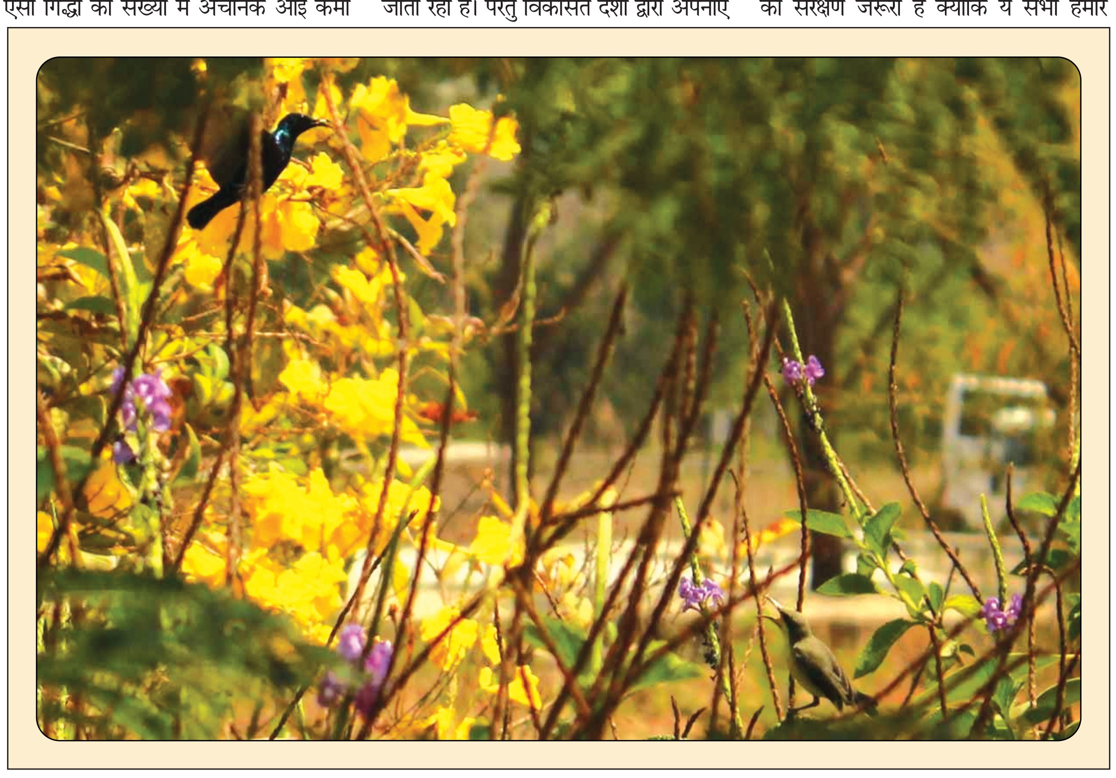

के कारण हुआ था जिसके फलस्वरूप चूहों और कुत्तों की संख्या में एकाएक वृद्धि हो गई थी। अध्ययन में यह भी बताया गया था कि कुछ पक्षियों की प्रजातियों के समाप्त होने से मृत पशुओं की सफाई, बीजों का प्रकीर्णन और परागण जैसे कार्य बहुत बड़ी हद तक प्रभावित हुए हैं। अमेरिका जैसा देश अपने यहां चमगादड़ों को संरक्षित करने का अभियान चला रहा है। सामान्यतः हम सोचते हैं कि चमगादड़ तो पूरी तरह से बेकार जीव है। मगर वैज्ञानिकों के अनुसार चमगादड़ मच्छरों के लार्वा खाता है। यह रात्रिचर परागण करने वाला प्रमुख पक्षी है एवं यह खेती का मित्र है, जिसका मुख्य भोजन चूहा है। इसीलिए भारतीय संस्कृति में पक्षियों के संरक्षण एवं संवर्धन की बात कही गई है। अर्थात, जैव विविधता को बनाए रखने की बात केवल हिंदू सनातन संस्कृति में ही बहुत पहले से मानी जाती रही है। परंतु विकसित देशों द्वारा अपनाए गए विकास के मॉडल के अंतर्गत जैव विविधता के महत्व को कम आंकने के चलते अब इस पृथ्वी पर पर्यावरण एवं प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना लगभग असम्भव-सा हो गया है। हमारे जीवन में जैव विविधता का बहुत महत्व है। इस पृथ्वी पर अब एक ऐसे पर्यावरण का निर्माण करना एक आवश्यकता बन गया है, जो जैव विविधता में समृद्ध, टिकाऊ और आर्थिक गतिविधियों के लिए हमें निरंतर अवसर प्रदान करता रहे। जैव विविधता में असंतुलन आने से प्राकृतिक आपदाएं जैसे अत्यधिक वर्षा, तूफान, बाढ़, सूखा और भूकम्प आदि आने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए हमारे लिए जैव विविधता का संरक्षण करना अब बहुत जरूरी हो गया है। हमारा जीवन प्रकृति का अनुपम उपहार है। अत- पेड़-पौधे, अनेक प्रकार के जीव-जंतु, मिट्टी, हवा, पानी, महासागर-पठार, समुद्र-नदियां इन सभी का संरक्षण जरूरी है क्योंकि ये सभी हमारे अस्तित्व एवं विकास के लिए महत्वपूर्ण है। परंतु यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि आज की परिस्थितियों में, विशेष रूप से सभी देशों के विकास की अंधी दौड़ में शामिल होने के कारण जैव विविधता का क्षरण एक कटु सत्य बन गया है। कुछ अध्ययनों से ज्ञात होता है कि वनस्पतियों की हर आठ में से एक प्रजाति विलुप्तता के खतरे से जूझ रही है। जैव विविधता के लिए पैदा हुए ज्यादातर जोखिम प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बढ़ती जनसंख्या, जो बेलगाम दर से बढ़ रही है, से जुड़े हुए हैं। दुनिया की जनसंख्या इस समय 700 करोड़ से अधिक हो गई है जिसके 2050 तक 1000 करोड़ तक पहुंचने के अनुमान व्यक्त किए जा रहे हैं। तेजी से बढ़ रही इस जनसंख्या से दुनिया के पारिस्थिति जन्य तंत्रों और प्रजातियों पर अतिरिक्त दबाव तो पड़ना ही है। समूचे विश्व में 2 लाख 40 हजार किस्म के पौधे और 10 लाख 50 हजार प्रजातियों के प्राणी हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि विश्व में जीव जंतुओं की 47,677 विशेष प्रजातियों में से एक तिहाई से अधिक प्रजातियां यानी 15,890 प्रजातियों पर विलुप्ति का खतरा मंडरा रहा है। आईयूसीएन की रेड लिस्ट के अनुसार स्तनधारियों की 21 फीसदी, उभयचरों की 30 फीसदी और पक्षियों की 12 फीसदी प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई हैं। वनस्पतियों की 70 फीसदी प्रजातियों के साथ ताजा पानी में रहने वाले सरिसृपों की 37 फीसदी प्रजातियों और 1,147 प्रकार की मछलियों पर भी विलुप्ति का खतरा मंडरा रहा है। ये सब इंसान के लालच और जंगलों के कटाव के कारण हो रहा है। कई बार किसी प्रजाति को तो इंसानों द्वारा लगातार मार कर भी उसे विलुप्त कर दिया जाता है।

विश्व के समृद्धतम जैव विविधता वाले 12 देशों में भारत का नाम भी शामिल है। भारत में विश्व की लगभग 70 प्रतिशत जैव विविधता विद्यमान है। इस सूची में जो अन्य देश शामिल हैं, वे हैं- ब्राजील, कोलंबिया, इक्काडोर, चीन, मैक्सिको, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, वेनेजुएला, चेक गणराज्य एवं मलेशिया। संपूर्ण विश्व का केवल 2.4 प्रतिशत भू-भाग ही भारत में आता है, लेकिन यहां विश्व के ज्ञात जीव-जंतुओं का लगभग 5 प्रतिशत भाग निवास करता है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण एवं भारतीय प्राणी सर्वेक्षण द्वारा किए गए सर्वेक्षणों के अनुसार भारत में कुल 49,000 वनस्पति प्रजातियां एवं 89,000 प्राणी प्रजातियां पाई जाती हैं। भारत विश्व में वनस्पति विविधता के आधार पर दसवें, क्षेत्र सीमित प्रजातियों के आधार पर ग्यारहवें और फसलों के उद्भव तथा विविधता के आधार पर छठे स्थान पर है।

उम्र के आधे पड़ाव पर शिक्षा की लौ जगा रही महिलाएं

रचना प्रियदर्शिनी

ऐसा माना जाता था कि पुराने जमाने की माएं नये जमाने के बच्चों के लिए आउटडेटेड हो चुकी हैं। लेकिन आज के दौर की माएं अपनी अलग-अलग परिस्थितियों तथा दायरों में रहते हुए भी अपनी कोशिशों से नये जमाने के साथ कदमताल मिलाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हमारे समाज में भी ऐसी कई महिलाएं हैं, जो मां बनने के बाद भी अपनी पहचान बना रही हैं। ना केवल एक गृहणी के तौर पर बल्कि शिक्षा जगत में भी बहुत मुखरता से अपने कदम बढ़ा रही हैं।

पहले लोग मानते थे कि लड़की को केवल गुना-भाग करने लायक ही शिक्षित होना जरुरी होता है ताकि गेहूं, आटा, चावल या अन्य राशन का मोल लगा सके लेकिन अब बदलते दौर में महिलाओं ने इस सोच को पीछे छोड़ दिया है और केवल जोड़-घटाव की दुनिया से आगे निकलकर कलम को भी अपनी पहचान का जरिया बना रही हैं। ऑटो ड्राइवर पिता और गृहिणी मां की चार संतानों में सबसे बड़ी आशा पांडे ने वर्ष 2001 में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उसके बाद वह आगे पढ़ना चाहती थीं लेकिन घर की आर्थिक स्थिति और पारिवारिक दबाव के कारण उनकी जल्द शादी हो गई। उसके बाद वह करीब 12 वर्षों तक संयुक्त परिवार में रहते हुए घर-परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों में उलझी रहीं। एक बार पांचवी क्लास में पढ़ रहे आशा के बेटे ने जब उनसे अपने होमवर्क से संबंधित कुछ सवाल पूछे तो वह उसका जवाब नहीं दे पाई। उस वक्त उन्हें बेहद आत्मग्लानि महसूस हुई, तब उनके बेटे ने कहा कि मम्मा, आप भी हमारे साथ क्यों नहीं पढ़तीं? अपने बेटे की बात सुनकर पहले तो वे हंसी और झिझकी भी, लेकिन जब गंभीरता से इस बारे में विचार किया, तो लगा कि उनका बेटा ठीक ही तो कह रहा है। आखिर पढ़ने-लिखने की कोई तय उम्र नहीं होती है। इसके बाद बेटे द्वारा प्रेरित किए जाने पर उन्होंने वर्ष 2012 में दोबारा से इंटर की परीक्षा दी। हालांकि उस वक्त आशा को सफलता नहीं मिली लेकिन उन्होंने हार ना मानने के बजाय पुन : वर्ष 2015 में इंटर का फॉर्म भरा और फर्स्ट डिवीजन से पास हुई। उसके बाद आशा का उत्साह दोगुना हो गया और उन्होंने फर्स्ट डिवीजन के साथ ग्रेजुएशन भी कंप्लीट किया। वर्तमान में आशा एक स्कूल में पढ़ाने के साथ-साथ झारखंड के कोल्हान यूनिवर्सिटी से हिंदी साहित्य में एमएम कर रही हैं। आशा कहती हैं कि शुरू में उनके पति और ससुराल वाले उनके दोबारा पढ़ने के निर्णय से सहमत नहीं थे, लेकिन आज वह सभी आशा की उपलब्धियों पर गर्व महसूस करते हैं। मूल रूप से धनबाद की रहने वाली दीपिका बचपन से

ही पढ़ाई में होशियार थी। वर्ष 2001 में इंटर करने बाद आगे पढ़ना चाहती थीं लेकिन अपने तीन बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी होने के कारण मां-बाप ने उसी साल अच्छा घर-परिवार मिलने पर एक बिजनेसमैन से दीपिका की शादी कर दी। शादी के बाद एक संयुक्त परिवार की जिम्मेदारियां निभाने और दो बेटों के परवरिश के कारण दीपिका की पढ़ाई ठहर-सी गई। करीब 10 वर्षों बाद अपने भाई-बहनों द्वारा प्रेरित किये जाने पर दीपिका ने धनबाद के पीके मेमोरियल कॉलेज से हिंदी साहित्य में स्नातक किया। आगे वर्ष 2015 में रांची यूनिवर्सिटी से एमए में एडमिशन लिया और उसमें अपने विषय की पीजी टॉपर होने के साथ ही डिपार्टमेंट टॉपर भी रहीं। उसके बाद दीपिका ने तीन वर्षों तक एक स्थानीय स्कूल में बतौर टीचर जॉब किया फिर डीएलएड किया। दीपिका कहती हैं कि शादी के बाद ससुराल में किसी भी महिला का सबसे बड़ी ताकत उसका जीवनसाथी होता है। अगर वह उसे सपोर्ट करता है, तो फिर किसी भी उम्र और परिस्थिति में रहते हुए कोई भी महिला कुछ भी कर सकती है। दीपिका की शिक्षा में भी उनके पति तथा मायके का पूरा सहयोग रहा। पटना निवासी रश्मि झा की शादी वर्ष 1999 में इंटर पास करते ही हो गई थी। उन्होंने अपनी दो बेटियों के जन्म के बाद दोबारा करीब 12 वर्षों बाद पटना विमेंस कॉलेज के वुमेन स्टडीज कोर्स में एडमिशन लिया। रश्मि बताती हैं कि %%मैं एक बार घर में रोजमर्रा के खर्चों का हिसाब लिखने के लिए बाजार से एक कलम खरीद कर लाई थी। हिसाब लिखने के दौरान ही मन में यह ख्याल आया कि क्या मैं इसका और कुछ बेहतर इस्तेमाल नहीं कर सकती? बस वहीं से मेरे जीवन की दिशा बदल गई। मैंने अगले ही दिन जाकर वुमेन स्टडीज के ग्रेजुएशन कोर्स का पता किया और कुछ समय बाद एडमिशन के लिए अप्लाई कर दिया। रश्मि बताती हैं कि करीब 12 वर्षों बाद जब मैंने दोबारा अपनी पढ़ाई शुरू की, उस वक्त मैं अपने क्लास की सबसे सीनियर स्टूडेंट थी। पहले दिन तो सारी लड़कियों ने मुझे ही टीचर समझ लिया था मगर फिर धीरे-धीरे सब एडजस्ट हो गई।

आगे फिर उसी विषय से एमए किया और उसी कॉलेज में बतौर टीचर पढ़ाने लगी। हमारे आसपास ऐसे और भी कई उदाहरण हो सकते हैं, जहां एक महिला एक गृहणी, एक मां, एक पत्नी, एक बहु समेत और भी अनेक जिम्मेदारियों को निभाते हुए शिक्षित होकर आगे बढ़ रही हैं। कहा जाता है कि अगर आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं, तब केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है और जब एक महिला शिक्षित होती है, तब पूरा परिवार शिक्षित होता है। शिक्षा का अधिकार जितना पुरुषों का है, उतना ही एक महिला का भी है। इन महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि उम्र चाहे जितनी भी हो, शिक्षा की कोई उम्र नहीं होती है।

राजस्थान भाजपा में हार से बढ़ी तकरार

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में राज्यसभा की चार सीटों के लिए संपन्न हुए चुनाव में भाजपा एक सीट ही जीत सकी थी। भाजपा के समर्थन से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े सुभाष चंद्रा को भी पार्टी के पूरे वोट नहीं मिल पाये थे। जिससे वह चुनाव हार गए थे। सुभाष चंद्रा को मात्र 30 वोट ही मिले थे। जबकि भाजपा के विजेता रहे प्रत्याशी घनश्याम तिवाड़ी को 43 वोट मिले थे। राजस्थान में भाजपा के 71 विधायक है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के तीन विधायकों ने भी सुभाष चंद्रा के पक्ष में वोट डाला था। जीतने के लिए 41 वोटों की जरूरत थी। इस तरह भाजपा के घनश्याम तिवारी को 41 वोट देने के बाद 34 वोट बचते थे।

इस हिसाब से सुभाष चंद्रा को 34 वोट मिलने चाहिए थे मगर मिले मात्र 30 वोट ही। भाजपा विधायक शोभारानी कुशवाहा ने कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर दी। वहीं पार्टी के दो अन्य विधायकों ने भी निर्दलीय सुभाष चंद्रा को वोट न देकर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी घनश्याम तिवाड़ी के ही पक्ष में वोट डाल दिया था। पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ क्रास वोटिंग करने के कारण भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने धौलपुर से पार्टी विधायक शोभारानी कुशवाह को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। वहीं दो अन्य विधायक जिन्होंने सुभाष चंद्रा के बजाय भाजपा प्रत्याशी घनश्याम तिवाड़ी के पक्ष में वोट डाला उनके खिलाफ पार्टी कोई कार्यवाही नहीं कर सकती है। क्योंकि उन्होंने पार्टी के प्रत्याशी को ही वोट दिया था। हालांकि अंदर खाने चर्चा है कि ऐसा उन्होंने पार्टी के एक बड़े नेता के इशारे पर किया था। कांग्रेस पार्टी द्वारा आसानी से तीनों सीटें जीत लेने व भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी सुभाष चंद्रा के पक्ष में किसी भी निर्दलीय या अन्य किसी दल के प्रत्याशी का वोट नहीं मिलना भाजपा के प्रदेश नेतृत्व की कमी को ही दर्शाता है। भाजपा का प्रादेशिक नेतृत्व पिछले काफी समय से नेताओं की आपसी गुटबाजी में फंसा हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया एक दूसरे के विरोधी गुट से होने के चलते राजस्थान में भाजपा भी गुटों में बंटी हुई है। इसी के चलते राज्यसभा चुनाव में 13 में से एक भी निर्दलीय प्रत्याशी का वोट सुभाष चंद्रा के पक्ष में नहीं डल पाया। ऊपर से वसुंधरा राजे समर्थक शोभारानी कुशवाहा ने कांग्रेस के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर भाजपा की फजीहत करवा दी। राज्यसभा चुनाव में शिकस्त खाने के बाद वसुंधरा राजे समर्थक प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया को उनके पद से हटाने की मांग करने लगे हैं। वही सतीश पूनिया समर्थक भी दबी जबान से वसुंधरा राजे को ही क्रास वोटिंग का जिम्मेदार बता रहे हैं। वसुंधरा समर्थकों का आरोप है कि राजस्थान में निर्दलीय विधायकों की संख्या 13 है तथा माकपा के दो, भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो व राष्ट्रीय लोकदल का एक विधायक है। इस तरह देखे तो कांग्रेस के बाहर 18 अन्य ऐसे विधायक थे जो कांग्रेस व भाजपा दोनों के प्रत्याशियों को हराकर चुनाव जीते थे। मगर कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन सभी 18 विधायकों से तालमेल बैठाकर राज्यसभा चुनाव में वोट ले लिया। चर्चा यह भी है कि भाजपा विधायक शोभारानी कुशवाहा गहलोत के ही माली समाज की होने के चलते भी गहलोत के कहने से वोट डाल दिया।

कांग्रेस के पक्ष में क्रॉस वोटिंग करने के बाद अपने निष्कासन पर सफाई देते हुए शोभारानी कुशवाहा ने कहा कि पार्टी के ही बड़े नेता पार्टी में रहकर उनके खिलाफ गतिविधियां चलाते थे। ऐसे में उनका भाजपा से जुड़े रहने का कोई कारण नहीं रह गया था। शोभारानी कुशवाहा अपने पति को उम्र कैद की सजा होने के बाद उनकी विधायकी समाप्त होने पर उपचुनाव में वसुंधरा राजे के प्रयास से भाजपा में शामिल होकर उपचुनाव में विधायक बनी थी। फिर 2018 के चुनाव में भी उन्हें भाजपा ने टिकट दिया था और वह चुनाव जीत गई थी। शोभारानी कुशवाहा के परिजनों पर ढाई सौ करोड़ का चिटफंड घोटाला करने का भी आरोप लगा हुआ है। जिसके चलते उनके पति व देवर जेल की हवा भी खा चुके हैं। भाजपा राजस्थान में 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद से सभी बड़े चुनावों में हार रही है। राजस्थान में चार सीटों पर हुए राज्यसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट पर ही बीजेपी जीत सकी। इस चुनाव में कांग्रेस की दो और बीजेपी की एक सीट पक्की थी। चौथी सीट के लिए मुकाबला था। लेकिन बीजेपी चुनावी प्रबंधन में कांग्रेस से बाजी हार गई। क्रॉस वोटिंग ने भी भाजपा को चिंता में डाल दिया है। इससें पूर्व जून 2020 को राजस्थान में 3 सीटों पर हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी अपने दो प्रत्याशी जिताने में कामयाब रही थी।

जबकि बीजेपी के राजेन्द्र गहलोत ही जीत दर्ज कर सके थे। भाजपा के दूसरे प्रत्याशी ओंकार सिंह लखावत को मात्र 20 वोट मिल थे। उस वक्त भाजपा का एक वोट रिजेक्ट हो गया था तथा 2 वोट अनुपस्थित रहे थे। 28 जनवरी 2019 में अलवर जिले की रामगढ़ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी साफिया जुबेर खान ने भाजपा के सुखवंत सिंह को 12 हजार 228 मतों से हराया था। 24 अक्टूबर 2019 को राजस्थान के मंडावा और खींवसर सीट के विधायको के सांसद बनने से हुए उपचुनाव में मंडावा से कांग्रेस की रीटा चौधरी और खींवसर से बीजेपी की सहयोगी आरएलपी के नारायण बेनीवाल ने जीत दर्ज की थी। 2018 में हुए चुनाव में मंडावा सीट से बीजेपी के नरेन्द्र खीचड़ व खींवसर सीट आरएलपी के हनुमान बेनीवाल जीते थे। उदयपुर की वल्लभनगर और प्रतापगढ़ की धरियावद विधानसभा सीटों पर 30 अक्टूबर 2021 को हुए उपचुनाव में दोनों सीटें कांग्रेस ने जीतीं। कांग्रेस के नगराज मीणा की धरियावद में जीत हुई। बीजेपी के खेत सिंह तीसरे नम्बर पर रहे। वल्लभनगर में कांग्रेस की प्रीति शक्तावत 20 हजार से ज्यादा वोटों से जीतीं। वहां बीजेपी के हिम्मत सिंह झाला की जमानत तक जब्त हो गई थी। सहाड़ा, सुजानगढ़ और राजसमंद में हुए विधानसभा उपचुनाव के नतीजे 2 मई 2021 को आए।

जिसमें सहाड़ा से कांग्रेस की गायत्री त्रिवेदी, सुजानगढ़ में कांग्रेस के मनोज मेघवाल और राजसमंद से भाजपा की दीप्ति माहेश्वरी ने जीत दर्ज की थी। राजस्थान में 19 नवम्बर 2019 को 49 नगर पालिकाओं के चुनाव में कांग्रेस ने 28, भाजपा ने 16 पालिकाओं में जीत दर्ज की थी। जयपुर, जोधपुर और कोटा शहर के 6 नगर निगम में 10 नवम्बर 2020 को हुये मेयर के चुनाव में कांग्रेस ने 6 में से 4 निगमों में अपने बोर्ड बनाए। बीजेपी महज जयपुर ग्रेटर और जोधपुर दक्षिण में ही बोर्ड बना सकी। 28 जनवरी 2021 को राजस्थान में 20 जिलों के 90 नगर निकायों में से 48 में कांग्रेस, 37 पर बीजेपी बोर्ड बनाने में कामयाब रही। 4 सितम्बर 2021 को 6 जिलों जयपुर, जोधपुर, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, दौसा और सिरोही के 78 पंचायत समितियों के लिए हुए चुनावों में 60 पंचायत समितियों में कांग्रेस पार्टी के प्रधान बने। भाजपा केवल 14 पंचायत समितियों में बहुमत हासिल कर सकी। जबकि जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस-बीजेपी ने बराबर 3 - 3 जगह अपना जिला प्रमुख बनाया था। इस तरह देखने से पता चलता है कि 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस लगातार भाजपा पर भारी पड़ रही है। कांग्रेस ने उपचुनावो में भाजपा से मंडावा व धरियावद विधानसभा सीट छीनने में कामयाब रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भाजपा नेताओं की आपसी फूट का पूरा फायदा उठा कर हर चुनाव में भाजपा को पटखनी दे रहें है।

भाजपा की हाल ही में कोटा में हुयी प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में भी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे बिना भाषण दिये बैठक छोड़ कर निकल गयी थी। वसुंधरा राजे लगातार बागी रूख अपनाये हुये हैं। जहां मौका मिलता है प्रदेश संगठन की खिंचाई कर देती है। मौजूदा स्थिति भाजपा के लिये अच्छी नहीं कही जा सकती है। जिस तरह पार्टी गुटो में बंटी है उसको समय रहते रोका नहीं गया तो 2023 के विधानसभा चुनाव में भी गहलोत एक बार फिर बाजी मार ले जायेगें और भाजपा नेता हाथ मलते रह जायेगें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

पंजाब में पटना और पूर्णिया के छात्रों में खूनी भिड़ंत, बर्थडे पार्टी में झगड़ते दूसरी मंजिल से गिरे, एक की दर्दनाक मौत, दूसरा गंभीर

जालंधर (एजेंसी) महानगर के डीएवी इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (डेविएट) से बुरी खबर आ रही है। यहां बर्थडे पार्टी के दौरान बिहार के रहने वाले दो छात्रों के आपसी विवाद में एक की दर्दनाक मौत हो गई। झगड़ा रविवार रात कालेज के होस्टल की दूसरी मंजिल पर हुआ। घटना में सिर में चोट लगने और अत्यधिक खून बहने से किशन कुमार यादव नाम के छात्र की मौत हो गई है। वह पटना का रहने वाला है।

घायल छात्र अमन कुमार है। कालेज के प्रिंसिपल मनोज कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि रविवार रात को हास्टल की दूसरी मंजिल पर ग्रैजुएशन कर रहे अमन कुमार नाम के छात्र की बर्थडे पार्टी थी। इसी बीच उसका करण के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। मामूली नोंकझोंक के बाद उनमें विवाद इतना बढ़ गया कि वे लड़ते-लड़ते रेलिंग तक पहुंच गए और फिर नीचे पक्के मार्बल के फर्श पर जा गिरे। दूसरी मंजिल से गिरने के किशन की मौत हो गई जबकि प्रबंधन ने अमन को एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है। वहां उसकी हालत भी गंभीर बनी हुई है। वह दानापुर, पूर्णिया (बिहार) का रहने वाला है। पुलिस ने अमन पर गैर-इरादन हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना की सूचना पर सुबह से थाना-1 की पुलिस मौके पर पहुंची हुई है। प्रबंधकों ने कालेज का गेट बंद कर दिया है।

पंजाब में रेत की कालाबाजारी बढ़ी, पांच से बढ़ 30 रुपये प्रति वर्ग फीट तक पहुंचे दाम

जगराओं (एजेंसी) विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने सत्ता संभालने से पहले सस्ती रेत मुहैया करवाने का वादा किया था। हालांकि इससे पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की सरकार ने रेट के भाव पांच रुपये प्रति फीट तय कर दिए थे।

इससे उस समय रेत काफी सस्ती हो गई थी। वहीं अब आम आदमी पार्टी की सरकार में रेत सस्ती होने के बजाय महंगी हो गई है तथा अब यह फिर से 25 से 30 रुपये फीट मिलने लगी है। इस समय रेत की बड़ी ट्राली 10 हजार रुपये करीब में मिल रही है। छोटी ट्राली छह से सात हजार रुपये और बड़ा टिप्पर 18 से 20 हजार रुपये में बाजार में मिल रहा है। प्रदेश में आम आदमी की पार्टी की सरकार बने तीन माह से अधिक हो गए लेकिन फिर भी सरकार इस पर अभी तक कोई नीति नहीं बना सकी।

जगराओं के नजदीक सिधवांबेट में सतलुज दरिया से बहुत बड़ी मात्रा में रेत खनन किया जा रहा है। पिछले बीस वर्ष के समय में भी इतनी रेत वहां से कभी नहीं निकलती देखी गई। जगराओं में इससे पहले रोजाना रेत के बड़े टिप्पर और बड़ी ट्रालियां रात में आठ बजे के बाद और सुबह दिन चढ़ने से पहले पांच बजे के करीब ही निकला करतीं था लेकिन अब रोजाना रेत के ट्रैक्टर और बड़े टिप्पर दिन में भी बेधड़क निकलते देखे जा सकते हैं।

लुधियाना में नशीला पाउडर व दवाओं समेत तीन गिरफ्तार, आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज

लुधियाना (एजेंसी) नशा तस्करों के खिलाफ छेड़ी मुहिम के अंतर्गत बीते चौबीस घंटों के दौरान पुलिस ने विभिन्न जगहों पर कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से नशीला पाउडर तथा नशीली दवाएं बरामद हुई। आरोपितों के खिलाफ 2 केस दर्ज करके सोमवार उन्हें अदालत में पेश किया गया। जहां से रिमांड हासिल करके कड़ी पूछताछ की जा रही है। थाना कूमकलां पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव लखोवाल में दबिश देकर मोटरसाइकिल सवार दो लोगों को 45 ग्राम नशीले पाउडर के साथ गिरफ्तार किया। एएसआई भूपिंदर कुमार ने बताया कि उनकी पहचान गांव लखोवाल निवासी वरिंदर सिंह तथा करण के रूप में हुई।

पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपित नशीले पदार्थों की तस्करी करते हैं। आज भी दोनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर दूसरे गांव में नशीले पाउडर की डिलीवरी देने के लिए जा रहे हैं।

सूचना के आधार पर वहां दबिश देकर दोनों को काबू कर लिया गया। भूपिंदर सिंह ने कहा कि दोनों के अन्य साथियों के बारे में पता लगाया जा रहा है। उधर, थाना मेहरबान पुलिस ने नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एएसआइ अवतार सिंह ने बताया कि उसकी पहचान मेहरबान के हरिकृष्ण विहार निवासी काकू के रूप में हुई।

गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई व काला जठेड़ी के नाम से कपड़ा व्यापारी से 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी

पानीपत (एजेंसी) गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई और काला जठेड़ी के नाम से कपड़ा व्यवसायी से 20 लाख रुपये की धमकी देने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने फिरौती न देने पर पीड़ित को परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी है। धमकी देने वाले बदमाश ने खुद को लारेंस बिश्नोई व काला जठेड़ी बताया है। बदमाश ने दो बार काल किया है। साइबर सैल की मदद से पुलिस बदमाश का पता लगाने में जुटी है। माडल टाउन के विराट नगर के संदीप गोयल ने पुलिस को शिकायत दी कि वह कपड़ा बुनने का व्यापार करता है। उनका आसन कलां गांव में व्यापार है।

रविवार को उसके फोन पर 12 अंकों वाले मोबाइल से दो बार काल आई। पहली काल शाम 7:20 बजे व दूसरी शाम 7:27 बजे आई है। बदमाशों ने उनसे 20 लाख रुपए की फिरौती मांगी है। जिस पर व्यापारी संदीप ने कहा कि आप आ जाओ, बैठकर बात करते हैं। बदमाशों ने कहा कि 27 जून 12 बजे फोन करेंगे। पैसे तैयार रखना। नहीं तो नतीजा भुगतने को तैयार रहना। अगर पुलिस को बताया तो जान से मार देंगे। धमकी देने वाले बदमाश ने अपना नाम काला जठेड़ी और लारेंस बिश्नोई बताया है। माडल टाउन थाना पुलिस ने पीड़ित संदीप गोयल की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों से निपटने की तैयारी में हरियाणा भाजपा, पदाधिकारियों को मिलेगा प्रशिक्षण

चंडीगढ़ (एजेंसी)

हरियाणा भाजपा अभी से लोकसभा और विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। शहरी निकाय चुनाव में मिली सफलता से उत्साहित भाजपा ने अपने सभी प्रमुख पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों को लगातार तीन दिन तक प्रशिक्षण देने की कार्य योजना बनाई है। देश और प्रदेश में राजनीतिक बदलाव के साथ भविष्य की चुनौतियों से निपटने की रणनीति पर इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में मंथन किया जाएगा।

भाजपा का फोकस राज्य में तीसरी बार खुद के बूते अपनी सरकार बनाने पर है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे सूरजकुंड में 15 से 17 जुलाई तक यह प्रशिक्षण चलेगा, जिसमें भाजपा के शीर्ष नेता अपनी टीम को हर तरह से पारंगत करने पहुंचेंगे। दिल्ली के नजदीक होने की वजह से पार्टी के शीर्ष नेताओं का सूरजकुंड पहुंचना आसान होता है। 2019 के चुनाव में 75 पार सीटों का नारा देने के बावजूद भाजपा 40 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई थी, जिस कारण उसे इनेलो के बिखराव से उपजी 10 विधायकों वाली जननायक जनता पार्टी के साथ गठबंधन कर सरकार चलानी पड़ रही है। पंचकूला में हुई भाजपा की प्रदेश परिषद की बैठक में भाजपा चुनाव में अकेला उतरने का संकेत पहले ही दे चुकी थी। शहरी निकाय चुनाव से ठीक पहले भाजपा व जजपा गठबंधन में दरार भी आ गई थी।

भाजपा ने जजपा को अपने से दूर कर अकेले ही शहरी निकाय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था। इससे नाराज जजपा भी चुनाव मैदान में कूद पड़ी थी। बदली परिस्थितियों में कांग्रेस द्वारा खुद को शहरी निकाय चुनाव से अलग करने के बाद जब भाजपा को लगा कि अब मुकाबला उसकी सहयोगी पार्टी जजपा के साथ ही होगा तो दोबारा से गठजोड़ का ऐलान कर दिया गया। यह अलग बात है कि इस गठजोड़ के बावजूद जजपा

शहरी निकाय चुनाव में कोई खास कमाल नहीं कर पाई। नूंह नगर परिषद और शाहबाद नगरपालिका के चेयरमैनों की जीत को यदि छोड़ दें तो जजपा के पास गिनाने के लिए बहुत कुछ नहीं है। हालांकि जजपा महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला दावा कर रहे हैं कि उनकी पार्टी गांवों की है, लेकिन शहरी निकाय चुनाव में भी जजपा ने शानदार एंटरी की है। इस दावे के विपरीत नूंह में विजयी जजपा उम्मीदवार की पृष्ठभूमि भी भाजपा के बगावती चेहरे की बताई जाती है। वह पहले भाजपा का टिकट चाहता था, लेकिन नहीं मिल पाया। उचाना, बरवाला और डबवाली में जजपा की हार को भाजपा गंभीरता से ले रही है और मानकर चल रही है कि भले ही सरकार में जजपा ने उसे समर्थन दे रखा है, लेकिन चुनाव में वह भाजपा के कंधे पर सवार होकर वैतरणी पार करने का ही इरादा रखती है। भाजपा का एक बड़ा तबका चाहता है कि भविष्य में अकेले ही चुनाव लड़ा जाए, लेकिन एक गुट इस गठबंधन को लोकसभा और विधानसभा चुनाव तक बरकरार रखने के हक में हैं, ताकि नतीजों के बाद ही कोई अगला निर्णय लिया जा सके। इस कड़ी में भाजपा ने कमजोर कड़ी के रूप में हरियाणा की तीन लोकसभा सीटें रोहतक, सोनीपत और गुरुग्राम चिन्हित की हैं।

रोहतक से डा. अरविंद शर्मा, सोनीपत से रमेश कौशक और गुरुग्राम से केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सांसद हैं। अरविंद शर्मा मुख्यमंत्री के साथ सीधा टकराव ले चुके हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ द्वारा उन्हें पार्टी की रीति-नीति समझाने के बाद अरविंद शर्मा पटरी पर आए और मुख्यमंत्री से अपने रिश्तों में सुधार की पहल की। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत को भाजपा हालांकि नजरअंदाज नहीं कर सकती, लेकिन दक्षिण हरियाणा में उनका एकाधिकार तोड़ने की चाह जरूर पार्टी के नेताओं की है। रोहतक के साथ-साथ सोनीपत को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का गढ़ माना जाता है। इसोनीपत से रमेश कौशिक भले ही भाजपा के टिकट पर सांसद हैं, लेकिन पार्टी इस सीट को भी कमजोर मानकर उसे मजबूत बनाने की दिशा में प्रयासरत है। रमेश कौशिक की गिनती पार्टी के गरमदल गुट के सांसदों में होती है। इनमें भिवानी के सांसद धर्मबीर का नाम भी जोड़ा जाता रहा है।

इन तीनों लोकसभा सीटों के लिए पार्टी ने प्रभारी नियुक्त कर दिये हैं। इसी तरह, भाजपा कुछ ऐसी विधानसभा सीटें चिन्हित करने वाली है, जिसे कमजोर कड़ी मानकर वहां धरातल पर काम करने की जरूरत है। हरियाणा व देश के राजनीतिक परिदृश्य में लगातार बदलाव होते रहते हैं। भाजपा की रणनीति अपने कार्यकर्ताओं को हर तरह की परिस्थिति से अपडेट करने की है।

गांवों में 8 और शहरों में लग रहे 6 घंटे के कट; तलवंडी साबो प्लांट का एक यूनिट ठप

पटियाला (एजेंसी) पंजाब में बिजली की मांग 14 हजार मेगावाट पार कर गई है। गर्मी और धान सीजन में तेजी के कारण ही दो हजार मेगावाट बिजली की डिमांड बढ़ी है। उधर तलवंडी साबो थर्मल का एक यूनिट सोमवार तड़के करीबी ढाई बजे तकनीकी खराब के कारण ठप हो गया। खराब हुए इस यूनिट की जनरेशन कैपेसिटी 660 मेगावाट है।

हालात यह है कि बिजली की कमी के कारण राज्य के शहरी और ग्रामीण इलाकों को अघोषित पावर कटों का सामना करना पड़ रहा है। 2 दिन से ग्रामीण इलाकों में 8 से 10 घंटे के बिजली कट लग रहे हैं जबकि शहरी इलाकों में यह कट 4 से 6 घंटे तक हैं। इससे पहले लहरा मोहब्बत का 210 मेगावाट का और गोइंदवाल साहिब प्लांट का 270 मेगावाट का एक यूनिट भी ठप चल रहा है। तीन थर्मल प्लांटों के तीन यूनिट ठप होने से पावरकाम की कुल 1140 पावर जनरेशन प्रभावित हो रही है। ऐसे में पावरकाम के लिए बिजली की बढ़ी हुई मांग पूरी करने में दिक्कत बन रही है।

फिलहाल पावरकाम 800 मेगावाट तक बिजली की कमी से जूझ रहा है। पावरकाम के लिए मौजूदा समय में सेंट्रल पूल से मिल रही बिजली ही मुख्य सहारा है। सोमवार दोपहर 12 बजे से पहले तक पावरकाम ने राज्य में 13881 मेगावाट बिजली सप्लाई की। इसमें से 8365 मेगावाट बिजली सेंट्रल पूल से ली जा रही है जबकि पावरकाम की अपने स्टेट सेक्टर और प्राइवेट सेक्टर के थर्मल प्लांटों की जनरेशन के साथ-साथ हाइड्रो जनरेशन मिलाकर कुल 5535 मेगावाट है। गौरतलब है कि पंजाब के कई जिलों में भीषण बिजली संकट से बेहाल हैं। लुधियाना के कई इलाकों में भी सोमवार को सुबह 10 से शाम 6 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी।

हरियाणा में खेती का बदल रहा ट्रेंड, धान-गेहूं को छोड़ हरी सब्जियों की ओर बढ़ा रूख, लगवा रहे पोली हाउस

अंबाला (एजेंसी)

धान और गेहूं की खेती को छोड़ किसानों का हरी सब्जियों की ओर रूख होने लगा है। जिसके चलते पोली हाउस लगवा रहे हैं। जिसमें धान गेहूं के मुकाबले अधिक इनकम की जा रही है। पिछले तीन सालों पर नजर मारे तो 83 किसानों ने लाभ उठाया। जिन्होंने 77 एकड़ में नेट और पोली हाउस लगवाए गए। नेट हाउस और पोली हाउस पर सरकार की ओर से 65 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। इसमें 50 प्रतिशत सब्सिडी केंद्र सरकार देती है और 15 प्रतिशत सब्सिडी राज्य सरकार देती है। बागवानी विभाग से 65 प्रतिशत सब्सिडी लेकर किसान काम शुरू करते है। शुरुआत में 20 लाख रुपये का प्रोजेक्ट है। इसके

बाद 65 प्रतिशत सरकार की ओर से वापस मिल जाते है। गेहूं और धान को बदल कर अन्य सब्जियां करने से खेतों में दोबारा उपजाऊ शक्ति बन जाती है। पुरानी परंपरा के तहत खेती करने पर पैदावार घटने लगी है। इसी को देखते हुए किसानों ने फसल चक्र विधि अपनाना शुरू किया है। किसानों की माने तो एक एकड़ जमीन में नेट हाउस के जरिए वे 10 लाख रुपये सालाना आमदनी कमा लेते हैं। जितना गेहूं और धान से कमा नहीं सकते हैं। किसानों का कहना है कि समय के साथ किसानों को बदलना जरूरी है। खेती घाटे का सौदा नहीं है, यदि बेहतरी से और समय की मांग के अनुरूप किया जाए। 2018-19 में 16 किसानों ने लाभ उठाया था। जिसमें 15 एकड़ में पोली हाउस लगवाए गए थे। 2019-20 में 51 किसानों ने लाभ उठाया था जिन्होंने 48 एकड़ में पोली हाउस लगवाया था। वहीं 2020-21 में 16 किसानों ने लाभ उठाया, जिसमें 14 एकड़ में पोली हाउस लगवाया गया था। नेट हाउस की तरफ किसानों का रुझान है। किसान नेट हाउस के जरिए टमाटर, खीरा, मिर्च की खेती करते हैं। विभाग की तरफ से सब्सिडी भी दी जाती है। ताकि किसान को किसी प्रकार की परेशानी न हो। लोगों का रुझान बढ़ रहा है।

संगरूर उपचुनाव के बाद सरकारी इमारतों पर लिखे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान

संगरूर (एजेंसी)

प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के शहर संगरूर में रविवार रात एक बार फिर एसडीएम दफ्तर, जल सप्लाई विभाग की लेबोरेटरी, नगर कौंसिल दफ्तर की पुरानी बिल्डिंग, जिला प्रबंधकीय कांप्लेक्स की दीवार पर खालिस्तान जिंदाबाद, एसएफजे के नारे लिख दिए गए। पिछले सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के रोड शो से पहले शहर के प्राचीन मंदिर श्री महाकाली देवी के पिछले गेट सहित अन्य दीवारों पर भी इस प्रकार ही नारे लिखे गए थे, जिसे पुलिस ने तुरंत मिटवा दिया था, वही उपचुनाव संगरूर का नतीजा आने के बाद रविवार रात को दोबारा सरकारी इमारतों पर लिखे गए किनारों ने पुलिस प्रशासन की कारगुजारी पर सवालिया निशान लगा दिया गया है।

उपचुनाव के मद्देनजर जहां संगरूर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस व अर्धसैनिक बल तैनात है, इसके बावजूद शहर में रात के अंधेरे में इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन कुंभकरणी नींद सो रहा है।

सोमवार को पुलिस ने थाना सिटी संगरूर में एसजेएफ जनरल काउंसिल गुरपतवंत सिंह पन्नू सहित अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उल्लेखनीय है कि संगरूर शहर में सरकारी इमारतों व एसडीएम की रिहायश की दीवार पर लिखे गए इन नारों की एक बार फिर वीडियो वायरल हुई है। इस वीडियो में गुरपतवंत पन्नू ने संगरूर उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की हुई हार को आम आदमी पार्टी के कन्वीनर अरविंद केजरीवाल व भगवंत मान की राजनीतिक मौत की शुरूआत करार दिया है। पन्नू ने दावा किया कि 26 जनवरी 2023 को खालिस्तान का चुनाव होगा। खालिस्तान कारकूनों दोबारा संगरूर की सरकारी इमारतों पर रेफरेंडम 2023 वह खालिस्तान के नारे लिखने का दावा किया। पुलिस प्रशासन ने प्राथमिक कार्रवाई करते हुए उक्त जगह पर लिखें प्रतिबंधित नारों पर काला पेंट करवाकर उन्हें मिटा दिया है और जांच-पड़ताल शुरू कर दिया है। आसपास के सीसीटीवी कैमरा को खंगाला जा रहा है, ताकि नारे लिखने वाले व्यक्तियों की पहचान की जा सके। गौर हो कि रणबीर क्लब संगरूर में जहां एसडीएम के आवास की दीवार पर नारे लिखे गए हैं उसके सामने ही जिला प्रबंधकीय कंपलेक्स, माननीय जज, एडीसी की रिहाइश भी मौजूद है। इस रोड पर ही कुछ माह पहले भी देसी दफ्तर के गेट पर खाली स्थान का झंडा लगाया गया था जिस पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों पर मामला दर्ज भी किया था लेकिन इसके बावजूद संगरूर में यह है तीसरी घटना है साथ ही से घटना ने प्रशासनिक अधिकारियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं क्योंकि अधिकारियों की रिहाइश पर लिखे यह नारे कहीं ना कहीं सुरक्षा में कड़ी चूक का परिणाम है।

जालंधर में अग्निपथ योजना के खिलाफ कांग्रेसियों का प्रदर्शन, तहसील कांप्लेक्स के सामने दिया धरना

जालंधर (एजेंसी) पंजाब में केंद्र सरकार की सेना में भर्ती अग्निपथ योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। वहीं सोमवार को कांग्रेस ने अग्निपथ योजना के विरोध में देशभर में सत्याग्रह किया है। देहात जिला मुख्यालयों पर धरने के तहत कांग्रेस की जालंधर शहरी इकाई ने तहसील कांप्लेक्स के सामने धरना दिया और सरकार से मांग करते हुए कहा कि इस योजना को वापस लिया जाए।

कांग्रेस के जिला प्रधान बलराज ठाकुर, पूर्व विधायक राजेंद्र बेरी, पूर्व विधायक सुशील रिंकू, महिला कांग्रेस की कोआर्डिनेटर डाक्टर जसलीन सेठी समेत कई बड़े नेता इस धरने में शामिल होने पहुंचे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह योजना सेना को कमजोर करने वाली है। इससे युवाओं को कोई बड़ा लाभ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा से जुड़े इस मुद्दे पर सभी पक्षों से विचार-विमर्श किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस युवाओं के साथ खड़ी है और हर हाल में उनका साथ देगी। इसके साथ ही पंजाब के कई और शहरों में भी कांग्रेस ने इस योजना के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए धरना दिया। बता दें कि, सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। युवा अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए केंद्र के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। युवाओं का कहना है कि केंद्र के इस नए फरमान से सेना का अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि हम भर्ती के लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं। हमें चार साल की नौकरी नहीं चाहिए। युवा इस योजना को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। इस योजना के विरोध में युवाओं ने कई जगहों पर आगजनी जैसी घटनाओं को भी अंजाम दिया।

लुधियाना के सांसद रवनीत बिट्टू बोले-सिमरनजीत मान का एजेंडा देश के लिए बड़ा खतरा

लुधियाना (एजेंसी) पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते और कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि लोगों का फतवा हमेशा ही सर्वप्रिय होता है। इस बार यह जनादेश सिमरनजीत मान के हक में दिया गया है। मान की विचारधारा अतीत में पंजाब और देश के लिए घातक साबित हुई है। उनका खालिस्तानी एजेंडा देश की शांति व अखंडता के लिए खतरा है।

इससे पहले बिट्टू ने ट्वीट कर कहा, 'आतंकवादियों और डूबते अकाली दल की प्रतिनिधि कमलदीप राजोआणा को केवल पांच प्रतिशत वोट लेकर भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। सुखबीर बादल, पन्नू और राजोआणा आकर अपने उम्मीदवारों की जमा राशि बचाने का प्रयास करें। उन्होंने फेसबुक पर लिखा कि अकाली दल अपने एजेंडे से भटक गया है। गौरतलब है कि सिमरनजीत सिंह मान ने संगरूर में आप प्रत्याशी गुरमेल सिंह को पटखनी देते हुए जीत दर्ज की है।

गुरु नानक देव जी के 500वें प्रकाश पर्व पर स्थापित की गई थी जीएनडीयू, दो इमारतों से हुई शुरुआत

अमृतसर (एजेंसी)

देश-विदेश में मुकाम हासिल कर चुकी गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी (जीएनडीयू) इस समय स्वच्छता में भी देश में पहले स्थान पर पहुंच चुकी है। इस यूनिवर्सिटी की स्थापना साल 1969 में की गई थी।

पंजाब सरकार ने श्री गुरु नानक देव जी के 500वें प्रकाश पर्व के मौके वर्ष 1969 में गुरु साहिब के नाम पर यूनिवर्सिटी स्थापित करने का एलान किया था। 24 नवंबर, 1969 को यूनिवर्सिटी का नींवपत्थर रखा गया था। तब पहले से यहां एक-दो इमारतें थीं, जहां पर कक्षाएं शुरू की गई। फिर यूनिवर्सिटी स्थापित करने का प्रोजेक्ट तैयार किया गया। धीरे-धीरे विश्वविद्यालय के अलग-अलग विभागों की इमारतें तैयार करनी शुरू की गई। तब से लेकर अब तक जीएनडीयू लगातार बुलंदियां छू रही है और देश के विकास में भी अहम योगदान दे रही है। यहां पर कई अहम शोध चल रहे हैं। इनमें कैंसर की दवाइयां, खेती में नए अवसर तलाशने, केले की खेती को बढ़ावा देने, सेब की खेती अमृतसर में ही करने, अश्वगंधा सहित कई ऐसे चीजों पर रिसर्च चल रही है जिनकी पैदावार अमृतसर में नहीं हो सकती। बावजूद इसके उन सभी को यहां के मौसम के मुताबिक किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए तैयार किया जा रहा है। गुरु

नानक देव यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिए सरकार ने 500 एकड़ भूमि दी थी। 1969 में कोट खालसा गांव होता था, उसी के पास इसे बनाने का काम शुरू हुआ था। अब तो यह शहर का ही हिस्सा बन चुका है। जब यूनिवर्सिटी शुरू हुई थी तब कुछ ही विभाग यहां पर होते थे। अब यहां 37 अकादमिक विभाग हैं। इतना ही नहीं जीएनडीयू का अमेरिका, न्यूजीलैंड, कनाडा, इंग्लैंड सहित कई देशों की यूनिवर्सिटियों से करार हो चुके हैं। जीएनडीयू के विद्यार्थी विदेश की यूनिवर्सिटियों में जाकर शोध कर सकते हैं। उत्तर भारत में कई शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय हैं। इनमें अमृतसर शहर में स्थित गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी की अपनी अलग पहचान और एतिहासिक महत्व है। बहुत कम लोग जानते हैं कि इस विश्वविद्यालय को श्री गुरु नानक देव जी के 500वें प्रकाशोत्सव के मौके स्थापित करने का एलान किया गया था। उसी वर्ष इसका नींव पत्थर रखा गया था। इसका नाम गुरु साहिब के नाम पर रखा गया है।

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के कृषि विभाग ने सेब की खेती शुरू कर दी है। जीनएडीयू परिसर में सेब का एक पूरा बाग तैयार किया गया है। इसके तहत अब अमृतसर के मौसम में भी सेब की खेती को संभव बनाया जा रहा है। जीएनडीयू के प्रो. प्रताप कुमार पत्ती की मानें तो साल 2023 के अंत तक अमृतसर जिले में सेब की खेती शुरू हो जाएगी। इससे छोटे किसान अपनी जमीन पर सेब के बाग लगाकर बड़ा मुनाफा कमा सकते हैं, क्योंकि मौजूदा समय में हिमाचल, जम्मू-कश्मीर से सेब की सप्लाई होती है। अब बहुत जल्द अमृतसर में भी सेब तैयार होगा। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी में पर्यावरण को लेकर बहुत गंभीरता दिखाई जाती है। इसका नतीजा है कि जीएनडीयू परिसर में एक जंगल तैयार किया जा रहा है। खास बात यह है कि इस जंगल में ऐसे पौधे लगाए जा रहे हैं जिनकी किस्में या तो लुप्त हो चुकी हैं या फिर लुप्त होने की कगार पर हैं।

एल्प्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
पंजीकृत और कॉर्पोरेट कार्यालय और शेयर विभाग: प्लॉट नंबर 15-बी, जी.टी. रोड, चौधरी मोड़, गाजियाबाद-201001 उत्तर प्रदेश
सीआईएन: L51109UP1972PLC003544 **वेबसाइट:** www.alpsindustries.com
ई मेल आईडी: ajaygupta@alpsindustries.com
संपर्क नंबर: +91-98716 92058

17 जून, 2022 को पुस्तक बंद करने की सूचना के लिए शुद्धिपत्र
कृपया 17 जून, 2022 को प्रकाशित नोटिस देखें। निम्नलिखित विवरणों पर ध्यान दें जो अब निम्नानुसार पढ़ें:
सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना, स्थान: 57/2, साइट IV, औद्योगिक क्षेत्र, साहिबाबाद, गाजियाबाद-201010 (यूपी) को अब **प्लॉट नंबर 15-बी**, जी.टी. रोड, चौधरी मोड़, गाजियाबाद-201001 पढ़ा जाए।
दिनांक: 28.06.2022

एक नज़र

अग्निपथ वापस लो से गूंजी बिहार विधानससभा, मानसून सत्र के दूसरे दिन जमकर हुआ हंगामा

पटना (एजेंसी) । बिहार विधानसभा के मानसून सत्र में अग्निपथ योजना के विरोध में जमकर हंगामा हुआ। सत्र के दूसरे दिन सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने जैसे ही राजद के अवध बिहारी चौधरी को बोलने के लिए मौका दिया, विपक्षी दल के सदस्य सेना भर्ती की नई योजना के विरोध में नारेबाजी करने लगे। अध्यक्ष लगातार विपक्ष के सदस्यों को बारी-बारी से अपनी बात रखने का आग्रह करते रहे, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं दिखा। हालांकि, व्यवधान के बीच विधानसभा की कार्यवाही चलती रही। इससे पहले सदन से बाहर विधानसभा के परिसर में

भी विधायकों और विधान पार्षदों ने विरोध जाहिर किया। कांग्रेस, राजद और वाम दलों के विधायकों ने अलग-अलग प्रदर्शन कर सेना भर्ती प्रक्रिया में बदलाव करने का विरोध किया। राजद के विधायकों ने कहा कि युवाओं की हकमारी हो रही है। सरकार को बेरोजगारी की चिंता नहीं है। कांग्रेस के विधायक शकील अहमद खान ने कहा कि अग्निपथ योजना युवाओं के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के मंत्रियों ने लगातार सेना भर्ती में शामिल होने वाले युवाओं को हतोत्साहित करने वाले बयान दिए हैं। कांग्रेस के विधायक केंद्र सरकार के मंत्रियों के बयानों की तख्तियां लिए नजर आए।

विधानसभा की कार्यवाही जैसे ही शुरू हुई, संपूर्ण विपक्ष ने आसन के सामने आकर हंगामा करना शुरू कर दिया। सदस्य अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग करते हुए विशेष चर्चा पर जोर दे रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी सदन में मौजूद थे। प्रश्नकाल पूरी तरह बाधित रहा। वामदलों के विधायक ज्यादा हंगामा कर रहे थे। स्पीकर ने कहा कि कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में विधायकों के हित की बात हुई है, लेकिन कोई सदस्य मानने के लिए तैयार नहीं थे। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष ने अपने कार्यालय कक्ष में सभी दलों के विधायकों के साथ बैठक कर सत्र के सुचारू तौर पर संचालन में सहयोग मांगा।

अग्निपथ स्कीम को लेकर राबड़ी देवी ने पीएम मोदी से की अलग मांग, कहा- सरकार करे ये काम

पटना (एजेंसी) । बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को सेना बहाली में अग्निपथ योजना को लेकर विपक्षी विधायकों ने जमकर हंगामा किया। सदन के अंदर और बाहर विपक्षी दलों ने अग्निपथ स्कीम को लेकर नारेबाजी की। इस बीच लालू यादव की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा कि अग्निपथ योजना देश के लिए ठीक नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं जानती हूं पीएम मोदी इस स्कीम को अब वापस नहीं लेंगे। सरकार से मांग करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान जिन छात्रों पर मुकदमा किया गया है उन्हें वापस ले लेना चाहिए। विधानमंडल के मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी

देवी ने अग्निपथ योजना पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये स्कीम देश के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं जानती हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस योजना को वापस नहीं लेंगे। लेकिन प्रदर्शन के दौरान जिन लड़कों पर मुकदमा किया गया है उन्हें सरकार को वापस ले लेना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने मांग की है कि जिन लड़कों को जेल में डाला गया है उन्हें भी छोड़ देना चाहिए। इस दौरान राबड़ी देवी ने केन्द्र सरकार पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि देश के नौजवान बेरोजगारी से परेशान हैं। महंगाई ने आम जनता के जीना दुभर कर दिया है। राबड़ी देवी ने कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश हो रही है। हमलोग सड़क से लेकर सदन तक इसकी लड़ाई लड़ेंगे। अग्निपथ योजना को लेकर विधानसभा में भी राजद विधायकों ने जमकर हंगामा किया। वहीं कांग्रेस और वामदलों ने भी पहले सदन के बाहर पोस्टर लेकर पुराने तरीके से सेना बहाली प्रकिया शुरू करने की मांग की और नई स्कीम के खिलाफ नारेबाजी की।

होटल के कमरे को खुलवाकर चौंक गई पुलिस, पांच लड़कियों के साथ चार लड़के धराए

हाजीपुर (एजेंसी) । बिहार के वैशाली में बढ़ते अपराध को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में है। लूट के दौरान मर्डर का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस लगातार अपराधियों की नकेल कसने में जुटी हुई है। इस दौरान होटलों की भी चेकिंग की जा रही है। पुलिस हाजीपुर में संदिग्धों को लेकर होटल की चेकिंग कर रही थी। लेकिन जांच के दौरान बंद कमरों से पांच लड़कियों के साथ चार लड़के आपत्तिजनक हाल पुलिस के हाथ लग गए।

खबर के मुताबिक एसडीओ अरुण कुमार, एसडीपीओ राघव दयाल के नेतृत्व में सोमवार की अल सुबह रेलवे स्टेशन हाजीपुर अनवरपुर एवं गांधी आश्रम में कई होटलों में छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस ने कई संदिग्ध को पूछताछ के लिए थाने लेकर गई है। पकड़े गए लड़के और लड़कियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

राघव दयाल ने बताया कि रेलवे स्टेशन एवं शहर के कई होटलों में छापेमारी की गई है। होटल में ठहरे हुए व्यक्ति की आधार कार्ड की जांच की गई है। इस दौरान कई संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है। वहीं रविवार की रात में भी एसडीओ अरुण कुमार के नेतृत्व में नगर परिषद टीम एवं नगर थाने की पुलिस ने रेलवे स्टेशन एवं होटलों में छापेमारी की। रेलवे स्टेशन पर जांच के दौरान पुलिस ने एक युवक एवं एक युवती को हिरासत में लिया गया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। एसडीओ ने बताया कि शहर में रूटीन चेकिंग की जा रही है।

बिहार में कोरोना का आंकड़ा 700 के करीब पहुंचा, अकेले पटना में मिले 56 नए मरीज

पटना (एजेंसी) । बिहार में कोरोना के 142 नए संक्रमित मिले हैं। इसमें पटना जिले में 56 नए मामले हैं। राज्य में नए संक्रमित मिलने के बाद सक्रिय मामले 693 हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा रविवार की शाम को जारी रिपोर्ट के अनुसार शनिवार से रविवार के बीच कुल 131812 कोविड टेस्ट किये गए जिसमें 142 रिपोर्ट पाजिटिव पाई गई। रिपोर्ट के अनुसार पटना के अलावा भागलपुर में 10, रोहतास पूर्वी चंपारण में 6-6, सहरसा में पांच, वैशाली में चार संक्रमित मिले हैं। बीते दो दिन की अपेक्षा रविवार को संक्रमण के मामले कम आये हैं। इसके पहले शनिवार को 155 और शुक्रवार को 152 रिपोर्ट पाजिटिव आई थी। नए 142 नए संक्रमित मिलने के बाद राज्य में सक्रिय मामले 693 हो गए हैं।

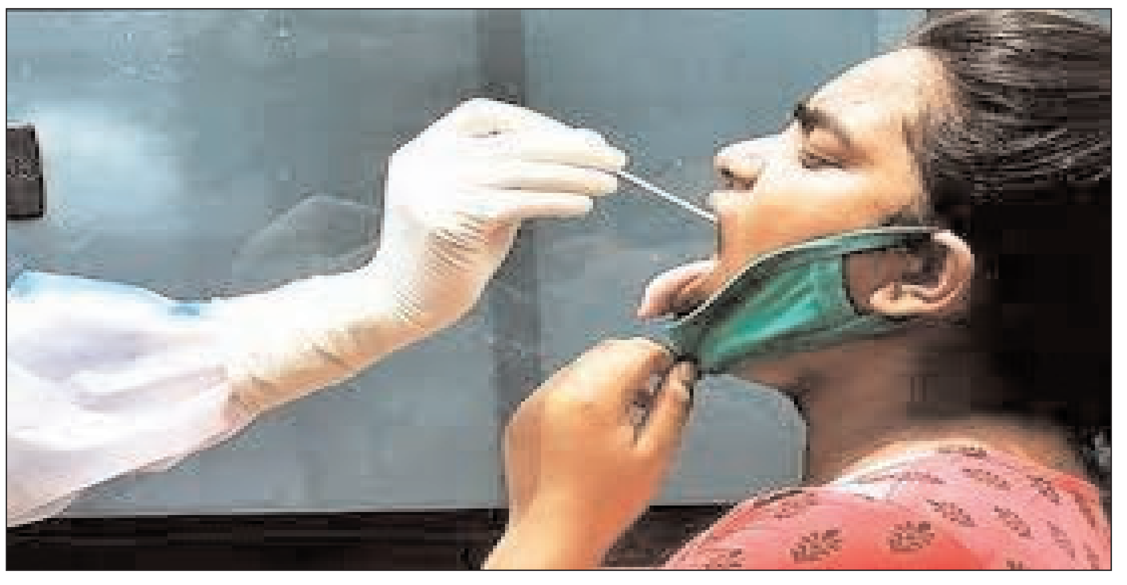

इधर, भोजपुर जिले में फिर एक बार कोरोना संक्रमण बढ़ने लगा है। ऐसे में सावधानी बरतने का वक्त आ गया है। बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा ट्विटर पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक तीन दिनों में दो लोग संक्रमित हुए हैं, जिसमें से शाहपुर निवासी एक संक्रमित महिला की पहचान हुई है। संक्रमित की पहचान होते ही उक्त गांव में मेडिकल टीम भेजकर उसे क्वारंटाइन किया गया और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गई। साथ ही उसके परिवार के सदस्यों समेत आस-पास के लोगों का भी कोविड टेस्ट किया गया और कोविड गाइडलाइन पालन करने समेत तमाम आवश्यक एहतियात बरतने की सलाह दी गई। इधर, सप्ताह भर में पांच नए पाजिटिव केस पाए जाने की जानकारी बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति ने ट्वीटर पर जारी की है। इससे पहले विगत 29 मई और एक जून को भी एक-एक पाजिटिव केस पाए जाने की जानकारी ट्विटर पर जारी की गई थी। सप्ताह भर में पांच नए केस पाए जाने की जानकारी से जिले में लोग आतंकित हैं। हालांकि हाल हीं में संक्रमित हुए पांच मरीजों में से चार लोगों की सूचना अब तक जिला स्वास्थ्य समिति को नहीं मिली है। फिर भी संक्रमितों की पड़ताल में स्वास्थ्य विभाग जुट गया है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि संक्रमित व्यक्तियों की जांच जिले से बाहर हुई होगी, इसीलिए जिला स्वास्थ्य समिति को अब तक इसकी रिपोर्ट नहीं मिली है। बता दें कि 14 दिसंबर से शुरू हुई कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर में कुल 1731 लोग संक्रमित हुए हैं, जिसमें दो की मौत हुई है। इधर मार्च महीने में जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार थमने के साथ जांच व टीकाकरण की रफ्तार भी काफी कम हो गई थी, जिसमें अब तेजी दिखने लगी है। जिलाधिकारी राज कुमार ने जांच के लिए प्रतिदिन पांच हजार सैंपल संग्रह करने का निर्देश दिया है। भोजपुर के सिविल सर्जन डा. आरपी सिंह ने बताया कि शाहपुर में एक महिला संक्रमित की पहचान होने के बाद उसके परिवार के सदस्यों समेत आसपास के लोगों की जांच के लिए सैंपल संग्रह किया गया है। जिले में संक्रमण बढने की संभावना को देखते हुए जांच और टीकाकरण बढ़ाने पर बल दिया जा रहा है।

पटना में कोचिंग गर्ल से अफेयर की वजह से हुई थी टीचर की हत्या

पटना (एजेंसी) । पटना के एक कोचिंग संचालक को अपनी स्टूडेंट से इश्क करना काफी महंगा पड़ गया। लड़की के स्वजनों को अफेयर की जानकारी लगने के बाद टीचर मुकुल कुमार के मर्डर की साजिश रच दी गई। एनटीपीसी थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव के निजी कोचिंग संचालक मुकुल कुमार की 14 मई को अपराधियों द्वारा ईंट पत्थर से पीट पीटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर एनटीपीसी थाने में मामला दर्ज करते हुए चार लोगों को संदेह के आधार पर नामजद अभियुक्त बनाया था। एएसपी अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि कोचिंग संचालक मृतक मुकुल कुमार का एक नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर प्रेम-प्रसंग करने का मामला सामने आया है, जिसे प्रथम दृष्टया हत्या का कारण माना जा रहा है। पूछताछ में पकड़े गए

अपराधियों ने यह कबूल किया कि कोचिंग संचालक मुकुल का दीनानाथ राम की भतीजी के साथ अफेयर चल रहा था। इस वजह से ही उसकी हत्या की गई। पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि कांड का खुलासा करने में एनटीपीसी थानाध्यक्ष पुलिस अवर निरीक्षक रामानुज सिंह का योगदान प्रशंसनीय है। एएसपी बाढ़ अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि एक फोटो वायरल किया गया था।

बीजेपी-जेडीयू के दो बड़े नेताओं के बीच जारी रार में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की एंट्री...अपने खास अंदाज में दी यह सलाह

मुजफ्फरपुर (एजेंसी) । बिहार एनडीए के दो प्रमुख घटक दल भाजपा व जदयू के बीच सबकुछ सही नहीं चल रहा है। हाल के दिनों में दोनों दलों के नेताओं की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ लगातार बयानबाजी देखने को मिली है। पहले जातिगत गणना और उसके बाद केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना को लेकर दोनों ओर के शीर्ष नेताओं की ओर से कड़े बयान दिए गए। इस रार के बीच अब केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह की एंट्री हो गई है। उन्होंने भी अपने खास अंदाज में भाजपा नेता व नेतृत्व पर सवाल उठाने वाले जेडीयू नेता को जवाब दिया है। वे रविवार को जिले के कुढ़नी प्रखंड स्थित भोला सिंह उच्च विद्यालय में स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के काम और मन की बात कार्यक्रम के बारे में भी बात की। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्तमान

मोदी सरकार स्वामी सहजानंद सरस्वती के सपनों को सकार करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। देश के किसानों की आय को दोगुनी करने की दिशा में लगातार प्रयास चल रहे हैं। कृषि कानून इसी सपने को सच करने के लिए लाया गया था, लेकिन कुछ वजहों से सरकार को इसे वापस करना पड़ा। अब सरकार अपने स्तर से किसानों की फसलों को अधिक से अधिक मूल्य दिलाने की दिशा में काम कर रही है। फसलों का उचित मूल्य किसानों को मिलने लगे तो उनकी अधिकांश परेशानियां दूर हो जाएंगी। इसी दौरान वहां मौजूद पत्रकारों ने बिहार एनडीए में जारी खींचतान के बारे में सवाल पूछा। खासकर जदयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा की ओर से बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल पर उठाए गए सवाल के बारे में। इस पर केंद्रीय मंत्री ने खास अंदाज में सलाह दी कि वे सीएम नीतीश कुमार से ही इस बारे में बात कर लें। किसी भी मामले में बढ़-चढ़कर बयान देनेवाले गिरिराज सिंह ने इस मुद्दे पर खुद को संयमित ही रखा। अपन जवाब संक्षिप्त रखा। इससे यह अंदाजा भी लगाया जा सकता है कि हाल में इन नेताओं के बयान आने के बाद गठबंधन को सुचारू ढंग से संचालित करने के लिए नेतृत्व की ओर से कुछ दिशा निर्देश जारी किए गए होंगे। इसलिए उन्होंने संभलकर जवाब देना ही उचित समझा।

बिहार के शहरी क्षेत्रों में बदलने वाली है व्यवस्था, नगर निकाय चुनाव में देरी के बाद सरकार ने बढ़ाए कदम

पटना (एजेंसी) । बिहार में नगर निकाय का चुनाव समय पर नहीं हो पाया। चुनाव जून तक करा लेना था। ऐसे में अब 258 नगर निकायों की विकास योजनाओं पर मुहर चुनाव संपन्न होने तक प्रशासक पर्षद की लगेगी। नगर विकास एवं आवास विभाग ने प्रशासक पर्षद के गठन का प्रारूप भी तैयार कर लिया है। शीघ्र ही कैबिनेट से स्वीकृति ली जाएगी। नगर पालिका कानून-2007 में किए गए प्रविधान के तहत पहली बार नगर निकायों का कमान प्रशासक पर्षद को सौंपा जाएगा। बिहार नगरपालिका अधिनियम में चुनाव में देर होने की स्थिति प्रशासक और प्रशासक पर्षद दोनों तरह के विकल्प का प्रविधान है। गौरतलब है कि बिहार नगरपालिका अधिनियम 2007 के तहत नवगठित नगरपालिका क्षेत्र में उस क्षेत्र के नगरपालिका क्षेत्र के रूप में गठित किए जाने के पूर्व एवं अधिसूचना जारी होने के छह माह तक उस क्षेत्र पर अधिकारिता रखने वाला स्थानीय प्राधिकार अपनी अधिकारिता बनाए रखेगा। यह निर्वाचन कराने के लिए आवश्यक है, लेकिन अधिसूचना जारी होने के छह माह के बाद निर्वाचन कराना संभव नहीं होने पर नगरपालिका बोर्ड भंग हो जाएगा। अधिनियम के तहत ऐसी परिस्थिति में विभाग व राज्य सरकार अधिसूचना जारी कर निकाय संचालन के लिए प्रशासक या प्रशासक पर्षद नियुक्त करेंगे। ऐसे में राज्य निर्वाचन आयोग को भी सरकार के निर्णय का इंतजार है। इसी तरह पटना समेत कई नगर निगम के नगर आयुक्तों के अलावा नगर परिषद और नगर पंचायत के कार्यपालक अधिकारियों को भी सरकार और आयोग के दिशा-निर्देश का इंतजार है।

वर्तमान में यह माना जा रहा है कि नगर निगम क्षेत्र में जिलाधिकारी, नगर परिषद क्षेत्र में अपर समाहर्ता और नगर पंचायतों में वरीय उप समाहर्ता या उससे ऊपर के पदाधिकारी प्रशासक नियुक्त हो सकते हैं। इस पर राज्य सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। उम्मीद है कि अगले सप्ताह तक इस पर अंतिम निर्णय हो जाएगा। बता दें प्रशासक पर्षद में महापौर और उप महापौर के अलावा सशक्त स्थायी समिति सहित नौ सदस्य होते हैं। इसके साथ ही एक अधिकारी को भी शामिल किया जाता है। अगर यह जिम्मेदारी प्रशासक पर्षद को दी जाती है, तो चुनाव तक शहरी निकायों में सभी जिम्मेदारी यही पर्षद पूरा करेगी, लेकिन अगर प्रशासक पर्षद को जिम्मेदारी देने पर सहमति नहीं बनती है।

पति के घर से निकलते ही युवती को घर से उठा ले गए, आधी रात को लंगड़ाते हुए लौटी, लेकिन हो चुकी थी देर

वैशाली (एजेंसी)। वैशाली जिले में 20 साल की एक युवती के घर में रात के नौ बजे गांव का ही युवक जबर्दस्ती घुस गया। वह युवती को लेकर बाहर निकल गया। पीछे से परेशान परिवार ने युवती की खोजबीन शुरू की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इसी बीच घटना के तीन घंटे बाद आधी रात को युवती किसी तरह लंगड़ाते हुए अपने घर पहुंची। परिवार के लोग उससे उसका हाल पूछते रहे, लेकिन वह कुछ भी सही तरीके से बता नहीं सकी। इस बीच उसे एक बार उल्टी आई और वह अचेत होकर गिर गई। इसकी थोड़ी ही देर बाद युवती की मौत हो गई। मामले में परिवार ने दुष्कर्म और हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस संबंध में युवती के स्वजन ने बताया है कि 20 वर्षीय विवाहित युवती को देवेंद्र मांझी का पुत्र चंद्रशेखर मांझी शनिवार की रात्रि नौ बजे घर से जबरन उठाकर चंवर में ले गया तथा उसके साथ दुष्कर्म कर उसकी गला दबाकर हत्या का प्रयास किया। उसे मरा हुआ समझ कर वहां से भाग गया।

बिहार में जाति गणना के लिए सरकार के पास नहीं हैं अनुभवी अफसर, अब निकाला जाएगा ये रास्ता

पटना (एजेंसी) । बिहार में जाति आधारित गणना के लिए संस्थागत ढांचे को तय करने के बाद अब यह तय किया जाना है कि जाति आधारित गणना का काम किस तरह से किया जाए। आंकड़े इकट्ठा किए जाने का स्वरूप क्या हो। इस काम के लिए सरकार कंसलटेंट की सेवा लेगी। कंसलटेंट तय किए जाने की दिशा में विमर्श चल रहा है। राज्य सरकार ने जनगणना के काम में कभी प्रत्यक्ष रूप से हिस्सा नहीं लिया है। केंद्र सरकार का विषय है जनगणना। गृह मंत्रालय की सीधी देखरेख में यह काम होता है। वहीं बिहार में जनगणना से थोड़ा और आगे जाति आधारित गणना की जानी है। इस क्षेत्र में बिहार के प्रशासनिक अधिकारियों के पास अनुभव नहीं है। देश में किसी अन्य राज्य में भी इतने वृहत स्तर पर जाति आधारित गणना का काम भी नहीं हुआ है कि वहां से इस बारे में प्रशासनिक अनुभव लिया जाए। इसलिए सरकार के स्तर पर यह तय किया जा रहा कि इस काम का स्वरूप तय किए जाने को ले किसी नामी-गिरामी कंसलटेंट की सेवा ली जाए। कंसलटेंट को गणना या फिर सर्वे के क्षेत्र में खास अनुभव होना चाहिए। ऐसी योजना है कि कंसलटेंट तय करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक्सप्रेशन आफ इंटरेस्ट आमंत्रित किया जाए। कंसलटेंट तय किए जाने की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। उसे यह टास्क दिया जाएगा कि एक तय अवधि में वह यह बताए कि किस स्वरूप में जाति आधारित गणना का काम आगे बढ़े। उक्त रिपोर्ट में राज्य सरकार अपने हिसाब से संशोधन कर जाति आधारित गणना के काम को आगे बढ़ाएगी। इस बाबत मिली जानकारी के अनुसार कंसलटेंट के सुझाव के आधार पर ही जाति आधारित गणना में लगाए जाने वाले कर्मियों का फाइनल प्रशिक्षण होगा। इस बात पर जोर है कि आंकड़े फूलप्रूफ तरीके से जुटाए जाएं। जाति आधारित गणना के लिए राज्य कैबिनेट ने पांच सौ करोड़ की राशि आवंटित कर रखी है। कंसलटेंट की सेवा इस राशि से ही ली जाएगी या फिर अलग से इसके लिए आवंटन होगा, यह अभी तय नहीं है।

प्रथम इंटर स्तरीय संयुक्त परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी, 13 हजार पदों के लिए निकली थी बहाली

पटना (एजेंसी) । बिहार कर्मचारी चयन आयोग ने बहुप्रतीक्षित प्रथम इंटर स्तरीय संयुक्त परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया। इस परीक्षा के माध्यम से राज्य में 42 प्रकार के 13 हजार 120 पदों पर नियुक्ति होनी थी, हालांकि आयोग ने केवल 11 हजार 329 उम्मीदवारों को ही अंतिम रूप से चुना है। आयोग की ओर से बताया गया है कि प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा, शारीरिक क्षमता जांच, टाइपिंग टेस्ट और आशुलेखन जांच के बाद 14 हजार 410 उम्मीदवारों को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था। इनमें अलग-अलग कारणों से करीब तीन हजार अभ्यर्थी चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिए गए। आयोग ने बताया है कि शुरुआती विज्ञापन में 13 हजार 120 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। बाद में पदों को घटाकर 13 हजार 86 कर दिया गया। फिलहाल इनमें 11,329 पदों के लिए योग्य उम्मीदवार चुन लिए गए हैं। आयोग के

मुताबिक 1757 पद अब भी रिक्त रह गए हैं। आयोग का यह भी दावा है कि इनमें 1580 पदों के लिए कोई योग्य उम्मीदवार उपलब्ध ही नहीं है। आयोग ने बताया है कि 177 पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों को काउंसलिंग के लिए एक बार और मौका दिया जाएगा। वर्ष 2014 में इस नियुक्ति प्रक्रिया के लिए विज्ञापन जारी हुआ था प्रश्न पत्र लीक होने के कारण 2016 में प्राथमिक परीक्षा को रद किया गया था। बाद में इसकी प्राथमिक परीक्षा दोबारा ली गई। इसके बाद भी यह भर्ती प्रक्रिया लगातार फंसती रही। उम्मीद की जा रही है कि अब जल्द ही पंचायतों में 7000 पंचायत सचिव व कर्मचारी मिल जाएंगे। बिहार प्रथम इंटर स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के रिजल्ट का कुछ अंश बिहार कर्मचारी चयन आयोग की वेबसाइट पर 26 मई की शाम अपलोड किया गया।

एसपीआईईएफ में आर्कटिक में दूरसंचार क्षेत्र के विकास और डिजिटलीकरण पर हुई चर्चा

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में कॉन्फ्रेंस ऑन टेलीकॉम्युनिकेशन डेवलपमेंट एंड डिजिटाइजेशन इन द आर्कटिक में हिस्सा लेने वालों ने आर्कटिक क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्रियान्वयन पर चर्चा की। साल 2021-2023 के दौरान आर्कटिक काउंसिल की रूस की चेयरमैनशिप के तहत होने वाले मुख्य कार्यक्रमों के प्लान के तहत इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन रॉसकांग्रेस फाउंडेशन द्वारा किया गया। इस अवसर पर आर्कटिक सीनियर ऑफिशियल्स के चेयरमैन और रूस के विदेश मामलों के मंत्रालय में Ambassador-at-Large निकोलय कोरचुनोव ने कहा, आर्कटिक काउंसिल की रूस की चेयरमैनशिप और हमारे कार्यक्रम की मुख्य प्राथमिकता आर्कटिक क्षेत्र का सतत विकास है, जिसमें दूरसंचार का विकास जीवन की गुणवत्ता में सुधार, बेहतरी और समृद्धि के लिए जरूरी पहलुओं में शामिल है। इससे पब्लिक सर्विसेज, सुदूर इलाकों तक दवाओं और हेल्थकेयर की पहुंच और बेहतर हो पाएगी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि रूस के आर्कटिक जोन में अच्छी क्वालिटी के कम्युनिकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर और तेज-स्पीड इंटरनेट की जरूरत है और नॉर्दर्न सी रूट के डिजिटलीकरण की जरूरत है। कोरचुनोव ने कहा, आर्कटिक क्षेत्र में विश्वसनीय कम्युनिकेशन नेटवर्क उपलब्ध कराए जाने का काम सरल नहीं हैः जिस क्षेत्र को कवर करना है, उसका आकार बहुत बड़ा है। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप और कॉरपोरेट रिस्पॉंसिबिलिटी के सिद्धांत भी अहम हैं।

नार्दर्न सी रूट डायरेक्टरेट ऑफ द स्टेट एटोमिक एनर्जी कॉरपोरेशन Roastom के डिप्टी डायरेक्टर मैक्सिम कुलिंको ने कहा कि नॉर्दर्न सी रूट का डिजिटलीकरण देश की तकनीकी संप्रभुता से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में इस पर काम चल रहा हैः 2021 में बजट से 3।8 अरब रूबल एवं बजट से इतर 1।4 अरब रूबल जुटाया गया। कुलिंको ने कहा, हम वर्तमान में सक्रिय तौर पर काम कर रहे हैं, फंडिंग जुटा लिया गया है और सभी प्रोसेसज में उसे सिंक्रनाइज कर दिया गया है। स्पेस कम्युनिकेशन्स के जनरल डायरेक्टर एलेक्सी वोलिन ने कहा कि आर्कटिक के अधिकतर क्षेत्रों के लिए केवल सेटेलाइट कम्युनिकेशन्स का ऑप्शनल अवेलेबल है। सेटेलाइट कम्युनिकेशन महंगा होता है और फाइबर-ऑप्टिक से जुड़े विकल्पों की तुलना में इसका बैंडविथ सीमित होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह आर्कटिक के बुनियादी सामाजिक और वाणिज्यिक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है। कॉन्फ्रेंस में मोर्सविअज़्स्पुतनिक के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एंड्री कुरोप्यात्निकोव और रॉसटेलीकॉम के वाइस प्रेसिडेंट और फार ईस्टर्न मैक्रोरीजनल ब्रांच के डायरेक्टर एलेक्जेंडर लोगीनोव ने भी हिस्सा लिया।

लोगीनोव ने टेलीकम्युनिकेशन्स से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के बारे में बात की। इनके अलावा कॉन्फ्रेंस में शिरकत करने वाले रिपब्लिक ऑफ साखा के इनोवेशन्स, डिजिटल डेवलपमेंट एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज मामलों के मंत्री अनातोली सेमेनोव ने इलाके में डिजिटलीकरण प्रक्रिया की सफलता की बात की। रशियन पोस्ट के डिप्टी जनरल डायरेक्टर (रशियन पोस्ट) सर्गेई सर्गुशेव ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए आर्कटिक क्षेत्र में मानवरहित हवाई कार्गो डिलीवरी की बात की।

रूस के आर्कटिक जोन क्षेत्र में 2035 तक विकास के लिए डिजिटलीकरण मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल है। डिजिटल टेक्नोलॉजी से आर्कटिक क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र से पलायन में कमी लाने में मदद मिलेगी। दूसरी ओर, टेलीमेडिसिन प्रोजेक्ट्स से आर्कटिक क्षेत्र के सुदूर इलाकों में प्राइमरी हेल्थकेयर के आधुनिकीकरण में मदद मिलेगी।

एक नज़र

वीरेंद्र सहवाग ने सुझाया टी20 वर्ल्ड कप 2022 में कैसा होना चाहिए टीम इंडिया का बैटिंग और बॉलिंग कॉम्बिनेशन

नई दिल्ली (एजेंसी) आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप इस साल अक्टूबर-नवंबर में खेला जाना है और इसके लिए सभी टीमें तैयारी भी शुरू कर चुकी हैं। टी20 वर्ल्ड कप इस साल ऑस्ट्रेलिया में खेला जाना है और इस दौरान टीम इंडिया का बैटिंग और बॉलिंग कॉम्बिनेशन कैसा होगा, इसको लेकर काफी चर्चा चल रही है। टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का

मानना है कि टॉप-3 बल्लेबाज के तौर पर रोहित शर्मा, ईशान किशन और केएल राहुल को चुना जाना चाहिए। विराट टी20 में नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हैं, ऐसे में सहवाग के हिसाब से विराट के नंबर-3 पोजिशन पर हिटिंग के लिहाज से केएल राहुल को आना चाहिए। सहवाग ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया के कॉम्बिनेशन को लेकर कहा, भारत के पास टी20 में कई आक्रामक बल्लेबाज हैं, लेकिन मैं टॉप-3 ऑर्डर पर रोहित शर्मा, ईशान किशन और केएल राहुल को देखता हूं। रोहित और ईशान का लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन है और टी20 वर्ल्ड कप में ईशान और राहुल भी अच्छी जोड़ी होंगे। उन्होंने तेज गेंदबाज उमरान मलिक की तारीफ करते हुए कहा कि वह भी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के साथ भारतीय आक्रमण का हिस्सा होंगे।

रोहित शर्मा को टी20 टीम की कप्तानी से मिलना चाहिए छुटकारा, जानिए क्यों वीरेंद्र सहवाग ने दिया यह बोल्ड बयान

नई दिल्ली (एजेंसी) टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि रोहित शर्मा को टी20 फॉर्मेट की कप्तानी से आजाद कर दिया जाना चाहिए, जिससे उन्हें अपना वर्कलोड मैनेज करने में मदद मिलेगी। विराट कोहली के आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद कप्तानी छोड़ने

के बाद रोहित को इस फॉर्मेट का कप्तान बनाया गया। फिर दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए उन्हें वनडे टीम की कमान सौंपी गई, इसके बाद विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद टेस्ट कप्तानी भी छोड़ दी थी, जिसके बाद रोहित को तीनों फॉर्मेट का कप्तान बना दिया गया था। तीनों फॉर्मेट की कप्तानी मिलने के बाद रोहित बहुत ज्यादा मैच भारत के लिए नहीं खेल पाए हैं, कभी इंजरी तो कभी आराम की वजह से वह टीम से बाहर रहे हैं। वीरेंद्र सहवाग ने एक इंटरव्यू में कहा, अगर भारतीय टीम मैनेजमेंट के दिमाग में टी20 फॉर्मेट में कप्तानी करने के लिए किसी और खिलाड़ी का नाम है तो मुझे लगता है कि रोहित को इस जिम्मेदारी से आजाद कर दिया जाना चाहिए। रोहित की उम्र को देखते हुए इससे उन्हें वर्कलोड मैनेजमेंट में भी मदद मिलेगी।

बाबर आजम ने तोड़ा विराट कोहली का एक और रिकॉर्ड, टी20 क्रिकेट में किया करिश्मा

नई दिल्ली (एजेंसी) पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम निस्संदेह मॉर्डन इरा में विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन की पसंद के साथ सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। पाकिस्तान के सभी प्रारूपों के कप्तान बाबर आजम इस समय वनडे और टी20 रैंकिंग में नंबर वन

बल्लेबाज हैं, जबकि टेस्ट क्रिकेट में वे चौथे नंबर पर हैं। इसी बीच बाबर आजम ने विराट कोहली का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ डाला है। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में सबसे अधिक दिनों तक शीर्ष स्थान रहने का रिकॉर्ड अब बाबर आजम के नाम दर्ज हो गया है। कुछ ही समय पहले तक विराट कोहली के नाम वो रिकॉर्ड दर्ज था। बाबर ने ञ्च20ढ्ढ प्रारूप में नंबर एक बल्लेबाज के रूप में 1028 दिन बिता लिए हैं। उनके बाद भारत के विराट कोहली और इंग्लैंड के केविन पीटरसन हैं; कोहली ने 1013 दिनों के लिएस, जबकि पीटरसन ने 729 दिन नंबर वन बल्लेबाज के तौर पर गुजारे थे। गौरतलब है कि बाबर आजम वनडे इंटरनेशनल फॉर्मेट में नंबर वन बल्लेबाज भी हैं।

ऋषभ पंत के अंदाज में जो रूट ने लगाया विकेट के पीछे अद्भुत छक्का

नई दिल्ली (एजेंसी) टेस्ट क्रिकेट में अगर किसी खिलाड़ी को लंबे समय तक बना रहना है तो उसमें धैर्य, दृढ़ता के साथ उचित क्रिकेटिंग शॉट्स खेलने की काबलियत होनी चाहिए। मगर अब समय के साथ खिलाड़ियों की भी सोच बदलने लगी है। खास कर टी20 क्रिकेट आने के बाद। खिलाड़ी अब

टेस्ट क्रिकेट में भी आक्रामकता से बल्लेबाजी करते हुए दिखाई देते हैं। भारतीय टीम में हमने ऋषभ पंत को अधिकतर इसी भूमिका में देखा है। मगर अब इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट भी पंत की राह पर चलने लगे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी तीसरे टेस्ट में उन्होंने विकेट के पीछे पंत के अंदाज में एक ऐसा शॉट लगाया जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। जो रूट को हम उचित क्रिकेटिंग शॉट्स खेलने के लिए जानते हैं, उनके द्वारा ऐसा शॉट देखने के बाद हर कोई हैरान है। चौथी पारी में इंग्लैंड की टीम जब 296 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तब जो रूट ने नील वैगनर के ओवर में ये अद्भुत शॉट खेल हर किसी को हैरान कर दिया।

मयंक अग्रवाल ने पकड़ी इंग्लैंड की फ्लाइट, बर्मिंघम टेस्ट में कर सकते हैं ओपन

नई दिल्ली (एजेंसी) सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने इंग्लैंड की फ्लाइट पकड़ ली है। मयंक ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में फ्लाइट में बैठने के बाद की फोटो शेयर की और इस पर लिखा है, बर्मिंघम, इस खिलाड़ी को टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के कवर के तौर पर टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया

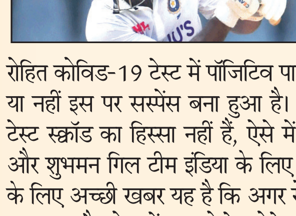

है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच 2021 में रिशेड्यूल हुआ था, जो अब 1 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाना है। इससे पहले टीम इंडिया ने लीसेस्टरशर के खिलाफ प्रैक्टिस मैच खेला, जिसके दौरान रोहित कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए। रोहित बर्मिंघम टेस्ट खेल पाएंगे या नहीं इस पर सस्पेंस बना हुआ है। केएल राहुल पहले ही चोट के चलते टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं, ऐसे में अगर रोहित नहीं खेलते हैं तो मयंक और शुभमन गिल टीम इंडिया के लिए पारी का आगाज कर सकते हैं। भारत के लिए अच्छी खबर यह है कि अगर रोहित का आरटीपीसीआर टेस्ट नेगेटिव आ जाता है, तो उन्हें आइसोलेट होने की जरूरत नहीं होगी और वह बर्मिंघम टेस्ट खेल पाएंगे। भारत इस सीरीज में फिलहाल 2-1 से आगे है। 2021 में जब यह सीरीज के चार टेस्ट खेले गए थे, तब टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली थे, जबकि हेड कोच रवि शास्त्री थे।

डेब्यू मैच में महंगे साबित हुए उमरान मलिक को क्या अगले मुकाबले में मिलेगा मौका?

अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय मैच में उमरान काफी महंगे साबित हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत ने आयरलैंड दौरे का आगाज जीत के साथ किया। डबलिन में खेले गए पहले टी20 को टीम इंडिया ने 7 विकेट से जीतकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बारिश की खलल की वजह से मैच काफी देर से शुरू हुआ। 12-12 ओवर के हुए इस मुकाबले में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत के लिए इस मैच में 22 साल के तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने डेब्यू किया। अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय मैच में उमरान काफी महंगे साबित हुए। आयरलैंड के खिलाफ उन्हें एक ही ओवर गेंदबाजी करने को मिली जिसमें उन्होंने एक चौके और एक छक्के के साथ कुल 14 रन लुटाए। इसके बाद कप्तान हार्दिक पांड्या ने उन्हें मौका नहीं दिया। मैच के बाद पांड्या ने बताया कि क्या अगले मैच में इस युवा तेज गेंदबाज को मौका मिलेगा या नहीं? मैच के बाद उमरान मलिक को लेकर हार्दिक पांड्या ने कहा उमरान ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट के लिए अच्छा किया है। मेरे साथ बातचीत करने के बाद उसे रोका गया, वह पुरानी गेंद के साथ अधिक सहज है लेकिन यहां मैं उसको अधिक मौका नहीं देख पाया, उम्मीद है कि अगले मैच में मैं उसको मौका दूं। इसी के साथ उन्होंने कहा जीत के साथ सीरीज की शुरुआत करना अच्छा है। एक टीम के तौर पर हमारे लिए जीत के साथ शुरुआत करना बहुत महत्वपूर्ण है। इससे काफी खुश हैं। आयरलैंड ने शानदार बल्लेबाजी की जिसकी वजह से मुझे अपने मुख्य गेंदबाजों के पास वापस जाना पड़ा। टेक्टर द्वारा खेले गए कुछ शॉट दिमाग को झकझोर देने वाले थे। बात मुकाबले की करें तो आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में भारत के सामने जीत के लिए 109 रनों का लक्ष्य रखा था, मेजबान टीम के लिए टेक्टर ने 33 गेंदों पर 6 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 64 रन की नाबाद पारी खेली थी। टीम इंडिया ने इस स्कोर को 16 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया। दीपक हुड्डा ने इस दौरान 29 गेंदों पर 47 रनों की नाबाद पारी खेली।

इयोन मोर्गन कह सकते हैं इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा, कौन बनेगा लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में इंग्लैंड का अगला कप्तान?

नई दिल्ली (एजेंसी) इयोन मोर्गन ने लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में कप्तानी करते हुए इंग्लैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। मोर्गन की कप्तानी में ही इंग्लैंड 2019 में पहली बार आईसीसी वर्ल्ड कप जीतने में सफल हो पाया। मोर्गन इस सप्ताह इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सकते हैं। मोर्गन पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि मोर्गन की जगह जोस बटलर को इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम की कमान सौंपी जा सकती है। मोर्गन की खराब फॉर्म इंग्लैंड के लिए सिरदर्द बनी हुई है, उन्हें आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्शन में भी किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। नीदरलैंड के दौरे पर जहां इंग्लिश बल्लेबाजों ने जमकर रन बरसाए वहीं मोर्गन सीरीज के दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाए। मोर्गन ने अपने पिछले 28 इंटरनेशनल मैचों में महज दो पचासे ठोके हैं। नीदरलैंड सीरीज से पहले मोर्गन ने स्काइस्पोर्ट्स पर कहा था, अगर मुझे लगेगा कि मैं अच्छा नहीं कर पा रहा हूं और मैं टीम में योगदान नहीं दे पा रहा हूं, तो मैं इसके खत्म कर दूंगा।

मोर्गन को वनडे टीम का कप्तान 2015 वर्ल्ड कप के समय बनाया गया था। हाल ही में इंग्लैंड की टेस्ट टीम में भी फेरबदल देखने को मिले हैं। बेन स्टोक्स को जो रूट की जगह कप्तान बनाया गया।

चहल टीवी की वापसी : युजवेंद्र चहल ने दीपक हुड्डा से उगलवाए पहली बार ओपनिंग करने के राज

नई दिल्ली (एजेंसी)

काफी समय के बाद चहल टीवी की वापसी बीसीसीआई की बेवसाइट पर देखने को मिली है। स्पिनर युजवेंद्र चहल एक बार फिर से माइक संभालते हुए नजर आए। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में जीत दर्ज करने के बाद टीम इंडिया के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने उस खिलाड़ी से बात की, जो बल्लेबाजी में टीम के लिए हीरो था। जी हां, हम बात कर रहे हैं दीपक हुड्डा की, जो ओपनर बनकर उतरे और मैच फिनिश करके लौटे।

दीपक हुड्डा पहली बार ओपनिंग करने उतरे। यहां तक कि आईपीएल में भी वे कभी ओपनिंग के लिए नहीं उतरे थे। ऐसे में उनके दिमाग में क्या चल रहा था, इसके बारे में चहल टीवी पर उन्होंने बात की। डबलिन टी20 मैच में 29 गेंदों में 47 रन की पारी खेलने वाले दीपक हुड्डा ने बताया, हां, निश्चित रूप से में नर्वस था, लेकिन आपको ये जानना भी जरूरी है कि लाइफ में चैलेंज तो रहेगा। इसलिए मैं चैलेंज का सामना कर रहा था। उन्होंने आगे बताया, अगर आप क्रिकेट खेल रहे हो तो आपको चैलेंज मिलेंगे।

ईशान ने जिस तरह की शुरुआत दी, उससे मुझे कुछ गेंद खेलने का मौका मिल गया। मैंने इसका आनंद लिया। जैसे आईपीएल में भी मुझे कई बार दूसरे या तीसरे ओवर में आना पड़ा था तो मैं इसके लिए तैयार था।

हार्दिक पांड्या के साथ साझेदारी को लेकर दीपक ने बताया, हार्दिक के साथ जो पार्टनरशिप थी, वो अच्छी थी। उस समय विकेट अच्छा था। एक तेज पार्टनरशिप हुई, जिससे हम गेम में आगे हो गए।

विदेशी दौरे पर अब इस सलामी बल्लेबाज की चोट ने बढ़ाई टीम इंडिया की टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)

मौजूदा समय में दो भारतीय टीम अलग-अलग दौरे पर हैं। हार्दिक पांड्या की अगुवाई में एक टीम आयरलैंड में टी20 सीरीज खेल रही है, वहीं रोहित शर्मा की दूसरी टीम इंग्लैंड में आगामी टेस्ट मैच की प्रैक्टिस में लगी है।

मगर दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों की चोट ने मैनेजमेंट की टेंशन बढ़ाई हुई है। केएल राहुल जहां चोट के चलते इंग्लैंड दौरे से पहले से ही बाहर हो चुके हैं, वहीं कप्तान रोहित शर्मा भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। अब आयरलैंड दौरे पर रुतुराज गायकवाड़ चोटिल हो गए हैं। पहले टी20 के दौरान गायकवाड़ फील्डिंग करते हुए तो दिखाई दिए मगर वह ईशान किशन के साथ पारी की शुरुआत करने नहीं उतरे। उस समय कयास लगाए जा रहे थे कि बाकी खिलाड़ियों को मौका देने के लिए ऐसा किया जा रहा है, मगर मैच के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या ने बताया कि गायकवाड़ चोटिल हैं। आयरलैंड पर 7 विकेट से जीत दर्ज करने के बाद हार्दिक पांड्या ने कहा रुतुराज की पिंडली में चोट लगी है। हम थोड़ा रिस्क लेकर उसे बैटिंग करने भेज सकते थे, मगर मुझे यह ठीक नहीं लगा। मेरे लिए खिलाड़ी का स्वास्थ्य ज्यादा महत्वपूर्ण है, मैच खुद का ख्याल रखेगा। इसलिए हमने ज्यादा बदलाव नहीं किए, सभी का बैटिंग ऑर्डर तय था, हम बस एक स्थान ऊपर आते गए।

यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण था कि रुतु को ज्यादा जोखिम में नहीं डाला जाए और उसके साथ हम रिस्क ना लें। गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद दीपक हुड्डा ईशान किशन के साथ ओपनिंग करने उतरे और इस खिलाड़ी ने 47 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को 16 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। हार्दिक ने हुड्डा के बारे में कहा हुड्डा के लिए भी मैं बहुत खुश हूं क्योंकि आखिरी मिनट में यह जानना कि आप ओपनिंग करने जा रहे हैं और फिर आप खेल कर खत्म करके आते हैं। यह आपका चरित्र दिखाता है। उनके लिए मुझे बहुत खुशी है।

बांग्लादेश का टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफ करने की कगार पर वेस्टइंडीज, केमार रोच ने लूटी महफिल

नई दिल्ली (एजेंसी)

वेस्टइंडीज के धाकड़ तेज गेंदबाज केमार रोच ने टेस्ट क्रिकेट में 250 विकेट पूरा करने का साथ दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश पर शिकंजा कस लिया है। मेहमान टीम दूसरे टेस्ट में भी हार टालने के लिए जूझ रही है। बांग्लादेश ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर दूसरी पारी के छह विकेट 132 रन पर गंवा दिये थे। अभी भी वह मेजबान के पहली पारी के स्कोर से 42 रन पीछे है। दो मैच की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश 1-0 से पिछड़ रही है।

अगर इस मुकाबले में भी उन्हें हार का सामना करना पड़ता है तो वेस्टइंडीज उनका सूपड़ा साफ कर देगी। केमार रोच के खाते में पहली पारी में कोई विकेट नहीं आया मगर दूसरी पारी में गेंदबाज ने कमाल कर दिया। महज 9 ओवर के अंदर बांग्लादेश के तीन बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखा इस खिलाड़ी ने बांग्लादेशी बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। दूसरी पारी में रोच अभी तक 10 ओवर में 32 रन देकर तीन विकेट चटका चुके हैं।

उनके 73 टेस्ट में अब तक 252 विकेट हो गए हैं। बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज तामिम इकबाल (चार) उनका 250वां शिकार बने जिन्होंने विकेट के पीछे कैच थमाया। रोच अब वेस्टइंडीज के लिये सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में छठे स्थान पर है। महान तेज गेंदबाज कर्टनी वॉल्श 132 मैचों में 519 विकेट लेकर शीर्ष पर हैं। रोच ने सलामी बल्लेबाज महमूदुल्लाह हसन जॉय (13) और अनामुल हक (चार) को भी पवेलियन भेजा। नजमुल हुसैन शंटो ने बांग्लादेश के लिये 91 गेंद में 42 रन बनाये और वह अलजारी जोसेफ का शिकार हुए। इससे पहले वेस्टइंडीज ने पांच विकेट पर 340 रन से आगे खेलना शुरू किया और पहली पारी में 408 रन पर टीम आउट हो गई। काइल मायर्स 146 रन बनाकर शरीफुल इस्लाम की गेंद पर विकेट गंवा बैठे। उन्होंने अपनी पारी में 18 चौके और दो छक्के लगाये। भारी बारिश के कारण खेल जल्दी रोकना पड़ा। बांग्लादेश ने पहली पारी में 234 रन बनाये थे।

रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में विराट कोहली करे कप्तानी, ऋषभ पंत अभी मैच्योर नहीं है, क्रिकेटर का बोल्ड बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)

रोहित शर्मा तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया के कप्तान बन चुके हैं, लेकिन टीम मैनेजमेंट की नजर फ्यूचर कप्तान तैयार करने पर भी है। रोहित की गैरमौजूदगी में केएल राहुल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों को टीम की कमान संभालने का मौका मिला है। पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया का मानना है कि अगर रोहित किसी मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहते हैं, तो ऐसे में विराट कोहली को टीम की अगुवाई करनी चाहिए।

कनेरिया का मानना है कि ऋषभ पंत अभी कप्तानी करने के लिए मैच्योर नहीं हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज 1-2 से गंवाने के बाद विराट ने टेस्ट कप्तानी छोड़ने का ऐलान कर दिया था और इसके बाद रोहित को तीनों फॉर्मेट का कप्तान नियुक्त किया गया। पंत ने हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में कप्तानी की थी, लेकिन उनकी अगुवाई में टीम इंडिया को लगातार दो मैच गंवाने पड़े थे। कनेरिया ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, कप्तानी करने

के लिए ऋषभ पंत अभी मैच्योर नहीं हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कप्तानी का मौका मिला था, लेकिन उन्होंने बहुत खराब प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा, कप्तानी का उनकी बैटिंग पर भी असर देखने को मिला। मुझे नहीं लगता कि उन्हें आगे कप्तानी दी जानी चाहिए। इंग्लैंड के खिलाफ रिशेड्यूल्ड टेस्ट से पहले रोहित कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं और ऐसे में जसप्रीत बुमराह को कप्तानी सौंपने की चर्चा हो रही है।

आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के लिए टीम इंडिया में हो सकते हैं ये दो बदलाव, ये गेंदबाज करेगा डेब्यू?

नई दिल्ली (एजेंसी)

रविवार को डबलिन में हुए पहले टी20 मैच में भारत ने जीत हासिल की। टीम इंडिया ने सात विकेट से मेजबान आयरलैंड को हरा दिया। बावजूद इसके टीम इंडिया में दूसरे और अंतिम मुकाबले के लिए दो बदलाव हो सकते हैं। टीम इंडिया के लिए एक बदलाव करना मजबूरी है, जबकि दूसरा बदलाव एक और नए खिलाड़ी को चांस देने के लिए किया जा सकता है। ऐसे में जान लीजिए कि किसका पत्ता कट सकता है। दरअसल, टीम इंडिया जब बल्लेबाजी करने उतरी तो हर कोई हैरान था, क्योंकि रुतुराज गायकवाड़ ओपन करने नहीं उतरे। उनकी जगह दीपक हुड्डा ने ओपनिंग की और वे मैच फिनिश करके ही लौटे। वहीं, बाद में पता चला कि गायकवाड़ को काफ इंजरी हुई है, जिसके कारण वे ओपनिंग नहीं करने उतरे। ऐसे में उनका दूसरे टी20 मैच में खेला संदिग्ध नजर आ रहा है, क्योंकि काफ इंजरी को ठीक होने में समय लगता है।

रुतुराज गायकवाड़ की जगह लेने के लिए दो खिलाड़ी रेस में हैं, जिनमें एक संजू सैमसन और दूसरे राहुल त्रिपाठी हैं। माना जा रहा है कि संजू सैमसन को मौका मिल सकता है और वे ईशान किशन के साथ ओपनिंग कर सकते हैं या फिर नंबर तीन पर खेल सकते हैं। इसके अलावा एक बदलाव तेज गेंदबाजी के लिए फेमस उमरान मलिक के तौर पर देखा जा रहा है, जिन्हें पहले मैच में डेब्यू करने का मौका मिला था। उमरान मलिक ने डेब्यू मैच में सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी और कुल 14 रन लुटाए। उमरान बिल्कुल नियंत्रण में नहीं दिखे। ऐसे में अब एक और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मौका मिलने के पूरे चांस हैं, जो डेथ ओवर्स स्पेशलिस्ट कहे जाते हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को इसलिए मौका मिल सकता है, क्योंकि आयरलैंड की टीम में दाएं हाथ के बल्लेबाज ज्यादा हैं, जिन्हें वे तंग कर सकते हैं। टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवनः ईशान किशन, संजू सैमसन, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या (कप्तान), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल।

प्रभास के साथ सालार में काम करेंगे पृथ्वीराज सुकुमारन

मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन दक्षिण भारतीय सुपरस्टार प्रभास के साथ फिल्म सालार में काम करते नजर आयेंगे। निर्देशक प्रशांत नील की अपकमिंग फिल्म सालार में प्रभास और श्रुति हासन की मुख्य भूमिका है। इस फिल्म में मलयालम फिल्मों के स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की एंट्री हो गयी है। पृथ्वीराज सुकुमारन ने कंफर्म किया है कि वह प्रभास की फिल्म सालार में नजर आने वाले हैं।

पृथ्वीराज सुकुमारन ने कहा, हां, मैं तेलुगु फिल्म पर काम कर रहा हूं। मुझे फिल्म में अपनी तारीखों को लेकर बात करनी है। मैं सालार में एक महत्वपूर्ण किरदार निभाने वाला हूं। मुझे यह फिल्म 2 साल पहले ऑफर की गई थी। मैंने जब इस फिल्म का नरेशन सुना तो मैंने कहा वाउ, मुझे ये करना है। क्योंकि प्रशांत और होमेबल फिल्मस दोस्त हैं। और फिर फिल्म में प्रभास है तो कोई भी ये फिल्म करना चाहेगा लेकिन फिर महामारी आ गई। और इसके बाद सबकुछ लेट हो गया। मुझे लगा कि मैं ये फिल्म अब नहीं कर पाउंगा मेरे दूसरे कमिटमेंट्स की वजह से। हालांकि फिर प्रभास के भी प्रोजेक्ट्स लेट हो गए और फिर हमें लगा कि शायद अब हम साथ काम कर सकेंगे। (एजेंसी)

करीना कपूर ने सैफ और बेटे तैमूर संग जमकर की मस्ती

फिल्म अभिनेत्री करीना कपूर खान इन दिनों लंदन में अपने पति और बच्चों के साथ वेकेशन इंजॉय कर रही है। हाल ही में करीना ने इस वेकेशन की कुछ तस्वीरें अपनी इंस्टा स्टोरी पर फैंस के साथ साझा की हैं,जिसमें वह अपने अभिनेता पति सैफ अली खान और बड़े बेटे तैमूर के साथ नजर आ रही हैं। करीना ने जो तस्वीरें शेयर की है उनमें से एक तस्वीर में करीना के साथ तैमूर इवेंट के लिये काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में सैफ, करीना और तैमूर सीढ़ियों में खड़े होकर स्टाइलिश लुक में पोज दे रहे हैं।

दरअसल तीनों ने लंदन के फेमस म्यूजकि कॉन्सर्ट के लिये सैफ, करीना और तैमूर तीनों ने ही ब्लैक आउटफिट कैरी किया था। तीनों ने ही द रोलिंग स्टोन्स के लोगो वाली ब्लैक टी-शर्ट पहनी हुई थी। एक ओर जहां करीना और सैफ टी-शर्ट पर ब्लैक कलर की लेदर जैकेट पहने हुए थे। वहीं कूल तैमूर ने ग्रे कलर की हुडी डाली हुए नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर तीनों की ये तस्वीरें वायरल हो रही हैं। करीना कपूर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती है और अक्सर अपनी और अपनी फैमिली की तस्वीरें फैंस के साथ साझा करती रहती है। करीना कपूर ने सैफ अली खान के साथ साल 2012 में शादी की थी। करीना कपूर और सैफ अली खान के दो बेटे तैमूर और जेह हैं। वहीं वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान जल्द ही आमिर खान के साथ फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आएंगी। यह फिल्म इसी साल 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। (एजेंसी)

सोनम कपूर ने भाई अर्जुन कपूर को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

फिल्म अभिनेता अर्जुन कपूर आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उनकी कजन सिस्टर एवं अभिनेत्री सोनम कपूर ने सोशल मीडिया के जरिये उन्हें खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है।

सोनम कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर अपनी और अर्जुन की बचपन से लेकर अब तक की कई अनदेखी तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा-हैप्पी हैप्पी बर्थडे अर्जुन कपूर। बचपन से अब तक हम एक-दूसरे का हाथ थामकर ही बड़े हुए हैं। लव यू भाई! आप फले-फूलें और सफल हों, क्योंकि आप डिजर्व करते हैं! सोनम के इस पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और इसपर प्रतिक्रिया देते हुए अर्जुन कपूर को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। सोनम और अर्जुन बॉलीवुड के फेमस ब्रदर-सिस्टर जोड़ी में से एक हैं। दोनों बॉलीवुड के जाने-माने कलाकार है। दोनों सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं और अक्सर एक-दूसरे की तस्वीरें साझा करते हैं। (एजेंसी)

अदनान सामी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर मचा रही है तहलका

गायक अदनान सामी की मालदीव की छुट्टियों की ताजा तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। सामी बेहद ही फिट नजर आ रहे हैं। सामी ने अपने परिवार के साथ छुट्टियों की एक झलक साझा करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया, जिसने प्रशंसकों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को आश्चर्यचकित कर दिया।

उन्होंने अपनी बेटी के साथ पूल में चिल करते हुए एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन दिया, वक्त बर्बाद करने का बिल्कुल समय नहीं है और इसलिए चलो मजा शुरू करें। उन्होंने एक सेल्फी भी साझा की, जिसमें वह समुद्र और आकाश के सुरम्य दृश्य के साथ कैमरे पर एक बड़ी मुस्कान दिखाते हुए दिखाई दे रहे हैं। रिपोटर्स के मुताबिक, जब सामी ने इंडस्ट्री में कदम रखा, तो उनका वजन 200 किलो से ज्यादा था। वह भर दो झोली, लिफ्ट करादे और सुन जरा जैसे कई अन्य गीतों के लिए लोकप्रिय हैं। (एजेंसी)

यशोदा के रैप अप के बाद वरलक्ष्मी सरतकुमार ने लिखा भावुक नोट

तमिल अभिनेत्री वरलक्ष्मी सरतकुमार ने अपनी आगामी फिल्म यशोदा के सेट पर काम करते हुए कुछ खूबसूरत पलों का एक वीडियो साझा करने के बाद एक भावुक नोट लिखा है। वरलक्ष्मी सरतकुमार ने नोट में बताया है कि उन्हें सामंथा रूथ प्रभु अभिनीत यशोदा की टीम के साथ काम करने में कितना मजा आया है।

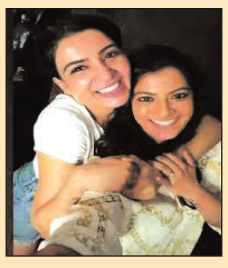

वरलक्ष्मी के नोट में लिखा है, टीम यशोदा को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप सभी के साथ शूटिंग में बहुत मजा आया। फिल्म देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। क्रैक अभिनेत्री ने अपनी सह अभिनेत्री सामंथा को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, धन्यवाद इतनी ऑसम होने के लिए सामंथा रुथ प्रभु। मैंने अपने निर्देशकों और विशेष रूप से मेरे प्रिय डॉप सुगु सर के साथ सबसे अच्छा समय बिताया। धन्यवाद। खबर है कि, फिल्म में अन्य मुख्य कलाकारों के अलावा वरलक्ष्मी सरतकुमार की भी अहम भूमिका है। (एजेंसी)

फिल्म अभिनेता एवं गायक कमाल मलिक के...

हिंदी सान्ग 'ख्वाबों में मिले' का लुक व पोस्टर लांच

ओपन सर्च.संवाददाता

जेड ए फिल्म्स इंटरनेशनल एन्ड कमाल मलिक प्रोडक्शन द्वारा निर्मित एक बेहतरीन हिंदी वीडियो सूफियाना सान्ग 'ख्वाबों में मिले' का फ़स्ट लुक और पोस्टर रिलीज का कार्यक्रम प्रेस क्लब ऑफ़ इंडिया में आयोजित किया गया जिसमे एलबम के गायक जानेमाने फिल्म, टीवी अभिनेता एवं गायक कमाल मलिक, जेड ए फिल्म्स इंटरनेशनल के ओनर जुल्फुकार टाईगर और एलबम ÷ख्वाबों में मिले÷ की टीम के राज सराफ, वीपी नरूला, प्रकाश चौधरी, रोहित कुमार, अरमान मालिक, हिना खान, ममता सैनी, जावेद हामिद मौजूद रहे। प्रेस क्लब ऑफ़ इंडिया में आयोजित प्रेस वार्ता में सिंगर कमाल मलिक ने हिंदी वीडियो सान्ग ÷खवाबों में मिले के बारे में पत्रकारों को बताया कि ÷खवाबों में मिले÷ सूफियाना अंदाज़ का एक सान्ग जो बहुत ही अच्छा बना है जो संगीत प्रेमियों को बहुत पसंद आएगा। कमाल मलिक का कहना है कि उन्हें बचपन से ही गाने का शौक रहा है इस लिए अभिनय के साथ साथ सिंगिंग में भी सक्रीय है। इससे पहले भी कमाल एक एलबम रिलीज़ हो चुका है। जेड ए फिल्म्स इंटरनेशनल के ओनर जुल्फुकार टाईगर ने इस सान्ग के बारे में बताया की इसके वीडियो को उत्तराखंड के ऋषिकेश की खूबसूरत वादियों, झरनो और नदियों के किनारे फिल्माया गया है जो दर्शको को खूब लुभाएगा। हमे उम्मीद ही नहीं बल्कि पूरी यकीन है सूफियाना अंदाज़ में गाया यह हिंदी वीडियो सान्ग 'ख्वाबों में मिले'उम्मीद है दर्शको को लोग बहुत पसंद करेंगे और पहले की तरह ही इस गाने को भी भरपूर प्यार-सम्मान मिलेगा।

पूजा हेगड़े का छलका दर्द ऐसा समय भी था जब कोई काम नहीं था

साउथ इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना चुकीं बोल्ड और खूबसूरत अदाकारा पूजा हेगड़े आए दिन सुर्खियों में रहती हैं। कभी अपनी दिलकश तस्वीरों को लेकर तो कभी अपनी फिल्मों को लेकर। वैसे पूजा के लिए यहां तक का लंबा और शानदार सफर तय करना आसान नहीं था। पूजा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में कई उतार- चढ़ाव भी देखे। हाल ही में पूजा ने अपनी करियर जर्नी को लेकर कई बड़ी बातें कही हैं। एक बातचीत के दौरान पूजा हेगड़े ने बताया, 'मेरे करियर का पीक टाइम तक था जब मेरे पास लगातार छह हिट फिल्में थीं जो मेरे खुद के लिए भी काफी आश्चर्यजनक था। लेकिन यह इतना आसान नहीं था क्योंकि मेरे करियर की शुरुआत मेरे लिए सबसे मुश्किल दौर था' पूजा आगे कहती हैं, 'ऐसा नहीं था कि मैंने एक फिल्म से ही इंडस्ट्री में धाक जमा ली और कभी मुड़कर नहीं देखा। मेरे सामने ऐसा समय भी आया जब

मेरे पास काफी दिनों तक कोई काम नहीं था। उस दौरान मुझे ऐसी फिल्में नहीं मिल रही थीं, जो मैं करना चाहती थी। जब मुझे ऐसी फिल्म मिली भी तो वह कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। उसके बाद एक तेलुगू फिल्म मेरे लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुई।'अपने इस पूरे सफर को एक रोलर कोस्टर राइड की तरह बताते हुए पूजा कहती हैं कि यह मजेदार भी था, मैंने उस दौरान बहुत कुछ सीखा। वहीं, फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में पूजा कहती हैं, 'मुझे लगता है कि हर फिल्म अपनी नियति के साथ आती है।जब मैं खुद को बॉक्स ऑफिस से जोड़ना शुरू करती हूं और कल अगर मेरी कोई फिल्म अच्छा नहीं करती है तो यह मुझे प्रभावित करेगा।'पूजा आगे कहती हैं, 'ऐसे कई ड्रीम डायरेक्टर्स हैं जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। एक कलाकार के रूप में कहने के लिए बहुत कुछ है, इसे अपना सर्वश्रेष्ठ समय कहने के लिए अभी भी बहुत कुछ होना बाकी है। जब आप एक न्यू कमर की तरह महसूस करते हैं तो आपके अंदर हमेशा कुछ अच्छा और बड़ा कर दिखाने की ललक रहती है और मैं अभी उसी दौर में हूं।

आलिया भट्ट की प्रेग्नेंसी पर आखिरकार महेश भट्ट ने भी दिया रिऐक्शन, बोले- शानदार डेब्यू...

आलिया भट्ट ने सोमवार सुबह अपने फैन्स को बड़ी खुशखबरी दी। इसके साथ ही उनकी फैमिली में जश्न का माहौल है। आलिया की मां सोशल मीडिया पर पोस्ट कर चुकी हैं। उन्होंने आलिया और रणबीर के पेरेंट्स बनने की खबर को बेस्ट न्यूज बताया है। अब आलिया के पिता महेश भट्ट का रिऐक्शन सामने आया है। महेश भट्ट ने इस खबर पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि वह नाना के रोल के लिए तैयार हैं। डेब्यू शानदार होगा। सोमवार सुबह आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट से सबको चौंका दिया। अपने पोस्ट में आलिया ने खबर दी कि वह जल्द मां बनने वाली हैं। इस खबर के आने के बाद से उनको लोग बधाइयां दे रहे हैं।

साथ ही परिवारवालों के रिऐक्शंस भी आ रहे हैं। अब इस पर आलिया के पिता महेश भट्ट का रिऐक्शन आया है। उनका कहना है कि वह बहुत खुश हैं। ये भी पढ़ें- आलिया भट्ट की प्रेग्नेंसी पर मायके और ससुराल में मनी खुशी, शेर के फोटोज के पीछे ये है राज? दरअसल आलिया ने क्लीयर नहीं लिखा कि वह प्रेग्नेंट हैं। दो शेरों के साथ बेबी लॉयन की तस्वीर शेयर की है तो लोग कयास लगा रहे थे कि कहीं यह शमशेरा का प्रमोशन ना हो। अब महेश भट्ट ने सारे कयासों पर फुलस्टॉप लगा दिया है।

ईटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, महेश भट्ट ने कहा, आह, मेरी बेबी को बेबी होने वाला है। मैं रणबीर और आलिया के लिए बहुत खुश हूं। ईश्वर करे हमारा कुनबा बढ़े। अब मुझे अपने जीवन के सबसे अहम रोल की तैयारी करनी है। नाना का रोल। यह एक शानदार डेब्यू होने वाला है। इससे पहले सोनी राजदान ने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में कहा था, हम बहुत खुश हैं और इस पल को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। किसी जिंदगी को जन्म देने से बढ़कर महान काम कुछ नहीं हो सकता। (एजेंसी)

चौथे हफ्ते भी विक्रम का जलवा बरकरार, 400 करोड़ का आंकड़ा भी किया पार

कमल हासन की फिल्म विक्रम बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इस फिल्म को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। रिलीज के बाद से ही लगातार धुआंधार कलेक्शन करने वाली विक्रम ने चौथे हफ्ते में ताबड़तोड़ कमाई की है। इतना ही नहीं, विक्रम ने एसएस राजामौली की फिल्म बाहुबली 2 को भी पीछे छोड़ दिया है। इसी बीच फिल्म ने एक और माइलस्टोन सेट कर दिया है। बता दें, विक्रम 400 करोड़ क्लब में एंट्री के साथ-साथ यह आंकड़ा भी पार कर दिया है।

ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने विक्रम के कलेक्शंस पर खुशी जाहिर की है। वर्ल्डवाइल्ड 'विक्रम' 400 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है। किसी तमिल फिल्म के वर्ल्डवाइड सबसे ज्यादा कलेक्शन के मामले में 'विक्रम' दूसरे नंबर पर है। टॉप पर रजनीकांत की 2.0 है, जिसने 655 करोड़ की कमाई की थी। विक्रम के सफल होने के बाद अब इसके सीक्वल ही चर्चा होने लगी है। वेबसाइट पिंकविला के साथ बातचीत में कमल हासन ने साफ किया था कि इसकी संभावना है कि फिल्म का दूसरा पार्ट आएगा। उसके लिए पहले लोकेश अपने दूसरे कमिटमेंट पूरा करेंगे उसके बाद इस पर काम होगा। (एजेंसी)

प्रिंस विलियम अगले जेम्स बॉन्ड के लिए आदर्श उम्मीदवार : बारबरा ब्रोकोली

निर्माता बारबरा ब्रोकोली ने चुटकी लेते हुए कहा कि ड्यूक ऑफ कैम्ब्रिज, प्रिंस विलियम अगले जेम्स बॉन्ड बनने के लिए सही उम्मीदवार हैं। ऐसशोबिज डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रोकोली और उनके भाई माइकल विल्सन को इस सप्ताह बकिंघम पैलेस में ड्यूक की ओर से सीबीई से सम्मानित किया गया। जब उनसे पूछा गया कि वह प्रतिष्ठित जासूसी भूमिका में डेनियल क्रेग की जगह किसे देखना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा कि ड्यूक ऑफ कैम्ब्रिज। द मिरर के अनुसार, उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, जिस व्यक्ति से हम अभी मिले हैं, वह उपलब्ध नहीं है। वह व्यस्त है, दुर्भाग्य से, लेकिन वह सही उम्मीदवार होगा। हाल ही में यह दावा किया गया था कि, इदरीस एल्बा बॉन्ड की भूमिका निभाने की दौड़ में वापस आ गए है। माना जाता है कि लूथर अभिनेता ने क्रेग की जगह एक अच्छे जासूस के रूप में कदम रखा था और इसके बजाय निर्माताओं से अगली फिल्म में संभावित रूप से खलनायक के रूप में दिखाई देने के बारे में बात की थी, मार्केट रिसर्च में अनुकूल स्कोर करने के बाद वह एक बार फिर 007 में भूमिका के लिए तैयार हैं। एक सूत्र ने द सन अखबार के बिजार कॉलम को बताया, इदरीस लंबे समय से जेम्स बॉन्ड की कहानी के अगले युग में एक भूमिका निभाने के लिए बातचीत कर रहे हैं, और पिछले साल एक प्रतिपक्षी के रूप में भूमिका के लिए विचार किया जा रहा था। उन्होंने आगे कहा, हालांकि, मुख्य भूमिका निभाने के बारे में बातचीत फिर से शुरू हो गई है क्योंकि निर्माताओं को एहसास हुआ कि गुप्त मार्केट रिसर्च करने के बाद वह कितने लोकप्रिय होंगे। वह इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित फिल्म प्रेमियों के विविध समूह में उच्च स्थान पर था। वे उसे एक दासता के रूप में नहीं देखना चाहते थे-वे उसे नायक के रूप में चाहते हैं। उन्होंने कहा, इस साल की शुरुआत में, इदरीस प्रतिष्ठित भूमिका के लिए फ्रेम में थे। (एजेंसी)

अनुपम खेर को याद आए पुराने दिन, ऋषि कपूर और यश चोपड़ा संग साझा किए सुनहरे पल

अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहते हैं और आए दिन तस्वीरें और वीडियोज शेयर करते रहते हैं। अनुपम खेर हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखते हैं और कभी अपनी धुंधली सी यादों को भी साझा करते रहते हैं। एक बार फिर अनुपम खेर ने एक पुरानी याद साझा की है जिसमें वो ऋषि कपूर और यश चोपड़ा के साथ पार्टी करते नजर आ रहे हैं। अनुपम खेर की यह प्राइसलेस थ्रोबैक तस्वीर सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो रही है। हाल ही में अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक अमूल्य और बेहतरीन याद साझा की है। इस थ्रोबैक तस्वीर में अनुपम, ऋषि कपूर और यश चोपड़ा के साथ पार्टी करते दिख रहे हैं। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि एक कमरे के अंदर ऋषि कपूर और यश चोपड़ा खड़े होकर कुछ खा रहे हैं। वहीं, अनुपम सोफे पर बैठे हैं और खाने का लुत्फ उठा रहे हैं। (एजेंसी)

'अभी मुझे फैमिली बनानी है' बच्चे को लेकर कुछ दिन पहले ही रणबीर कपूर ने दिया था इशारा

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के घर जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है। बॉलीवुड के मोस्ट क्यूट कपल को ढेर सारी बधाइयां मिल रही हैं। सेलिब्रिटीज से लेकर फैन्स ने इस गुड न्यूज पर रिएक्ट किया और शुभकामनाएं दे रहे हैं। आलिया ने अपने सोशल मीडिया पेज पर एक फोटो शेयर कर अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी। वह अस्पताल के बेड पर लेटी हुई नजर आई और बेहद खुश हैं। उनकी सोनोग्राफी हो रही है। बगल में बैठे हुए रणबीर कपूर मालूम पड़ते हैं।

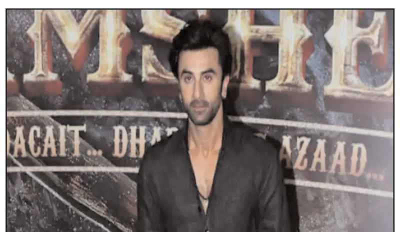

जैसे ही आलिया की ये फोटो आई वायरल हो गई। इसके साथ कपल के पुराने इंटरव्यूज भी शेयर किए जा रहे हैं जब उन्होंने फैमिली और बच्चे को लेकर बात की। रणबीर कपूर की आने वाली फिल्म 'शमशेरा' का ट्रेलर कुछ दिन पहले ही लॉन्च किया गया। इस दौरान उन्होंने अपनी फैमिली का जिक्र किया। रणबीर का यह वीडियो वायरल हो गया है। उन्होंने कहा था, 'अभी मुझे बहुत काम करना है सर, मुझे फैमिली बनानी है, उनके लिए काम करना है, पहले मैं खुद के लिए काम करता था... नहीं, नहीं, अभी मुझे बहुत काम करना है।' रणबीर कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह 4 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। उनकी फिल्म 'शमशेरा' 22 जुलाई 2022 को सिनेमाघरों मे रिलीज होने जा रही है। फिल्म में रणबीर कपूर, संजय दत्त और वाणी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। इसके निर्देशक करण मल्होत्रा हैं और यश राज बैनर ने प्रोड्यूस किया है। इसके अलावा रणबीर के पास 'ब्रह्मास्त्र' और 'एनिमल' है। (एजेंसी)

साउथ अभिनेता विजय बाबू गिरफ्तार, अभिनेत्री ने काम के बदले यौन शोषण का लगाया था आरोप

मलयालम अभिनेता और निर्माता विजय बाबू को यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। कोच्चि में एक अभिनेत्री ने उन पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। एर्नाकुलम दक्षिण पुलिस स्टेशन में पूछताछ के

लिए पेश होने पर विजय बाबू को गिरफ्तार किया गया। मामले की जांच कर रही टीम को विजय बाबू से पूछताछ के लिए सोमवार से 3 जुलाई तक की अनुमति मिली है। विजय बाबू पर इस साल की शुरुआत में महिला ने आरोप लगाया था। पीड़िता का कहना था कि अभिनेता ने कोच्चि के एक फ्लैट में उनके साथ कई बार मारपीट की थी। विजय बाबू ने फिल्मों में रोल का ऑफर देकर बहाने से उनका यौन शोषण किया। एर्नाकुलम दक्षिण पुलिस ने महिला की शिकायत पर विजय बाबू के खिलाफ मामला दर्ज किया था, यह शिकायत 22 अप्रैल को मिली थी। इससे पहले 22 जून को उन्हें केरल हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें जमानत दे दी गई थी लेकिन उन्हें जांच कर रही टीम के साथ मामले में सहयोग करना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, विजय बाबू कथित तौर पर उस वक्त दुबई भाग गए थे। इस महीने की शुरुआत में वो वापस लौटे। अभिनेता पर ये भी आरोप है कि फेसबुक लाइव के दौरान उन्होंने पीड़िता की पहचान का खुलासा किया। ओनमनोरमा की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि असल में वह पीड़ित हैं और वह मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ता का नाम उजागर करने के बाद वह नतीजा भुगतने के लिए तैयार हैं। (एजेंसी)

न्यूयॉर्क की गलियों में पत्नी नम्रता के साथ कोजी हुए महेश बाबू, फैंस बोले - एकदूजे के लिए ही बने हैं

महेश बाबू साउथ फिल्म इंडस्ट्री का चमकता सितारा है। उनकी फिल्मों के साथ-साथ लोग उनसे जुड़ी हर अपडेट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। महेश बाबू सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और फैंस को भी निराश नहीं करते हैं। वैसे महेश बाबू की सोशल मीडिया प्रोफाइल देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि वो एक फैमिली मैन हैं। वो आए दिन अपने परिवार के साथ अपने खूबसूरत लम्हों को साझा करते रहते हैं।

एक बार फिर महेश बाबू ने अपनी पत्नी नम्रता शिरोडकर के साथ एक खूबसूरत तस्वीर साझा की है जो सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल हो रही है। दरअसल, इन दिनों महेश बाबू न्यू यॉर्क में परिवार के साथ छुट्टियां मना रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी पत्नी नम्रता शिरोडकर के साथ वेकेशन की खूबसूरत तस्वीर साझा की है। इस खूबसूरत तस्वीर के साथ महेश बाबू ने प्यार भरा कैप्शन भी लिखा है। उन्होंने लिखा, 'गर्मियों की रातें और यहां की रोशनी।' महेश और नम्रता की जोड़ी को फैंस को भरपूर प्यार मिलता है और इस बार भी ऐसा ही हुआ है। फैंस के साथ-साथ सिलिब्रिटीज भी महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की इस तस्वीर पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। एक फैन ने इस कपल के लिए लिखा, आप दोनों एक साथ कमाल लगते हैं। वहीं, अन्य यूजर ने दोनों की तारीफ में लिखा, आप दोनों एक दूसरे के लिए ही बने हैं। वहीं, कई यूजर्स ऐसे भी हैं जिन्होंने हार्ट और फायर इमोजी पोस्ट की है। वहीं, महेश बाबू की बेटर हाफ नम्रता शिरोडकर ने लिखा, हमारे सबसे खूबसूरत पलों में से एक। गौरतलब है कि महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की लव स्टोरी काफी फिल्मी है।

दोनों की मुलाकात फिल्म वामसी के सेट पर हुई थी और फिर दोस्त बन गए। कब यह दोस्ती प्यार में बदल गई, शायद इन दोनों को भी पता नहीं चला। लगभग एक दूसरे को चार साल तक डेट करने के बाद दोनों ने 10 फरवरी 2005 को शादी कर ली। नम्रता महेश बाबू से उम्र में लगभग साढ़े तीन साल बड़ी हैं। महेश बाबू और नम्रता के दो बच्चे हैं जिनका नाम सितारा और गौतम है। (एजेंसी)